डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार प्रकाशित | अंक 13.11.2023 से 19.11.2023 | वर्ष-40 | अंक-46 | मूल्य ₹ 10.00

- कुल मतदाता: 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925
- 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607
- 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945
- पहली बार देंगे वोट 22 लाख युवा
- 1373 थर्ड जेंडर मतदाता
- 64 हजार 523 मतदान केंद्र
- शहरी क्षेत्र में 16 हजार 763 केन्द्र
- ग्रामीण क्षेत्र में 47 हजार 760 केन्द्र

3 दिसम्बर 2023 मतगणना

संक्षिप्त खबर

व्हाट्सएप चैटबॉट से निर्वाचन संबंधी जानकारी कर सकेंगे प्राप्त

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के मतदाताओं की सुविधा के लिए सीईओ एम.पी. के नाम से व्हाट्सएप चैटबॉट लांच किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश के मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां आसानी से मिल सकें, इसके लिए मतदाताओं को व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा प्रदान की गई है। इस नवाचार के तहत चैटबॉट के माध्यम से बातचीत कर मतदाता निर्वाचन से संबंधित विभिन्न जानकारियां जैसे मतदाता सूची में नाम दर्ज है या नहीं, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के तरीके, उसमें लगने वाले दस्तावेज आदि प्राप्त कर सकते हैं। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में 24 घंटे उपलब्ध है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विधानसभा चुनाव 2023 — मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन से बातचीत

मतदान के लिये वोटर आईडी या पर्ची अनिवार्य नहीं

मध्यप्रदेश में आगामी 17 नवम्बर 2023 को 230 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। चुनाव में मतदाता निर्भीक होकर मतदान कर सकें, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान संपन्न करवाने के लिये गठित निर्वाचन आयोग का चुनौतीपूर्ण दायित्व है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव संपन्न करवाना चुनाव आयोग का लक्ष्य है। राज्य में मतदान की तैयारियों और जागरूकता को लेकर मध्यप्रदेश के **मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन से ''रोज़गार और निर्माण'' की संपादक श्रीमती रंजना चितले** ने बातचीत की। प्रस्तुत हैं बातचीत के संपादित अंश -

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में चुनाव एक अनिवार्यता है और विधानसभा चुनाव में निष्पक्ष मतदान के लिए चुनाव आयोग की क्या तैयारियां हैं?

निष्पक्ष मतदान के लिये हम पूरी तरह तैयार हैं। हमने मतदान केन्द्र पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की है। खासतौर से संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर केंद्रीय सुरक्षा बल की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कैमरा, मतदान केन्द्रों की लाइव स्ट्रीमिंग, माइक्रो ऑब्जर्वर, सघन मॉनिटरिंग और पुलिस पेट्रोलिंग टीम के माध्यम से सुरक्षा की पूरी चाकचौबंद व्यवस्था की है। निष्पक्षता की बात करें तो मतदान दल में जो लोग होते हैं उनके चयन में विशेष ध्यान रखा जाता है। उदाहरण के तौर पर, जो भी पीठासीन अधिकारी सहित दल के तीन अन्य लोग हैं वे उसी मतदान केन्द्र पर भेजे जाते हैं जो उनके निवास और कार्यस्थल की विधानसभा का न हो। इसके अलावा भी कई मापदंड हैं जिनके माध्यम से हम निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं।

आदर्श आचरण संहिता का पालन पूरी कड़ाई के साथ हो, इसके लिये चुनाव आयोग ने क्या विशेष तैयारियां की हैं?

आदर्श आचरण संहिता 9 अक्टूबर 2023 से प्रदेश में प्रभावशील है। घोषणा के बाद ही 24 घंटे में शासकीय इमारतों व परिसर से होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर्स हटाये गये। 48 घंटे में पब्लिक प्रॉपर्टीज, पब्लिक प्लेस से हटाई गयीं। कहने का मतलब है कि आचार संहिता के जो प्रावधान हैं उनका तत्काल पालन शुरू किया गया ताकि जो राजनीतिक पार्टियां हैं उन्हें लेवल प्लेइंग फील्ड मिले। इसके साथ-साथ आचार संहिता के जो अन्य प्रावधान हैं उन्हें लागू किया गया। लाउडस्पीकर, वाहनों का उपयोग, पोस्टर, बैनर्स का उपयोग, मीडिया सर्टिफिकेशन मॉनिटरिंग कमेटी बनाई गई है। इसके अलावा राज्य व जिले की सीमाओं पर एसएसटी टीम को तैनात किया गया। फ्लाइंग स्क्वाड टीम का गठन किया गया है। राज्य व जिले की सभी सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था बेहतर ढंग से की गई। प्रयास यही है कि आचार संहिता का पूरी सख्ती से पालन हो।

> **मेरी मध्यप्रदेश के सभी मतदाताओं से अपील है कि लोकतंत्र में सरकार चुनने और मतदान करने का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार हमारे पास है। 17 नवम्बर को मध्यप्रदेश में वोटिंग है। मैं अनुरोध करता हूं सभी मतदाता साथियों से कि आप वोट जरूर कीजिए। आपका जो मतदान केन्द्र है वहां जाइये और मतदान कीजिए। न सिर्फ स्वयं मतदान कीजिए बल्कि परिवार व अन्य लोगों को भी मतदान के लिये प्रेरित कीजिए। सभी मतदान करें ताकि हम लोग लोकतंत्र के इस उत्सव में हम अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।**

मतदाताओं का भयमुक्त होना जरूरी है। मतदाताओं को सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से प्रदेश में कितने संवेदनशील मतदान केन्द्र चिन्हित हुए हैं और इन क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर क्या व्यवस्था है?

संवेदनशील मतदान केन्द्रों की स्थिति बदलती रहती है। लगभग 25 प्रतिशत मतदान केन्द्र हैं जो संवेदनशील मतदान केन्द्रों की श्रेणी में हैं। इन मतदान केन्द्रों पर सेंट्रल फोर्स की व्यवस्था, माइक्रो ऑब्जर्वर, लाइव वेब स्ट्रीमिंग, मतदान केन्द्र के अंदर और बाहर कैमरे की व्यवस्था, क्राउड मैनेजमेंट के लिये इंस्पेक्शन, सुपरविजन, कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इन सब व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रयास होता है कि उन पर बेहतर निगरानी रखी जाए। मतदाताओं को मैं **''रोज़गार और निर्माण''** के माध्यम से आश्वस्त करना चाहता हूं कि वह निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

विधानसभा चुनाव की सफलता में कितना अमला लगेगा?

प्रदेश में 64 हजार 523 मतदान केन्द्र हैं। एक मतदान केन्द्र पर चार लोगों का दल तैनात किया गया है। रिजर्व में 25 प्रतिशत लोग रखे गये हैं। सामग्री वितरण, सामग्री प्राप्ति, प्रशिक्षणकर्ता, जोनल ऑफिसर, सेक्टर अफसर, पुलिस बल सहित काफी बड़ा अमला लगता है। लगभग 4.50 लाख लोग पूरी शिद्दत और मेहनत करके चुनावी प्रक्रिया को सफल बनाते हैं, उनकी दम पर ही हम सफलतापूर्वक निर्वाचन प्रक्रिया कर पाते हैं।

प्रदेश में मतदान का प्रतिशत बढ़े, इसके लिये चुनाव आयोग ने क्या तैयारियां की हैं? क्या पिछली बार की तुलना में इस वर्ष मतदान प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है?

पिछले चुनाव में 75.63 प्रतिशत मतदान हुआ था। कुछ क्षेत्र ऐसे थे जहां मतदान का प्रतिशत कम था। उन मतदान केन्द्रों की पहचान करके हम कार्य योजना बनाकर काम कर रहे हैं। हमने कुछ ऐसे मतदान केन्द्र चिन्हित किये हैं जहां पर महिलाओं और युवाओं का वोटिंग प्रतिशत कम था। खासतौर से शहरी क्षेत्रों में सामान्य वोटिंग प्रतिशत कम था, उसे देखते हुए हमने योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया है। इसके लिये हम प्रचार-प्रसार के तमाम साधनों का उपयोग कर रहे हैं। कॉलेजों में युवाओं के क्लब और कैंपस एंबेसेडर बनाए गए हैं। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रचार-प्रसार का काम कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस विधानसभा चुनाव में गत विधानसभा चुनाव की तुलना में निश्चित ही वोटिंग प्रतिशत बढ़ेगा।

इस बार मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, ऐसे में क्या आवश्यकतानुसार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन उपलब्ध हैं?

जहां तक बात वोटिंग मशीनों की है तो ईवीएम मशीन, बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपैट मशीनें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। हर जिले के वेयरहाउस में मतदान में प्रयोग की जाने वाली मशीनें पर्याप्त संख्या में मौजूद हैं।

मतदान के लिये वोटर आईडी कार्ड के अलावा कौन से दस्तावेज मान्य होंगे जिन्हें दिखाकर मतदान किया जा सकेगा?

लोगों में यह भ्रांति है कि यदि हमारे पास वोटर आईडी कार्ड नहीं है तो हम वोट नहीं कर पायेंगे। अगर किन्हीं कारणों से किसी व्यक्ति के पास वोटर आईडी कार्ड नहीं है तो उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। वोटर आईडी कार्ड के अतिरिक्त 12 प्रकार के दस्तावेज हैं जिनमें से आप कोई भी एक दस्तावेज लेकर मतदान का उपयोग कर सकते हैं। जैसे आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार,पीएसयू, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी का उपयोग करके भी मतदान किया जा सकता है। मतदान के लिये वोटर आईडी कार्ड की अनिवार्यता बिल्कुल नहीं है।

शेष पृष्ठ 09 पर...

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी होंगे पुरस्कृत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा नवाचार का निर्णय बूथ, रिटर्निंग और जिला निर्वाचन अधिकारी को मिलेगा पुरस्कार

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवम्बर को मतदान होगा। प्रदेश में इस बार मतदान प्रतिशत को बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और बूथ लेवल अधिकारी को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह नवाचार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा किया जा रहा है।

नकद और प्रशस्ति पत्र करेंगे भेंट

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि निर्वाचन कार्य में बीएलओ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष 3-3 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को सम्मानित किया जाएगा। इस तरह से प्रदेश के 690 बीएलओ को पुरस्कार के रूप में 5-5 हजार रुपये की नकद राशि तथा प्रशस्ति पत्र भेंट किये जायेंगे।

पांच लाख रुपये का पुरस्कार

इसी प्रकार स्वीप गतिविधियों के माध्यम से जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 230 विधानसभा क्षेत्रों में से शीर्ष-3 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को 1-1 लाख रुपये और शीर्ष-3 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला नोडल अधिकारी (स्वीप) को संबंधित विधानसभा क्षेत्र एवं जिले में स्वीप गतिविधियों के लिए 5-5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

पच्चीस जनवरी को होंगे सम्मानित

चयनित अधिकारियों-कर्मचारियों को यह पुरस्कार 25 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा भव्य और गरिमामय सम्मान समारोह में दिया जाएगा।

4 नवम्बर

चाणक्य रक्षा संवाद-2023 सम्पन्न

● भूमि युद्ध अध्ययन केंद्र (सीएलए डब्ल्यूएस) के सहयोग से भारतीय सेना

द्वारा संचालित दो दिवसीय अभूतपूर्व कार्यक्रम, चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2023, दक्षिण एशिया और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों पर व्याख्यान के साथ 4 नवंबर को संपन्न हुआ। नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में छह अलग-अलग सत्रों में आयोजित कार्यक्रम, 'भारत और हिन्दी-प्रशांत क्षेत्र की सेवा-व्यापक सुरक्षा के लिए सहयोग' विषय पर केंद्रित था।

● दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी) और इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईआईटीडी) विश्वसनीय और जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली के क्षेत्र में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आए हैं। रिस्पॉन्सिबल एआई में अग्रणी विकास के लिए इनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। निष्पक्षता मूल्यांकन को बढ़ावा देने पर केंद्रित यह सहयोग विशेष रूप से एआई सिस्टम में पक्षपात पर ध्यान देने और इन प्रौद्योगिकियों में जनता के विश्वास को बढ़ावा देने पर आधारित है। रिस्पॉन्सिबल एआई का एक महत्वपूर्ण पहलू निष्पक्ष और निष्पक्ष एआई/एमएल सिस्टम सुनिश्चित करना है।

5 नवम्बर

भारतीय और श्रीलंकाई नौसेना के बीच हुई सामुद्रिक सुरक्षा बैठक

● भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं तथा तटरक्षकों के प्रतिनिधियों के बीच वार्षिक

आईएमबीएल बैठक का 33वां संस्करण आईएनएस सुमित्रा पर पाक खाड़ी में प्वाइंट कैलिमेरे के पास भारत-श्रीलंका समुद्री सीमा रेखा पर आयोजित किया गया था। दोनों देशों के समकक्षों के बीच परस्पर बातचीत दोनों देशों की नौसेनाओं और प्रचालनों में सहयोगों एवं तालमेल को और अधिक बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में काम करती है। श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका नौसेना के उत्तर मध्य नौसेना क्षेत्र (एनसीएनए) के कमांडर आरएडीएम बीएकेएस बानागोडा ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तमिलनाडु और पुडुचेरी नौसेना क्षेत्र (एफओटीएनए) के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग आरएडीएम रवि कुमार ढींगरा ने किया।

● आयुर्वेद फॉर वन हेल्थ के वैश्विक संदेश के साथ देश भर के 11 शहरों में बाइकर्स रैली का सफल आयोजन किया गया। इन रैलियों का मुख्य उद्देश्य देश भर के युवाओं को आयुर्वेद दिवस के वैश्विक संदेश 'आयुर्वेद फॉर वन हेल्थ' से जोड़ना और आयुर्वेद की समृद्ध विरासत और जनकल्याणकारी सोच के साथ आयुर्वेद के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (CARI) दिल्ली और पटियाला, राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (RARI) लखनऊ, नागपुर, जयपुर, विजयवाड़ा (विशाखापटनम), तिरुवनंतपुरम और अहमदाबाद में, डॉ. ए. लक्ष्मीपति राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान और कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई और एनआईएमएच (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल हेरिटेज) हैदराबाद के सहयोग से देश भर के युवा बाइकर्स इन रैलियों से जुड़े और अभियान में अपना सहयोग दिया।

6 नवम्बर

कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा और लुलु हाइपरमार्केट के बीच समझौता

● खाड़ी के सहयोगी देशों (जीसीसी) में कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात

एपीडा APEDA

विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने वैश्विक खुदरा बाजार की प्रमुख कंपनी लुलु हाइपरमार्केट एलएलसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया-2023 में एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव और लुलु समूह के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री यूसुफ अली एमए के बीच इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर ब्रांड इंडिया को बढ़ावा देना है। यह समझौता ज्ञापन लुलु हाइपर मार्केट रिटेल श्रृंखला के साथ एपीडा के निर्धारित उत्पादों के लिए प्रचारात्मक गतिविधियों की भी सुविधा प्रदान करेगा। समझौता ज्ञापन के दस्तावेज़ के अनुसार, लुलु समूह अपने खुदरा दुकानों में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की एपीडा की टोकरी में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को सक्रिय रूप से बढ़ावा देगा और प्रदर्शित करेगा। एपीडा के उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित करने और उनकी दृश्यता बढ़ाने हेतु लुलु समूह के स्टोर के भीतर एक समर्पित शेल्फ स्थान आवंटित किए जायेंगे।

● रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के समान मातृत्व, शिशु देखभाल और शिशु गोद लेने की छुट्टियों के नियमों में विस्तार के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। यह नियम जारी होने के साथ ही सेना में सभी महिलाओं को, चाहे उनकी रैंक कुछ भी हो उनकी समावेशी भागीदारी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। छुट्टी नियमों के विस्तार से सशस्त्र बलों से संबंधित महिला-विशिष्ट पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों से समाधान में अत्यधिक सहायता मिलेगी। इस कार्य से सेना में महिलाओं की कार्य स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर और पारिवारिक जीवन के क्षेत्रों में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में सहायता मिलेगी।

7 नवम्बर

समावेशी व्यापार पर कार्यशाला का आयोजन

● नीति आयोग ने "विकास और समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विकास और समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार तथा लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के क्षेत्रों में नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन के परिणामों की घरेलू पहुंच, स्वामित्व और कार्यान्वयन को व्यापक बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने अपने मुख्य भाषण में एक भेदभाव रहित और समावेशी व्यापार प्रणाली की जरूरत पर प्रकाश डाला, जो विकास और समृद्धि के इंजन के रूप में व्यापार को सुविधाजनक बनाती है। इसके अलावा, उन्होंने भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) के साथ एकीकृत और उभरती व्यापार प्रणालियों को तेजी से अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

● सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने के लिए पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश और राजस्थान सरकारों से पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने को कहा है। न्यायमूर्ति एस के कौल, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा की पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण कम करने के लिए तत्काल कुछ किया जाना चाहिए।

न्यायालय ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों को निर्देश भी जारी किए। पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव की निगरानी में पराली जलाने से संबंधित न्यायालय के दिशा निर्देशों को लागू करने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस अधिकारी पर होगी।

8 नवम्बर

भारत ने नेपाल को आपातकालीन राहत सामग्री की दूसरी खेप सौंपी

● भारत सरकार ने भूकंप प्रभावित नेपाल को आपातकालीन राहत सामग्री की दूसरी

खेप सौंप दी है। भारत सरकार की ओर से मिशन के उप प्रमुख प्रसन्न श्रीवास्तव ने बांके के मुख्य जिला अधिकारी श्रवण कुमार पोखरेल को सामाग्री सौंपी। इस अवसर पर नेपालगंज के महापौर प्रशांत बिस्ता भी मौजूद थे। 9 टन राहत सामग्री की इस खेप को भारतीय वायु सेना के विशेष विमान सी-130 के जरिए नेपालगंज पहुंचाया गया। इस महीने की 3 तारीख को जजरकोट में आए भूकंप को देखते हुए भारत सरकार नेपाल सरकार को ये सहायता दे रही है। भारत की 11 टन से अधिक राहत सामग्री 5 नवंबर को नेपाल सरकार को सौंप दी गई थी।

● हरियाणा फिल्म और एंटरटेनमेंट पॉलिसी की शासी परिषद की अध्यक्ष मीता वशिष्ठ ने कहा कि विद्यार्थी हरियाणा की वास्तुकला के इतिहास की जानकारी हासिल करें। साथ ही कला में गहरी रुचि लेकर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और धरोहर को संजोए रखने का कार्य करें। यह बात उन्होंने दादा पंडित लख्मीचंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय में हरियाणा फिल्म पॉलिसी के संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश की संस्कृति व धरोहर के प्रचार-प्रसार के लिए फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाणा फिल्म और एंटरटेनमेंट पॉलिसी लागू की है।

9 नवम्बर

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दूसरे विश्व स्थानीय उत्पादन मंच में हिस्सा लिया

● केन्द्रीय रसायन और उर्वरक राज्यमंत्री श्री भगवंत खुबा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने नीदरलैंड के हेग में आयोजित दूसरे विश्व स्थानीय उत्पादन मंच में भाग लिया। दवाओं और अन्य स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से डब्ल्यूएचओ की पहल पर विश्व स्थानीय उत्पादन प्लेटफॉर्म का गठन किया गया है। अपने संबोधन में श्री खुबा ने कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग विश्व स्तर पर सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और इसे 'विश्व की फार्मेसी' भी कहा जाता है। भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियां उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं की विश्वसनीय और किफायती आपूर्तिकर्ता बन गई हैं, जिससे दुनियाभर में स्वास्थ्य देखभाल सुविधा तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

● केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री और सांसद जेसन

क्लेयर के साथ गांधीनगर में वॉलोन्गॉन्ग और डीकिन विश्वविद्यालयों के भविष्य में बनने वाले परिसरों के स्थान का दौरा किया। मंत्रियों ने आरंभ (द बिगिनिंग) नामक एक कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें गिफ्ट सिटी में परिसरों के उद्घाटन की औपचारिक रूप से घोषणा की गई। डीकिन विश्वविद्यालय और वॉलोन्गॉन्ग विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने कोविड-19 महामारी जैसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी पर प्रकाश डालते हुए दो देशों के बीच साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत में परिसरों के खुलने के साथ शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों सहित भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

10 नवम्बर

भारत-इथियोपिया संयुक्त व्यापार समिति का छठा सत्र आयोजित

● भारत-इथियोपिया संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का छठा सत्र अदीस अबाबा (इथियोपिया) में आयोजित किया गया। इस समिति बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में वाणिज्य विभाग की आर्थिक सलाहकार सुश्री प्रिया पी. नायर तथा इथियोपिया के व्यापार और क्षेत्रीय एकीकरण मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण के प्रमुख कार्यकारी श्री तागेस मुलुगेटा ने की। संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में इथियोपिया में भारत के राजदूत श्री रॉबर्ट शेटकिंटोंग और दोनों पक्षों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में बाधा डालने वाले सभी मुद्दों का शीघ्रता से समाधान करने और दोनों देशों के बीच व्यापार संवर्धन को सुविधाजनक बनाने पर सहमति व्यक्त की। भारतीय पक्ष ने इथियोपियाई पक्ष को इथियोपिया के एथस्विच के साथ भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) पर सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा, भारतीय पक्ष ने इथियोपिया से स्थानीय मुद्रा में व्यापारिक लेनदेन के निपटान की संभावना का पता लगाने का भी आग्रह किया, जिससे द्विपक्षीय व्यापार संबंधों तथा विदेशी मुद्रा के संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

● इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) और एफएसआर ग्लोबल

के बीच आईआईसीए कैंपस मानेसर (गुरुग्राम) में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन पर आईआईसीए का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रोफेसर (डॉ.) नवीन सिरोही और एफएसआर ग्लोबल का प्रतिनिधित्व करने वाली सुश्री श्वेता रवि कुमार ने हस्ताक्षर किए। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) और एफएसआर ग्लोबल का लक्ष्य पारस्परिक रूप से लाभदायक भागीदारी स्थापित करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना और व्यावहारिक दृष्टिकोणों का पता लगाना है। इस साझेदारी का प्राथमिक फोकस भारत और विश्व दोनों में ऊर्जा क्षेत्र के नियामक परिदृश्य में परिचालन क्षमताओं को बढ़ाना है। यह समझौता ज्ञापन आईआईसीए और एफएसआर ग्लोबल के बीच सहयोग को मजबूत बनाता है और ऊर्जा विनियमन तथा विद्युत प्रबंधन के क्षेत्र में नवीन रणनीतियों का पता लगाने के लिए इनके औपचारिक समर्पण पर जोर देता है। इसे ऊर्जा क्षेत्र और इसके विनियमन की गहरी समझ को सुविधाजनक बनाने तथा सकारात्मक परिवर्तन और सतत प्रथाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 46 13.11.2023 से 19.11.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaarumirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

निर्वाचन प्रक्रिया में प्रोत्साहन और नवाचारों का महत्व

किसी भी राज्य में निर्वाचन की प्रक्रिया को सफल बनाने की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोग की होती है। प्रत्येक राज्य में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का प्रमुख पद होता है जिनके अधीन पूरा आयोग काम करता है और निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया को पूरा करने में इस आयोग की प्रमुख भूमिका होती है। मध्यप्रदेश में 230 विधानसभा सीटों के लिये मतदान होना है। ऐसे में निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल और सहज बनाने के लिये मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से ऐसे कई नवाचार किये गये हैं जिससे एक ओर जहां मतदान की प्रक्रिया सरल और सुलभ बनी है, वहीं दूसरी ओर इस पूरी प्रक्रिया से जुड़े लोगों को उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरस्कृत किये जाने का फैसला लिया है। कुछ इसी तरह के अन्य नवाचार भी चुनाव आयोग द्वारा किये गये हैं जो अपने आप में एक प्रशंसनीय निर्णय है।

इस बार मतदान केन्द्रों पर किये गये नवाचारों के क्रम में पिंक बूथ बनाये जाने का निर्णय लिया गया है। यह बूथ अपने आप में खास हैं। क्योंकि इस बूथ पर मतदान से जुड़ी सभी जिम्मेदारी महिला सदस्यों को दी गई हैं। प्रत्येक पिंक बूथ पर चार महिला सदस्यों को तैनात किया गया है। सिर्फ महिला ही नहीं, बल्कि युवा, दिव्यांगजन को भी इस तरह के बूथ पर मतदान करवाने की जिम्मेदारी दी गई है। लोकतंत्र के इस उत्सव में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देने के लिये प्रदेश की महिलाएं, युवा, दिव्यांगजन उत्साहित हैं। यही नहीं नवाचारों की इस श्रृंखला में आइडल बूथ का निर्माण भी किये जाने का निर्णय लिया गया है। यह ऐसे बूथ हैं जहां पर मतदाताओं को मतदान के दौरान बेहतर वातावरण दिये जाने का लक्ष्य है। चुनाव आयोग का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग लोकतंत्र के इस उत्सव के सहभागी बनें और मतदान अवश्य करें। यही कारण है कि दिव्यांगजन और 80 वर्ष या उससे अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को घर से वोटिंग करने की सुविधा प्राप्त हुई है। इसके अंतर्गत लगभग 84 हजार ऐसे मतदाता हैं जिन्होंने घर से वोटिंग करने का विकल्प चुना और मतदान की प्रक्रिया में शामिल अधिकारी-कर्मचारी घर से वोटिंग करवाने की सुविधा का लाभ दे रहे हैं। जो दिव्यांगजन या वरिष्ठ नागरिक मतदान स्थल पर आकर मतदान करना चाहते हैं उनके लिये केन्द्र पर वॉलेंटियर्स की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। यह सुविधा इसलिये दी जा रही है ताकि अधिक से अधिक लोग मतदान के लिये पहुंचें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। नवाचारों की इस श्रृंखला में चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कृत करने का निर्णय सराहनीय है। इसके तहत प्रदेश में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और बूथ लेवल अधिकारी को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। निर्वाचन कार्य में बूथ लेवल अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष तीन बूथ लेवल अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार 25 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर दिया जायेगा।

कुल मिलाकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा किये गये नवाचारों और अधिकारियों-कर्मचारियों को मिले प्रोत्साहन से मध्यप्रदेश में चुनाव की यह प्रक्रिया पूरी तरह सफल होगी।

दुनिया में मिर्च की वो किस्में जिनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में है दर्ज

मिर्च का नाम सुनते ही हम अक्सर पसीना छोड़ने लगते हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया में ऐसी भी मिर्च की पैदावार होती है जिसका उपयोग दवाई बनाने में किया जाता है या फिर इनका नाम भी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। ड्रेगन्स ब्रेथ मिर्च बहुत ज्यादा तीखी होती है। यह मिर्च जितनी तीखी होती है उतनी ही अच्छी होती है। इस मिर्च का सबसे ज्यादा इस्तेमाल दवाइयां बनाने के लिए होता है। यह मिर्च यूनाइटेड किंगडम में पाई जाती है। ड्रेगन्स ब्रेथ मिर्च को दुनिया की सबसे तीखी मिर्च भी कहा जाता है। इस मिर्च का तीखापन 2.48 मिलियन स्कॉविल इकाई तक होता है, जो सबसे तीखी माने जाने वाली कैरोलिना पेपर्स से भी करीब 2.2 मिलियन स्कॉविल इकाई ज्यादा है। यही नहीं भारत में जिस मिर्च को सबसे अधिक तीखी कहा जाता है उसका नाम भूत जोलकियाइस है। इस मिर्च की खेती नार्थ-ईस्ट असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में होती है। इसे भी वर्ष 2007 में दुनिया की सबसे तीखी मिर्ची कहा गया था। इस मिर्च का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है। कैरोलिना रीपर भी बेहद तीखी मिर्च होती है। इसे वर्ष 2013 में तीखेपन के मामले में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स बुक में जगह मिली थी। इस मिर्च की खेती अमेरिका में होती है। इसे स्वीट हैबनेरो और नागा वाइपर मिर्च को मिलाकर तैयार किया जाता है। नागा वाइपर मिर्च बहुत ही तीखी होती है। इसकी खेती यूनाइटेड किंगडम में होती है। इसकी एक विशेषता यह भी है कि जरूरी नहीं यह मिर्च लाल रंग की हो, इसका अन्य मिर्च की तुलना में कलर बदलता रहता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मतदान के लिये तैयार मध्यप्रदेश आदर्श मतदान केंद्र बढ़ाने पर जोर

वरिष्ठ नागरिकों को घर से मतदान की सुविधा

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यदि मतदाताओं की संख्या बढ़ी है तो निर्वाचन आयोग ने मतदान की सुविधाओं में भी वृद्धि की है। बुजुर्गों और निःशक्तजनों के लिये घर से मतदान सुविधा के साथ आदर्श मतदान केंद्र की संख्या भी बढ़ाई गई है।

मध्यप्रदेश में यह सोलहवीं विधानसभा के गठन के लिये निर्वाचन हो रहा है। इस बार कुल 64 हजार 523 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इनमें 17 हजार मतदान केंद्र संवेदनशील हैं। मतदान प्रक्रिया को पूरा करने के लिये प्रत्यक्ष और परोक्ष मिलाकर लगभग 4.5 लाख शासकीय सेवक सहभागी बनेंगे। इनमें मतदान टीम, सुरक्षा कर्मी तथा सहयोगी शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया को पूरी कराने के लिये जो मतदान टीमें बनी हैं। इन्हें प्रत्यक्ष सहभागी माना जाता है। ऐसे कर्मचारियों को मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षण सभी जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों और अन्य निर्धारित स्थानों में हुआ। इन मतदान टीमों को मतदान प्रक्रिया के एक दिन पहले 16 नवम्बर को अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दे दिये गये हैं। सभी मतदान केंद्रों में होने वाली मतदान प्रक्रिया के प्रति निष्पक्षता को लेकर विश्वास अर्जित करने के लिये निर्वाचन आयोग ने विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निरंतर बैठकें की हैं और प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिये प्रशिक्षण कार्यशालाओं में अनुभवी विशेषज्ञों को प्रबोधन के लिये आमंत्रित किया गया। इन बैठकों और प्रशिक्षण कार्यशालाओं में आये सुझावों से मतदान प्रक्रिया को अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया गया है।

मतदाता सुविधाओं में वृद्धि

पिछले चुनावों की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के साथ मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है। इस बार प्रदेश में कुल 5.60 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 22 लाख मतदाता ऐसे हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। इनमें अधिकांश की आयु 18 और 19 वर्ष है। वहीं अस्सी वर्ष या इससे अधिक आयु के मतदाताओं की कुल संख्या 6 लाख 53 हजार 640 हैं। इनमें 5124 तो ऐसे हैं जिनकी आयु सौ वर्ष से अधिक है। इन अस्सी वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को घर से ही मतदान करने की सुविधा दी जा रही है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं को मिल सकेगी जिन्होंने मतदान तिथि 17 नवम्बर से पांच दिन पूर्व यानी 12 नवम्बर तक यह सुविधा प्राप्त करने के लिये अपना फॉर्म 12डी भरकर दे दिया होगा। निर्वाचन टीम ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के घर जाकर मतदान कराएगी और रिकॉर्डिंग भी करेगी। मतदान के लिये घर जाने वाली टीम के साथ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता भी साथ रह सकेंगे।

इस बार बनाए गये कुल 64 हजार 523 मतदाता केंद्रों में से 50 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों से वेब कास्टिंग होगी। यह व्यवस्था भी की गई है कि किसी भी मतदाता को अपने घर से दो किलोमीटर से अधिक दूर न जाना पड़े। मतदाताओं की सुविधा के लिये आदर्श मतदान केंद्र भी बनाए गये हैं।

आदर्श मतदान केंद्र

आदर्श मतदान केंद्रों को कुछ इस प्रकार का स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें प्रवेश करते ही मतदाता का मन प्रसन्न हो। इसमें सबसे पहले तो मतदान केंद्र बनाने के लिये भवन के चयन और उसके स्वरूप का निर्णय है। आदर्श मतदान केंद्र किसी भवन के भूतल पर बनाये गये हैं, वहां साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। आदर्श मतदान केंद्र की सजावट भी की जाती है। जैसे प्रवेश द्वार को तोरण द्वार जैसा स्वरूप दिया जाता है। इसके साथ रंगोली, गुब्बारों एवं फूलों आदि से भी सजावट की जाती है। आदर्श मतदान केंद्र में मतदाता की कतार नहीं होती अपितु प्रतिक्षा कक्ष और बैठक की व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था भी साधारण नहीं होती बल्कि आरामदेह बनाई जाती है। पीने के लिये जल की व्यवस्था भी प्रतीक्षा कक्ष में होती है। यह प्रतिक्षा कक्ष शौचालय से संबद्ध होता है। आदर्श मतदान केंद्र के लिये भवन का चयन ऐसे स्थान या क्षेत्र में किया जाता है जहां तक पहुंचने का मार्ग सुगम हो, पार्किंग की भी सुव्यवस्था हो और वह भवन सबके लिये सुपरिचित हो। आदर्श मतदान केंद्र में बिजली और प्रकाश की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यह प्रबंध भी किया जाता है कि यदि बिजली चली जाये तो प्रकाश एवं पंखा अथवा ए.सी. चलाने की वैकल्पिक संयंत्र (इनवर्टर) सक्रिय किया जा सके। आदर्श मतदान केंद्र भवन में मतदान के लिये आने और जाने के द्वार भी अलग-अलग होते हैं। तथा यदि महिलाएं चाहें तो उनके बैठने की सुगम व्यवस्था पुरुषों के साथ या सामूहिक बैठक कक्ष से अलग किए जाने का प्रावधान भी होता है। इन मतदान केंद्रों में मतदान के लिये आने वाले मतदाता का सम्मानजनक तरीके से मार्गदर्शन किया जायेगा। इसके लिये आयोग ने अपने या मतदान टीम के शासकीय कर्मचारियों के अतिरिक्त सामाजिक संगठनों का भी सहयोग लिया है।

इन आदर्श मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर और चिकित्सकीय फर्स्ट एड बाक्स का भी प्रबंध होता है ताकि किसी दिव्यांग मतदाता को उनके वाहन से मतदान स्थल तक व्हील चेयर पर लाया जा सके और आवश्यकता पड़ने पर मतदाता का प्राथमिक उपचार अथवा मरहम पट्टी की जा सके।

महिलाओं के लिये विशेष प्रावधान

इस बार होने वाले चुनावों में महिला मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित करने और मतदान के लिये आने वाली महिलाओं को अतिरिक्त सुविधा देने का भी प्रयास किया जा रहा है। इसके दो कारण हैं। एक तो इस बार कुछ जिले ऐसे हैं जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक है। इसके साथ वर्ष 2018 के चुनावों का अनुभव भी है। पिछले चुनाव में कुछ मतदान केंद्र ऐसे थे, जहां महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुष मतदाताओं की तुलना में कम रहा था। बाद में महिलाओं में मतदान की इस कमी का कारण जागरूकता का अभाव सामने आया। निर्वाचन आयोग द्वारा इन मतदान केंद्रों को चिन्हित करके इस बार इन क्षेत्रों में महिलाओं की जागरूकता बढ़ाने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिये मतदान प्रक्रिया में सहयोग के लिये तैयार टोलियां सक्रिय की गई हैं। इसके अतिरिक्त कुछ स्थानों पर महिलाओं के लिये पृथक मतदान केंद्र भी बनाये गये हैं। इन्हें 'पिंक' मतदान केंद्र या बूथ नाम दिया गया है। इन "पिंक बूथ" में केवल महिलाएं ही मतदान कर सकेंगी

मतदान का समय

मध्यप्रदेश विधानसभा के लिये 17 नवम्बर को होने वाले निर्वाचन का समय तीन जिलों में थोड़ा अलग निर्धारित किया गया है। प्रदेश के 3 जिलों में मतदान का समय आठ घंटे ही निर्धारित किया गया है। अन्य सभी जिलों में मतदान का समय ग्यारह घंटे होगा। सामान्यतः मतदान का समय प्रातः सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। यह व्यवस्था भी है कि यदि किसी मतदान केंद्र पर भीड़ है और मतदान की समय-सीमा पूरी हो रही तो मतदान केंद्र के द्वार बंद कर दिये जायेंगे। लेकिन समय-सीमा के भीतर मतदान केंद्र में प्रवेश कर लेने वाले मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

लेकिन इस बार मतदान प्रक्रिया में प्रदेश के बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिलों के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में केवल आठ घंटे ही मतदान हो सकेगा। यह समय प्रातः सात बजे से अपरान्ह तीन बजे तक ही है। इन विशिष्ट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बालाघाट जिले के तीन बैहर, लांजी और परसवाड़ा के सभी मतदान केंद्र, मंडला जिले के बिछिया और मंडला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 8 मतदान केंद्रों और डिंडोरी जिले के 40 मतदान केंद्रों पर यह समय-सीमा लागू होगी। जबकि प्रदेश के अन्य सभी मतदान केंद्रों में मतदान का समय प्रातः सात बजे से शाम छह बजे तक ही रहेगा। जिन क्षेत्रों में मतदान की अवधि केवल आठ घंटे है निर्वाचन आयोग ने उन क्षेत्रों में अपने प्रचार माध्यमों से तो अवगत कराया ही है साथ ही उन क्षेत्रों में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में भी अवगत कराया गया है।

प्रचार व्यय राशि में वृद्धि

इस बार निर्वाचन आयोग ने चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों द्वारा प्रचार व्यय में की जाने वाली राशि में भी वृद्धि की है। पहले उम्मीदवारों द्वारा अपने प्रचार व्यय की सीमा अधिकतम 28 लाख रुपये थी जो इस वर्ष बारह लाख बढ़ाकर चालीस लाख कर दी गई है। इसके साथ ही तय राशि से अधिक पैसे खर्च करने पर चुनाव आयोग उसके खिलाफ एक्शन ले सकता है। चुनाव आयोग के नियम के अनुसार इन 40 लाख रुपये में से सिर्फ 10 हजार रुपये कैश खर्च किए जा सकते हैं। बाकी का खर्च ऑनलाइन तरीके से किया जाता है। यही नहीं आयोग सभी प्रत्याशियों को चुनावी खर्च के लिए एक बैंक अकाउंट खोलने का निर्देश देता है, ताकि चुनाव आयोग इसकी निगरानी कर पाएगा। इसके साथ ही आयोग द्वारा उपलब्ध करवाए गए रजिस्टर में खर्चे का ब्यौरा लिखना अनिवार्य होता है। यह वृद्धि चुनाव आयोग द्वारा विभिन्न राजनैतिक दलों की बैठक में बनी सहमति के बाद पहले ही कर दी गई थी।

रमेश शर्मा

(लेखक : वरिष्ठ पत्रकार और स्तम्भकार हैं।)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023

सामान्य अध्ययन : प्रथम प्रश्नपत्र के तैयारी की रणनीति

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 में दो वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र होंगे। पहला प्रश्नपत्र सामान्य अध्ययन का एवं दूसरा प्रश्नपत्र जनरल एप्टीट्यूट टेस्ट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र की अवधि दो घंटे की होगी। सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र की विशेष अहमियत इसलिए है, क्योंकि जनरल एप्टीट्यूट का प्रश्नपत्र केवल क्वालिफाइंग हैसियत रखता है। अतएव सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र के प्राप्तांकों का विशेष महत्व होता है। इन्हीं प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट बनती है और मुख्य परीक्षा के लिए मौका मिलता है।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम का सबसे पहला खंड है

मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति और साहित्य। इसके तहत अध्ययन के जो भाग शामिल किए गए हैं, उनमें मध्यप्रदेश के इतिहास की प्रमुख घटनाएं और प्रमुख राजवंश, स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान, मध्यप्रदेश की प्रमुख कला और मूर्तिकला, मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियां और बोलियां, मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कला और लोक साहित्य, मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण साहित्यकार और उनका साहित्य, मध्यप्रदेश के धार्मिक और पर्यटन स्थल, मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण जनजातीय व्यक्तित्व शामिल किए गए हैं। पाठ्यक्रम का यह भाग मध्यप्रदेश के इतिहास, संस्कृति व साहित्य से संबंधित है, अतएव इसका अत्यधिक महत्व है। पिछले कुछ वर्षों में इससे संबंधित जो प्रमुख प्रश्न पूछे गए हैं, उनमें से कुछ प्रमुख ये हैं-

यदि हम मध्यप्रदेश के इतिहास के तहत पिछले कुछ वर्षों में पूछे गए प्रश्नों की ओर देखें तो इनमें ये प्रश्न बार-बार पूछे गए हैं।

1. खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण किसने कराया था?
2. असीरगढ़ का प्रसिद्ध किला कहां स्थित है?
3. श्री राम सहाय पाण्डे किस लोक नृत्य कला से संबंधित हैं?
4. श्रीमती दुर्गा बाई व्योम किस जनजातीय कला से संबंधित हैं?
5. मध्यप्रदेश में तुलसी पुरस्कार संबंधित है?
6. मध्यप्रदेश राज्य के किस स्थान पर इंडो-यूनानी शासक मिनांडर के सिक्के प्राप्त हुए हैं?
7. अकबर ने किस वर्ष असीरगढ़ किले पर अपना अधिकार स्थापित किया?
8. किस तीर्थस्थल का प्राचीन नाम मांधाता है?

इस आधार पर मध्यप्रदेश के सामान्य ज्ञान को आगे बढ़ाना होगा।

भारत का इतिहास

भारत के इतिहास के पाठ्यक्रम के तहत ये प्रमुख बातें शामिल हैं। प्राचीन और मध्यकालीन भारत की प्रमुख विशेषताएं, घटनाएं और उनकी प्रशासनिक, सामाजिक और आर्थिक प्रणालियां। 19वीं और 20वीं सदी में सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन। स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के लिए भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन। स्वतंत्रता के बाद भारत का एकीकरण और पुनर्गठन। यदि हम पिछले कुछ वर्षों के प्रश्नपत्रों में पाठ्यक्रम के इस खंड से संबंधित प्रश्न देखते हैं, तो हमें कई प्रश्न दिखाई देते हैं। मसलन -

1. किस स्थान पर भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था?
2. महालवाड़ी व्यवस्था किससे संबंधित थी?
3. 1929 के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की थी?
4. महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता किस वर्ष की थी?
5. हुमायूंनामा की रचना किसने की थी?
6. वैवेल योजना किस वर्ष प्रस्तुत की गई थी?
7. किस गवर्नर जनरल को भारत में 'स्थानीय स्वशासन का पिता' कहा गया है?
8. कौन-सा गुप्त सम्राट विक्रमादित्य के नाम से विख्यात है?
9. भाषायी आधार पर गठित होने वाला भारत का पहला राज्य कौनसा था?
10. आर्य समाज के संस्थापक कौन थे?
11. डलहौजी की 'व्यपगत सिद्धान्त' के अन्तर्गत विलय किया गया प्रथम राज्य कौनसा था?

मध्यप्रदेश के भूगोल का पृथक खंड है, मध्यप्रदेश के भूगोल के तहत शामिल हैं-

- मध्यप्रदेश के वन, वन उत्पाद, वन्य जीवन, नदियां, पर्वत और पर्वत श्रृंखलाएं।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक और खनिज संसाधन।
- मध्यप्रदेश में परिवहन। मध्यप्रदेश में प्रमुख सिंचाई और विद्युत परियोजनाएं।
- मध्यप्रदेश में कृषि, पशुपालन और कृषि आधारित उद्योग। यदि हम मध्यप्रदेश के भूगोल के तहत पिछले कुछ वर्षों में पूछे गए प्रश्नों की ओर देखें तो इनमें ये प्रश्न बार-बार पूछे गए हैं।

1. मलाज खंड की प्रसिद्ध तांबा खदान कहां स्थित है?
2. कहां भारतीय वन प्रबंधन संस्थान स्थित है?
3. किस नदी पर 'राजघाट बांध' बनाया गया है?
4. मध्यप्रदेश का सबसे उत्तरी जिला कौनसा है?
5. माताटीला बांध किस नदी पर बना है?
6. मध्यप्रदेश कितने कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभाजित है।
7. क्षेत्रफल के आधार पर मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा संभाग कौनसा है?
8. हिरण्यवाह किस नदी को कहा जाता है?

इस आधार पर मध्यप्रदेश के भूगोल के प्रश्न तैयार किए जाने चाहिए।

विश्व और भारत का भूगोल

इसके तहत इन पाठ्य सामाग्रियों को शामिल किया गया है-

भौतिक भूगोल : भौतिक विशेषताएं और प्राकृतिक क्षेत्र।

प्राकृतिक संसाधन : वन, खनिज संसाधन, जल, कृषि, वन्यजीव, राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य / सफारी।

सामाजिक भूगोल : जनसंख्या संबंधी जनसांख्यिकी (जनसंख्या वृद्धि, आयु, लिंग अनुपात, साक्षरता)

आर्थिक भूगोल : प्राकृतिक और मानव संसाधन (उद्योग, परिवहन के साधन)

दुनिया के महाद्वीप/देश/महासागर/नदियां/पहाड़।

विश्व के प्राकृतिक संसाधन।

पारंपरिक और गैर पारंपरिक ऊर्जा संसाधन। यदि हम पिछले वर्षों के सामान्य

अध्ययन के प्रश्न पत्र में इस पाठ्य सामग्री से संबंधित प्रश्नों को देखें तो इस आधार पर पूछे गए कई प्रश्न दिखाई देते हैं। मसलन -

1. माउंट किलिमंजारो कहां स्थित है?
2. रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
3. विश्व में सबसे लम्बी पर्वत शृंखला कौनसी है?
4. भूकंपीय लहरों का अध्ययन किस यंत्र द्वारा किया जाता है?
5. बॉम्बे हाई क्या है?
6. हरिकेन क्या है?
7. विश्व की सबसे लम्बी पर्वतमाला कौनसी है?
8. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर कितना है?
9. गन्ने का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक देश है?
10. भारत में खनिज संसाधन की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पठार कौनसा है?
11. कौन-से दो देशों को 'मेकमोहन रेखा' विभक्त करती है?

इस आधार पर विश्व और भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्न तैयार किए जाने चाहिए।

मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था और अर्थव्यवस्था- इसके तहत पाठ्यक्रम में शामिल है -

- मध्यप्रदेश की संवैधानिक प्रणाली (गवर्नर, मंत्रिपरिषद, विधान सभा, उच्च न्यायालय)।
- मध्यप्रदेश में पंचायती राज और नगरीय प्रशासन की त्रिस्तरीय व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनसांख्यिकी और जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश की जातियां, मध्यप्रदेश की अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां और राज्य की प्रमुख कल्याण योजनाएं शामिल की गई हैं। इन आधारों पर पिछले कुछ वर्षों में पूछे गए ऐसे प्रश्नों में से कुछ प्रमुख ये हैं-

1. मध्यप्रदेश में पहली महिला राज्यपाल कौन थी?
2. मध्यप्रदेश में ग्राम पंचायत घोषित होने के लिए न्यूनतम जनसंख्या कितनी है?
5. मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला कौन सा है?
6. मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा लोकायुक्त विधेयक कब पारित किया गया था।
7. 2011 जनगणना अनुसार मध्यप्रदेश का जनसंख्या घनत्व कितना है।
8. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम किस वर्ष लागू हुआ।
9. सहरिया जनजाति संग्रहालय किस जिले में अवस्थित है?
10. मध्यप्रदेश में आर्थिक विकास दर, औद्योगिक एवं कृषि विकास दर कितनी है?
11. मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और प्रतिव्यक्ति आय कितनी है। इस आधार पर नए प्रश्न तैयार करने चाहिए।

भारत का संविधान, शासन प्रणाली एवं अर्थव्यवस्था- इसके पाठ्यक्रम में ये क्षेत्र शामिल हैं-

- गवर्नमेंट इंडिया एक्ट 1919 और 1935।
- संविधान सभा, राष्ट्रपति और संसद।
- नागरिकों के मौलिक अधिकार और कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत।
- संवैधानिक संशोधन।
- सुप्रीम कोर्ट और न्यायिक प्रणाली।
- भारतीय अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास और विदेश व्यापार, आयात और निर्यात।
- वित्तीय संस्थान- भारतीय रिज़र्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक, भारतीय सुरक्षा और विनिमय बोर्ड (SEBI), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE), गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान। यदि हम पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों में इस पाठ्य सामग्री से संबंधित प्रश्नों को देखें तो जो खास प्रश्न हमें दिखाई देते हैं, उनमें प्रमुख हैं-

1. संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है?
2. भारत का नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की नियुक्ति किस अनुच्छेद के तहत होती है?
3. तारकुंडे समिति का सम्बन्ध किससे है?
4. भारतीय लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
5. संविधान सभा के अस्थाई अध्यक्ष कौन थे?
6. भारतीय संविधान में किस संविधान संशोधन द्वारा दलबदल से संबंधित प्रावधान जोड़े गए हैं?
7. धन विधेयक से संबंधित अनुच्छेद कौनसा है?
8. भारतीय संविधान के किस भाग में मौलिक अधिकार से संबंधित प्रावधान किए गए हैं?
9. भारतीय रिज़र्व बैंक का राष्ट्रीयकरण किस वर्ष किया गया?
10. सेबी की स्थापना कब की गई?
11. भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना का वर्ष है।
12. भारत में केंद्र सरकार के कितने सार्वजनिक उपक्रमों को महारत्न कम्पनी का दर्जा प्राप्त है।
13. भारत की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय कितनी है?

विज्ञान और पर्यावरण- इसके पाठ्य खंड के तहत शामिल हैं-

- विज्ञान के मूल सिद्धांत।
- महत्वपूर्ण भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान और उनकी उपलब्धियां, उपग्रह और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी।
- पर्यावरण और जैव विविधता।
- पारिस्थितिकीय प्रणाली।
- पोषण, भोजन और पोषक तत्व।
- मानव शरीर।
- कृषि उत्पाद प्रौद्योगिकी।
- खाद्य प्रसंस्करण।
- स्वास्थ्य नीति और कार्यक्रम।
- प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाएं और प्रबंधन।

इन क्षेत्रों से संबंधित जो खास प्रश्न पिछले वर्षों में पूछे गए हैं, उनमें से कुछ प्रमुख हैं-

1. वह क्षेत्र जो दो पारिस्थितिकी तंत्रों के मध्य सीमा रेखा अथवा संक्रमण क्षेत्र के रूप में कार्य करता है?
2. मध्यप्रदेश का सिकल सेल मिशन संबंधित है?
3. सतत विकास शिखर सम्मेलन 2022 का विषय क्या था।
4. जैव-विविधता अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया।
5. ओजोन क्षरण से संबंधित प्रोटोकॉल कौनसा है?
6. आनुवांशिकी का जनक (फादर ऑफ जेनेटिक्स) किस वैज्ञानिक को कहा जाता है?
7. खाद्य श्रृंखला में सबसे ज्यादा संख्या किसकी होती है?
8. रक्त का PH मान क्या होता है?

इन विभिन्न प्रश्नों के आधारों पर विज्ञान एवं पर्यावरण की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी- इस प्रभाग में जो अध्ययन क्षेत्र रखे गए हैं, उनमें शामिल हैं -

- इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा
- ई-शासन
- इंटरनेट और सोशल नेटवर्किंग साइट्स
- ई-कॉमर्स।

यदि हम सूचना और संचार प्रौद्योगिक के इन पाठ्य भागों से संबंधित प्रश्नों को पिछले कुछ वर्षों के प्रश्नपत्रों में देखें, तो इसके तहत कुछ प्रश्न इस तरह दिखाई देते हैं।

1. VPN का पूर्ण रूप है?
2. मॉड्यूलेटर-डी मॉडयूलेटर का सामान्य नाम है?
3. इसरो का पूरा नाम क्या है?
4. रोबोटिक्स में AGV का पूर्ण रूप है-
5. प्रथम एआई प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है?
6. भारत के आईटी कानून का क्या नाम है?
7. बैड रैबिट क्या है?

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी से जुड़े ऐसे प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय और प्रादेशिक संवैधानिक/सांविधिक संस्थाएं- इस प्रभाग में जिन्हें शामिल किया गया है उनमें हैं -

- भारत चुनाव आयोग
- राज्य चुनाव आयोग
- संघ लोक सेवा आयोग
- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
- नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
- नीति आयोग
- मानव अधिकार आयोग
- महिला आयोग एवं बाल संरक्षण आयोग
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग
- पिछड़ा वर्ग आयोग
- सूचना आयोग
- सतर्कता आयोग
- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल

खाद्य संरक्षण आयोग आदि शामिल हैं।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विश्व शौचालय दिवस 19 नवम्बर

नन्हीं चिड़िया जैसा योगदान, बड़ी समस्या का समाधान

स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां साफ-सफाई होगी वहां ना केवल बीमारियां कम होती हैं, बल्कि चारों ओर सकारात्मक माहौल भी देखने को मिलता है। स्वच्छता एक ऐसा मुद्दा है जो दुनियाभर में देखने को मिलता है। हर जगह इस समस्या का ठोस समाधान निकाला जा रहा है। दुनिया के लगभग सभी महापुरुषों ने स्वच्छता पर जोर दिया है। भारत में महात्मा गांधी जी ने खुद जीवनभर स्वच्छता के विचार को फैलाने का काम किया। उन्होंने सफाई के महत्व को सबसे ऊपर रखा। स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने वाले गांधीजी खुद अपना शौचालय साफ करते थे। संयुक्त राष्ट्र द्वारा भी इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया है, इस वैश्विक संस्था द्वारा 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है, आइए इस दिवस से जुड़ी अहम जानकारियों पर नजर डालते हैं।

कब से मनाया जा रहा है यह दिवस?

दुनियाभर में स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वस्थ आदतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। 24 जुलाई, 2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव को अपनाया गया था, यह प्रस्ताव 'सभी के लिए स्वच्छता' दिवस की घोषणा से संबंधित था। इसी प्रस्ताव की वजह से विश्व शौचालय दिवस मनाने की शुरुआत हुई। विश्व में सभी लोगों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध करवाना संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का हिस्सा है। शौचालय, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, स्वास्थ्य में वृद्धि करने, लोगों की गरिमा और सुरक्षा के संरक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व शौचालय दिवस 19 नवम्बर को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्याप्त स्वच्छता के महत्व पर बल देता है और सभी के लिए सुरक्षित और स्वच्छ शौचालयों की पहुंच के बारे में ध्यान आकर्षित करता है। विश्व शौचालय दिवस हर साल 19 नवम्बर को स्वच्छता से संबंधित मुद्दों के समर्थन करने के लिए और सुरक्षित स्वच्छता को प्रोत्साहित करने और स्वच्छता के साथ जुड़े हुए मिथकों को तोड़ने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसमें दुनियाभर में लोगों को शामिल और शिक्षित करने का प्रयास किया जाता है।

2023 की थीम है 'बदलाव को गति दें'

इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम एक्सेलेरेटिंग चेंज (Accelerating Change) यानी 'बदलाव को गति दें' निर्धारित की गयी है। शौचालय जीवन के लिए आवश्यक है, क्योंकि मानव अपशिष्ट कई प्रकार की बीमारियों को जन्म देता है। विश्व शौचालय दिवस वैश्विक स्वच्छता के संकट से निपटने के लिए सभी के द्वारा आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। पूरी दुनिया सतत विकास लक्ष्य 2030 को हासिल करने की ओर अग्रसर है। सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) का 6वां लक्ष्य स्वच्छता से जुड़ा है जिसमें सभी के लिए शौचालय और स्वच्छता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने की बात कही गई है। एसडीजी 6 का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर किसी के पास एक सुरक्षित शौचालय हो। कोई भी व्यक्ति 2030 तक खुले में शौच न करे।

नन्हीं चिड़िया को बनाया प्रेरक चिह्न

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कहा गया है कि शौचालय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ये दिखने में भले ही छोटे लगते हैं लेकिन बड़ी समस्याओं का समाधान बन सकते हैं। वर्ष 2023 के वर्ल्ड टॉयलेट डे (विश्व शौचालय दिवस) और वर्ल्ड वाटर-डे (विश्व जल दिवस) के लिए हमिंग बर्ड (नन्हीं पतली चोंच वाली चिड़िया) को प्रतीक चिह्न बनाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से कहा गया है कि शौचालय छोटे लेकिन काफी शक्तिशाली होते हैं। सुरक्षित शौचालय के अभाव में सबसे ज्यादा कीमत गरीब वर्ग के लोगों को चुकानी होती है, उसमें भी महिलाओं

और बालिकाओं के सामने खराब स्वास्थ्य, शिक्षा छूटने और उत्पादकता में कमी आने जैसी कई समस्याएं होती हैं। परिवर्तन में तेजी लाने व मदद करने के लिए विश्व शौचालय दिवस 2023 का प्रचार अभियान लोगों से हमिंग बर्ड की तरह बनने के लिए कह रहा है। इसको लेकर एक कहानी भी साझा की गई है, जिसमें बताया गया है कि प्राचीन कथा के अनुसार एक हमिंग बर्ड भीषण आग से लड़ने के लिए वह सब कुछ करती है जो वह कर सकती है। यह नन्हीं चिड़िया भीषण आग को बुझाने के लिए अपनी छोटी सी चोंच में बार-बार पानी भर कर लाती और आग में डाल देती। इस तरह उसका काम भले ही छोटा दिख रहा हो लेकिन वह बड़ी समस्या के समाधान में सहायता कर रही थी, ऐसे ही शौचालय और स्वच्छता की बड़ी समस्या से लड़ने के लिए हम सबको छोटे-छोटे प्रयास करने की जरूरत है।

स्वच्छता में तेजी लाना क्यों है जरूरी?

परिवर्तन में तेजी लाने की जरूरत इसलिए है क्योंकि एसडीजी 6 के स्वच्छता लक्ष्य (2030 तक सभी के लिए सुरक्षित शौचालय और पानी की पहुंच सुनिश्चित) को समय पर पूरा करने के लिए केवल सात साल बचे हैं, ऐसे में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए औसतन पांच गुना तेजी से काम करना होगा। वहीं स्वच्छता और पेयजल मानव अधिकार हैं, और इन सेवाओं तक पहुंच लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है।

- 3.5 अरब लोग सुरक्षित शौचालयों के बिना और 2.2 अरब लोग सुरक्षित पेयजल के बिना रह रहे हैं।
- 41.9 करोड़ (419 मिलियन) लोग अभी भी खुले में शौच जाते हैं।
- 2 अरब लोगों (दुनिया की एक चौथाई आबादी) के पास साबुन और पानी से हाथ धोने के लिए घर पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।
- यूनिसेफ 2023 के आंकड़े बताते हैं कि असुरक्षित जल और गंदगी की वजह से प्रतिदिन पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 1,000 बच्चों की मौत होती है।
- जिस दर से अभी काम चल रहा है उसे देखते हुए 2030 तक 3 अरब लोग अभी भी सुरक्षित शौचालयों के बिना रह रहे होंगे, 2 अरब लोग सुरक्षित पेयजल के बिना होंगे और 1.4 अरब लोगों के पास बुनियादी स्वच्छता सुविधाओं का अभाव होगा।

विश्व शौचालय संगठन

2001 में विश्व शौचालय संगठन की स्थापना हुई थी और इसी दिन वर्ल्ड टॉयलेट समिट का आयोजन भी किया गया था। यह अपने तरह की विश्व की पहली समिट थी। विश्व शौचालय संगठन के जैक सिम और सिंगापुर के ही एक एसोसिएशन को इस बात का अहसास हुआ कि शौचालय के मुद्दे पर एक अंतर्राष्ट्रीय दिन होना चाहिए और इसलिए वे विश्व शौचालय दिवस मनाने के विचार के साथ आगे बढ़े ताकि यह दुनिया भर के लोगों के लिए स्वच्छता के मुद्दों की याद दिलाता रहे। विश्व शौचालय संगठन एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संस्था है, जो दुनिया भर में स्वच्छता और शौचालय की स्थिति में सुधार के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। इस संगठन की शुरुआत 15 सदस्यों के साथ हुई थी। अब इसकी संख्या 58 देशों से बढ़कर सौ से अधिक हो गई है। यह संगठन सिंगापुर में 19 नवंबर 2001 को जैक सिम द्वारा स्थापित किया गया था। संगठन के सभी सदस्य शौचालय की समस्या को खत्म करने और दुनियाभर में स्वच्छता के समाधान के लिए काम करते हैं। इसके अलावा यह संगठन विश्व शौचालय सम्मेलन का आयोजक है और इसी संगठन ने संयुक्त राष्ट्र की तरफ से विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत की है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- टॉयलेट शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच भाषा के Toilette से हुई है, जिसका मतलब होता है कपड़ा या रैपर। शुरुआत में इस शब्द का इस्तेमाल एक ऐसे कपड़े के लिए किया जाता था, जो ऊपर से ओढ़ा जा सके। बाद में इसका इस्तेमाल ड्रेसिंग टेबल को कवर करने वाले कपड़े के तौर पर किया जाने लगा। फिर ये शब्द शौचालय के लिए चलन में आया।
- भारत में पहला स्वच्छता बिल 1878 में लागू किया गया, जिसके तहत भारत की तत्कालीन राजधानी कोलकाता के झुग्गी बस्तियों में टॉयलेट बनाना जरूरी कर दिया गया था। इसके बाद साल 1993 में दूसरा एक्ट पारित हुआ। इसके मुताबिक ड्राई लैट्रिन (शुष्क शौचालय) बनाना और इसे हाथों से साफ कराना अपराध माना गया।
- दुनिया में अलग-अलग तरह के कई संग्रहालय बनाये गये हैं, उन्हीं में से एक अनोखा संग्रहालय भारत में भी तैयार किया गया है। भारत की स्वयंसेवी संस्था सुलभ इंटरनेशनल ने शौचालयों का एक ऐसा संग्रहालय बनाया है, जिसमें शौचालयों और मानव के गहरे रिश्तों को दिखाया गया है। इस म्यूज़ियम में शौचालय का पूरा इतिहास दर्ज है।
- 3000 ईसा पूर्व की हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की संस्कृति में भी अंडरग्राउंड और ओवरग्राउंड टॉयलेट हुआ करते थे। जिससे ये भी साबित होता है कि प्राचीन भारत के लोग स्वच्छता को लेकर ज्यादा जागरूक थे।

- रश्मि रंजन

(लेखिका : सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

पिछले वर्षों में इस प्रभाग से संबंधित जो कुछ विशेष प्रश्न पूछे गए हैं,वे प्रश्न इस प्रकार हैं।

1. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
2. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया गया है?
3. नीति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष कौन थे?
4. भारत में राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
5. राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्यों की नियुक्ति हेतु गठित समिति की अध्यक्षता कौन करता है?
6. भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है? ऐसे प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए इस प्रभाग की अध्ययन सामग्री तैयारी की जानी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समसामयिक घटनाएं

पाठ्यक्रम के इस भाग के हमारे जीवन में घटित हो रही राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय समसामयिक घटनाओं पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। पाठ्यक्रम के इस भाग में महत्वपूर्ण व्यक्तित्व और स्थान, प्रमुख ईवेंट, भारत और मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण खेल संस्थान, खेल प्रतियोगिताएं और पुरस्कार से संबंधित अध्ययन को शामिल किया गया है। जिस तरह के प्रश्न इस भाग में पूछे जाएंगे, उसका अनुमान पिछले कुछ वर्षों में पूछे गए प्रश्नों से लगा सकते हैं। मसलन -

1. मध्यप्रदेश के खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद किस खेल से संबंधित हैं?
2. मध्यप्रदेश शासन द्वारा खेल प्रशिक्षकों को प्रदत्त किया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार कौनसा है।
3. 2023 में शंघाई सहयोग संगठन की मेजबानी किस देश ने की?
4. फुटबॉल विश्व कप 2022 किस देश में आयोजित हुआ था?
5. वर्ष 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन कहां आयोजित किया गया।
6. 19वें एशियन गेम्स में अब तक भारत ने कितने पदक जीते?
7. किस देश में लोकतांत्रिक सरकार को तख्ता पलट द्वारा अपदस्थ कर दिया गया?
8. अमेरिका की 'क्लॉडिया गोल्डिन' को किस क्षेत्र में वर्ष 2023 का नोबेल पुरस्कार मिला है?
9. किस टेनिस खिलाड़ी ने यूएस ओपन-2023 में महिला एकल का ख़िताब जीता है?
10. भारतीय मूल के 'थरमन षणमुगरत्नम' किस देश के नए राष्ट्रपति बने हैं?
11. जल जीवन मिशन द्वारा किस वर्ष तक सभी को नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है?

ऐसे पूछे गए प्रश्नों को ध्यान में रखकर समसामयिक घटनाओं की परीक्षोपयोगी तैयारी की जानी चाहिए।

निश्चित रूप से सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र की परीक्षा के मद्देनजर अधिक अहमियत है। इसकी सफल तैयारी की रणनीति हेतु कुछ विशेष बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए प्रदेश और देश के दो स्तरीय दैनिक समाचार पत्रों, जहां एक ओर भारत सरकार के प्रकाशन- योजना, कुरुक्षेत्र, मध्यप्रदेश सरकार के प्रकाशन- पंचायिका, मध्यप्रदेश संदेश, रोज़गार और निर्माण तथा मध्यप्रदेश केंद्रित स्तरीय मासिक पत्रिकाएं उपयोगी हैं। इसके साथ-साथ सामान्य ज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों की कुछ विशिष्ट पुस्तकें भी लाभप्रद होती हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र की तैयारी हेतु सबसे पहले एनसीईआरटी की वे पुस्तकें जो 9वीं से 12वीं कक्षाओं में पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं पढ़ी जानी चाहिए। इनमें भारतीय इतिहास, भूगोल, राजनीतिक व्यवस्था, अर्थशास्त्र, आर्थिक नियोजन, संविधान और विज्ञान की पुस्तकें अत्यधिक महत्वपूर्ण अध्ययन संदर्भ हैं।

नि:संदेह सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम के अनुरूप परीक्षोपयोगी तैयारी और अच्छी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं को अध्ययन के आधार पर मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की सफलता की संभावनाएं आपकी मुट्ठी में ले सकते हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र की सफल तैयारी हेतु सबसे पहले इसके पाठ्यक्रम को देखा जाना चाहिए। इसके बाद पाठ्यक्रम के विभिन्न भागों से पिछले चार-पांच वर्षों में किस प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं, उन्हें मालूम करके उन प्रश्नों से संबंधित अध्ययन सामग्री और पैटर्न पर अध्ययन सामग्री की जानी चाहिए।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कैरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

---

80 वर्ष से अधिक उम्र के

वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को पहली बार घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश में 29 हजार 104 वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से ही मतदान किया है।

इसके साथ ही निर्वाचन ड्यूटी में लगे 58 हजार 532 अधिकारियों-कर्मचारियों ने फैसिटिलेशन सेंटर और अत्यावश्यक ड्यूटी में शामिल 182 अधिकारियों-कर्मचारियों ने मतदान किया है। मतदान की प्रक्रिया अभी जारी है।

विश्व मधुमेह दिवस - 14 नवम्बर

मधुमेह से बचाव के लिये जागरूकता और जांच जरूरी

अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन) ने वर्ष 1991 में विश्व मधुमेह दिवस की शुरुआत की थी। विश्व मधुमेह दिवस को वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मधुमेह उन्मूलन पर एक प्रस्ताव पारित करने के बाद अपनाया गया था। पहला विश्व मधुमेह दिवस 14 नवम्बर, 2007 को मनाया गया था। यह दिन प्रतिवर्ष समारोहपूर्वक विश्व मधुमेह दिवस के रूप में मनाया जाता है। मधुमेह की बीमारी के उपचार की सर्वमान्य दवा इन्सुलिन की खोज वर्ष 1921 में कनाडा के टोरन्टो शहर के चिकित्सा विज्ञानी फ्रेडरिक ग्रांट बैंटिंग तथा उनके साथी विज्ञानी प्रोफेसर जॉन जेम्स रिकर्ड मैकलियोड ने की थी। इन दोनों चिकित्सा विज्ञानियों को वर्ष 1923 में इस आविष्कार के लिये संयुक्त रूप से चिकित्सा विज्ञान का नोबेल पुरस्कार भी प्रदान किया गया था। फ्रेडरिक ग्रांट बैंटिंग का जन्म 14 नवम्बर को हुआ था। इस ऐतिहासिक आविष्कार और उसके आविष्कार करने वाले की जन्मतिथि की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन द्वारा 14 नवम्बर को प्रतिवर्ष "विश्व डायबिटीज दिवस" मनाया जाता है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मधुमेह पर नियंत्रण के लिए व्यापक विचार-विमर्श होगा। दोनों ही प्रमुख स्वास्थ्य संगठनों आईडीएफ और डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक स्तर पर मधुमेह के समापन के लिये जागरूकता को सबसे अहम् तत्व माना है और यह भी तय किया है कि डायबिटीज को लेकर जो भी जागरूकता अभियान चलाया जाये उसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि एक निश्चित अन्तराल में इस रोग की जांच जरूर करवायें। बिना डॉक्टर की सलाह लिए, किसी भी दवा का सेवन न करें और जो परहेज डॉक्टर द्वारा सुझाये जाएं उनको लेकर कोई लापरवाही न बरतें।

इन उपायों से हम काफी हद तक मधुमेह से बचे रहने में सफलता पा सकते हैं।

मधुमेह की समाप्ति के लिये जीवन शैली में बदलाव जरूरी

मधुमेह के बारे में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत सहित समूचे विश्व में यह बीमारी युवाओं के साथ-साथ शहरी आबादी को अधिक हो रही है। स्वास्थ्य संगठनों का लक्ष्य शहरों में मधुमेह को लेकर बड़े पैमाने पर जागरूकता बढ़ाना और इस रोग से बचाव के लिये लोगों को अपनी जीवन शैली बदलने के लिए प्रेरित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोगों का खानपान देशी घी और गरिष्ठ चीजों से भरपूर है, लेकिन इन क्षेत्रों के लोगों में शहरी इलाकों की तुलना में मधुमेह के मामले इसलिए कम मिलते हैं, क्योंकि वे आज भी परिश्रम वाला जीवन जीते हैं। इसके विपरीत शहरी जीवन ने आदमी के शारीरिक श्रम की सम्भावनाओं को बेहद कम कर दिया है। शहरी जीवन में लोग खानपान के मामले में भी बेहद लापरवाह होते जा रहे हैं। हमारे खाने में तली हुई चीजों और प्रोसेस्ड (प्रसंस्करित) डिब्बाबंद खाद्य वस्तुओं की मात्रा बढ़ रही है। जीवन शैली में भी हम चाहे-अनचाहे तमाम तरह के तनाव पाल रहे हैं, इन सब कारणों से शहरी लोगों को मधुमेह होना स्वाभाविक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा सोचना गलत है कि

मधुमेह का इलाज सिर्फ दवाओं से किया जा सकता है। उनके अनुसार यह अनियमित जीवनशैली के कारण होने वाला रोग है, लिहाजा इसके उपचार में जीवनशैली को ठीक करना बेहद जरूरी है।

पिछले कुछ दशक से भारत अपनी युवा आबादी के बूते पर विश्व की एक प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में सचेष्ट है। इस एक लक्ष्य की राह में भारत को जिस एक बड़ी बाधा का सामना करना पड़ रहा है, वह बाधा है युवाओं की एक बड़ी आबादी का मधुमेहग्रस्त होना। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले समय में देश में मधुमेह रोगियों की संख्या बढ़ना तो चिन्ता की बात है ही, लेकिन चिन्ता का असली कारण यह है कि बढ़ती संख्या में अधिकांश युवा हैं। आबादी का यही हिस्सा अर्थव्यवस्था के लिए सबसे अधिक उत्पादक होता है। अत: इससे देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर हो रहा है। जिस तरह देश के युवाओं में मधुमेह के मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए आगामी कुछ वर्षों में युवाओं में इसके महामारी स्तर पर पहुंचने की आशंका है।

कोरोना संक्रमण और मधुमेह का खतरनाक गठजोड़

कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मधुमेह के पीड़ित ज्यादा जोखिम वाले संवर्ग में दर्ज हुए मधुमेह (डायबिटीज) के मरीजों के शरीर में ब्लड ग्लूकोज पर इस वायरस का गंभीर असर देखा गया। उस समय विडम्बना रही कि ऐसे मरीज न तो डॉक्टर्स से संपर्क कर पा रहे थे और संक्रमण के डर से ना ही अस्पताल जा पा रहे थे। भारतीय मधुमेह और एंडोक्रिनोलॉजिस्ट संघ के प्रमुख ने तब कहा था कि डायबिटीज से कोरोना होने का डर नहीं है, लेकिन अगर किसी को डायबिटीज है और वो कोरोना वायरस की चपेट में आ जाता है तो उसके लिए खतरा बढ़ जाता है। डायबिटीज के साथ कोरोना संक्रमण से मरने वाले मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण टी सेल्स इम्यूनिटी का खत्म होना है। मधुमेह रोगियों के लिए कोरोना संक्रमण घातक सिद्ध हुआ, कोरोना संक्रमित होने पर शुगर अनियंत्रित हुई तो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण मरीज बीमारी से लड़ नहीं पाये। इससे कोरोना से मरने वालों में मधुमेह रोगी अधिक रहे। कोरोना संक्रमित मरीजों की सांस फूलने पर स्टेरायड (दवा) दी जाती थी, इससे शुगर का स्तर अनियंत्रित होने लगता था और शरीर के अन्य अंग प्रभावित हो रहे हैं।

ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट एक समयोचित पहल

इंसुलिन की खोज के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने "ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट" प्रस्तुत किया था, जिसका एक अहम् उद्देश्य उन निम्न व मध्य आय वाले देशों में गुणवत्तापूर्ण इंसुलिन की सुलभता सुनिश्चित करना है जहां फिलहाल, इसकी मांग को पूरा कर पाना मुश्किल है। ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट इस रोग के प्रसार पर नियंत्रण की दिशा में एक समयोचित पहल है। कार्यक्रम को कनाडा सरकार द्वारा सह-आयोजित ग्लोबल डायबिटीज समिट के दौरान प्रस्तुत किया गया था। ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट का लक्ष्य डायबिटीज के खतरे को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि डायबिटीज से पीड़ित सभी लोगों को न्यायसंगत, व्यापक, सस्ता और गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं देखभाल की सुविधा प्राप्त हो। यह कार्यक्रम मोटापा, अस्वास्थ्यकर आहार और शारिरिक निष्क्रियता के कारण होने वाले टाइप टू डायबिटीज की रोकथाम का भी समर्थन करेगा।

अत्यन्त जरूरी है मधुमेह को लेकर सतत विमर्श

भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गत वर्ष विश्व मधुमेह दिवस पर इस बात की सराहना की थी कि विश्व के चिकित्सा विशेषज्ञ मधुमेह को लेकर सतत विमर्श कर रहे हैं और इस विमर्श का ही यह नतीजा था कि स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना संक्रमण काल में अपने दिशा-निर्देशों में मधुमेह पीड़ित मरीजों को जब कोरोना संक्रमण हुआ तो उनके लिये विशिष्ट और प्रभावी उपचार पद्धति अपनाई और इसका नतीजा यह रहा कि देश में सैकड़ों ऐसे कोरोना संक्रमित मरीजों को बचा पाना संभव हुआ जो मधुमेह से ग्रस्त थे। इस एक कोशिश से यह स्पष्ट हो गया कि सतत विमर्श फलदायी होते हैं।

- राजा दुबे

(लेखक : जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

दुनिया के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही तकनीक

तकनीकी क्रांति ने दुनिया को बदल दिया है और इसका प्रभाव हमारे जीवन के हर क्षेत्र में महसूस हो रहा है। विज्ञान और तकनीक का जोड़ हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावी शक्ति बन गया है। तकनीक ने हमें नया सोचने और नए तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। इसके परिणामस्वरूप हम एक नई दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं। दुनिया का रूप बदल रहा है और इसमें तकनीकी विकास का बड़ा हाथ है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रही प्रगति ने हमारे जीवन को कई तरीकों से प्रभावित किया है। मानव सभ्यता के विकास में प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका है। पहिये के आविष्कार से लेकर औद्योगिक क्रांति तक, तकनीक में हुए विकास ने हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है। 21वीं सदी में तकनीकी प्रगति में काफी तेजी देखी गई है, जिससे हमारे जीवन के हर पहलू में गहरा बदलाव आया है।

स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तन

प्रौद्योगिकी ने स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांति ला दी है, जिससे निदान, उपचार और रोगी की देखभाल में सुधार हुआ है। स्वास्थ्य के इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड ने पारंपरिक कागजी रिकॉर्ड की जगह ले ली है, जिससे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को रोगी की जानकारी आसानी से मिल जाती है। इससे देखभाल के समन्वय में वृद्धि हुई है और चिकित्सा संबंधी कमियां कम हुई हैं। इसके अलावा टेलीमेडिसिन और रिमोट मॉनिटरिंग तकनीकों ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बना दिया है, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में। मरीज अब वीडियो कॉल के माध्यम से डॉक्टरों से परामर्श कर सकते हैं, नुस्खे प्राप्त कर सकते हैं और यहां तक कि अपने घरों पर दवाएं भी बुला सकते हैं। एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी चिकित्सा इमेजिंग तकनीक से त्वरित निदान संभव है।

परिवहन और गतिशीलता

तकनीक की बदौलत परिवहन की दुनिया में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विकास ने गति पकड़ी है, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण में कमी आई है। टेस्ला जैसी कंपनियों ने ईवी को अधिक सुलभ और किफायती बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा बाजार में बिना ड्राइवर वाली कारें आ गई हैं, जो सड़कों पर चलने के लिए उन्नत सेंसर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कनेक्टिविटी से लैस होती हैं। हालांकि इनमें अभी भी सुरक्षा से संबंधित चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके बावजूद तकनीक हमें ऐसे भविष्य के करीब ले जा रही है, जहां सड़कों पर बिना ड्राइवर वाली (स्वचालित) कारें चलना सामान्य बात हो जाएगी। उबर जैसी राइड शेयरिंग सेवाओं के आने से भी शहरी परिवहन को नया रूप मिला है।

शिक्षा और ई-लर्निंग

तकनीक के प्रसार और विकास के साथ शिक्षा क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण परिवर्तन आए हैं। ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्म और ऑनलाइन कोर्स ने दुनियाभर के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक आसान बना दिया है। छात्र अब परिसर में उपस्थित हुए बिना घर बैठे प्रमुख विश्वविद्यालयों से डिग्री और प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। कोविड-19 महामारी के कारण भी ऑनलाइन शिक्षा का चलन बढ़ गया है। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शिक्षा को निजीकृत करने के लिए किया जा रहा है, जिससे छात्रों को अपनी क्षमता और अपनी पसंदीदा शैली में सीखने में मदद मिल रही है।

पर्यावरणीय प्रभाव

तकनीक में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने और उसे ठीक करने, दोनों की क्षमता है। एक ओर, बढ़ता औद्योगीकरण और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भरमार ई-कचरे, प्रदूषण और ऊर्जा की खपत को बढ़ा रहे हैं। वहीं प्रौद्योगिकी इन पर्यावरणीय चुनौतियों को कम करने के उपाय भी प्रदान करती है। सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत अधिक कुशल और किफायती हो गए हैं, जिससे जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता कम हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को उपयोगी और विश्वसनीय बनाने के लिए उन्नत बैटरियां और तकनीक बाजार में आ रही हैं। इसके अतिरिक्त, स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियां ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने और अपशिष्ट को कम करने में मदद करती हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स एक और तकनीक है, जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरण वास्तविक समय में पानी और ऊर्जा के उपयोग जैसी विभिन्न चीजों की निगरानी और नियंत्रण कर सकते हैं। इस डेटा का उपयोग अपशिष्ट और उत्सर्जन को कम करने में किया जा सकता है।

आर्थिक प्रभाव

कार्य और व्यवसाय की दुनिया तकनीक द्वारा बदल गई है। स्वचालन (ऑटोमेशन) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि हुई है, लेकिन इससे नौकरियां कम होने की चिंताएं भी बढ़ी हैं। हालांकि, प्रौद्योगिकी का समग्र आर्थिक प्रभाव गहरा है। ई-कॉमर्स तेजी से बढ़ा है, अमेज़ॅन जैसी कंपनियां खुदरा उद्योग में वैश्विक दिग्गज बन गई हैं। ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणालियों ने व्यवसायों के लिए दुनियाभर के ग्राहकों तक पहुंचना आसान बना दिया है। प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों के माध्यम से फ्रीलांस काम की सुविधा वाली गिग इकॉनमी ने पैसे कमाने के नए अवसर पैदा किए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने निर्णय लेने और डेटा विश्लेषण में सुधार किया है, जिससे व्यवसाय संचालन अधिक कुशल हो गया है।

अंतरिक्ष अन्वेषण

तकनीक ने मानव को बाहरी अंतरिक्ष तक विस्तारित किया है। 21वीं सदी में अंतरिक्ष अन्वेषण की संभावनाओं में काफी प्रगति देखी गई है। स्पेसएक्स जैसी निजी कंपनियों ने पुन: प्रयोज्य रॉकेट विकसित करके और अंतरिक्ष में पेलोड लॉन्च करने की लागत को कम करके अंतरिक्ष उद्योग को एक नया आयाम दिया है। भविष्य में मंगल ग्रह पर मानव को बसाने की चर्चा चल रही है। इसके अलावा, अंतरिक्ष पर्यटन में भी संभावनाएं बढ़ी हैं।

हमारी क्षमता हमारा भविष्य तय करेगी

तकनीक के माध्यम से दुनिया तेज गति से बदल रही है। हमारे संवाद करने के तरीके से लेकर स्वास्थ्य, परिवहन और शिक्षा में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों तक, प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को बदल दिया है। हालांकि, ये परिवर्तन कई लाभ और अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन ये गोपनीयता, सुरक्षा और नैतिक विचारों से संबंधित चुनौतियां भी पेश करते हैं। तकनीकी प्रगति की बदौलत 21वीं सदी ने पृथ्वी और अंतरिक्ष दोनों में अन्वेषण के एक नए युग की शुरुआत की है। यह जरूरी है कि हम सतत विकास पर ध्यान देते हुए समाज की बेहतरी के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें। भविष्य में असीमित संभावनाएं हैं। लेकिन एक सफल भविष्य इस बात पर निर्भर होगा कि हम अपने नवाचारों को कितनी जिम्मेदारी से और समाज के हित में उपयोग करते हैं। इस तेजी से बदलती दुनिया में एक बात निश्चित है, प्रौद्योगिकी मानव सभ्यता को बदलना जारी रखेगी।

- निशा त्यागी

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

यूनेस्को के क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में 'म्यूजिक सिटी' के लिए तानसेन की नगरी ग्वालियर को चुना गया

दुनियाभर के 55 नए शहरों में भारत से दो शहर-ग्वालियर और कोझिकोड

यूनेस्को ने अपने क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) की नवीनतम सूची

यूनेस्को द्वारा क्रियेटिव सिटी श्रेणी में ग्वालियर संगीत को स्थान दिया गया

की घोषणा की है, जिसमें दुनियाभर के 55 नए शहरों में मध्यप्रदेश के ग्वालियर को 'म्यूजिक सिटी' (संगीत नगर) के रूप में शामिल किया है। देश में ग्वालियर के अलावा केरल के कोझिकोड (साहित्य वर्ग) को शामिल किया गया है। अपनी सदियों पुरानी संगीत परंपरा के चलते दुनियाभर में प्रख्यात ग्वालियर अब प्रतिष्ठित यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल हो गया है। परियोजना का नेतृत्व मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने ग्वालियर नगर निगम, ग्वालियर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, संगीत कलाकारों तथा अन्य हितधारकों के सहयोग से किया था।

यूनेस्को द्वारा ग्वालियर को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क कार्यक्रम में शामिल करना एक बड़ी उपलब्धि है। सूची में शामिल होने से पूरी दुनिया को मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि की समझ में वृद्धि होगी। तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान संगीतज्ञों के शहर ग्वालियर में ही ध्रुपद संगीत परंपरा का जन्म हुआ है, जो आज भी जीवित है और बहुत दृढ़ता से संरक्षित है। ग्वालियर और संगीत से सरोकार रखने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

ग्वालियर शहर यूनेस्को की सूची में शामिल होने से यहां पर होने वाली उपलब्धि की मदद से पूरी दुनिया प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता की समृद्धि और गहराई की तरफ आकर्षित होगी। इससे ग्वालियर शहर में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ा अवसर है और हम यूनेस्को, संस्कृति विभाग, भारत सरकार और उन सभी लोगों के बहुत आभारी हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में ग्वालियर से जुड़े रहे हैं। यही वह शहर है जहां से हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद धारा उत्पन्न होकर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैली है।

सूफी संत गौस मोहम्मद और उनके शिष्य मियां तानसेन भी यहीं के थे। दो हस्तियां ग्वालियर घराने का हिस्सा थीं और उन्होंने इस नगर की संगीतक विरासत में खासा योगदान दिया है। भारत भूषण और मीनाकुमारी की फिल्म बैजूबावरा के बैजू (बैजनाथ मिश्रा) का घर चन्देरी में अभी भी मौजूद है। उनकी समाधि भी चन्देरी किले पर बनी है। ग्वालियर घराने को भारतीय शास्त्रीय संगीत का सबसे प्राचीन केन्द्र माना जाता है।

UCCN सूची में शामिल होने से ग्वालियर में संगीत के साथ-साथ समग्र सतत विकास प्राप्त करने की दिशा में लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद मिलेगी। युवाओं के लिए नए आर्थिक और कलात्मक अवसर सृजित होंगे और शहर को संगीत के लिए शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने, सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे का विकास, संगीत क्षेत्र को पर्यटन से जोड़ने और लोगों की कला और संस्कृति तक पहुंच बढ़ाने जैसे बिंदुओं में सहयोग मिलेगा।

इसी कड़ी में साहित्य क्षेत्र में केरल का कोझिकोड शहर को यू.सी.सी.एन. ने सी.टी.एफ. लिट्रेचर श्रेणी में चयन किया है। इसका एक कारण यह रहा होगा कि केरल में सार्वजनिक वाचनालय बहुत हैं। केरल में नगर जनपद, ग्राम पंचायतों में वाचनालयों का रख-रखाव है। यह महाराष्ट्र के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत के किसी अन्य राज्यों में इतने वाचनालय नहीं हैं, इसलिए इस वर्ष इसका चयन यूनेस्को द्वारा किया गया है।

मध्यप्रदेश के स्मारक यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में सम्मिलित किये जायेंगे

मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध स्मारकों को विश्व धरोहर की श्रेणी में सम्मिलित किए जाने की कड़ी में टेंटेटिव लिस्ट में ओरछा (2019), माण्डू (1998), सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (2019), एवं भेड़ाघाट (2019), को विगत वर्षों में जोड़ा गया है।

अभी मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, भोपाल ने और भी महत्वपूर्ण स्मारकों को टेंटेटिव लिस्ट में सम्मिलित किए जाने के लिए प्रस्तावित किया है इनमें मध्यप्रदेश के राक आर्ट ऑफ चम्बल वैली, गुप्तकालीन मंदिर, अशोक के अभिलेख, चौसठ योगिनी मंदिर, भोजपुर का शिव मंदिर, खूनी भण्डारा, बुरहानपुर, ग्वालियर किला, गौंड कालीन स्मारक, रामनगर, मण्डला तथा शैलोत्कीर्ण स्मारक धामनार, मन्दसौर आदि प्रमुख हैं। इन सभी स्मारकों के प्रस्ताव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली के महानिदेशक कार्यालय को मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के द्वारा भेजा गया है। जो शीघ्र ही यूनेस्को कार्यालय, पेरिस को परीक्षण एवं नामांकन के लिए भेजा जावेगा।

ग्वालियर का किला

भारत के यूनेस्को टेंटेटिव लिस्ट में सम्मिलित स्मारकों एवं धरोहरों में बिष्णुपुर, पश्चिम बंगाल में मंदिर 1998, महाबलीपुरम, एर्नाकुलम, केरल 1998, प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ, वाराणसी, उत्तरप्रदेश 1998, श्री हरमंदिर साहिब, अमृतसर, पंजाब 2004, असम में ब्रह्मपुत्र नदी के मध्य में माजुली नदी द्वीप 2004, नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान 2006, जंगली गधा अभयारण्य, कच्छ का रण 2006, नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान 2009, डेजर्ट नेशनल पार्क 2009 भारत में सिल्क रोड साइटें 2010, हैदराबाद के कुतुब शाही स्मारक, गोलकुंडा किला, कुतुब शाही मकबरे, चारमीनार 2010, कश्मीर में मुगल गार्डन 2010 आदि को सम्मिलित किया गया है।

मध्यप्रदेश में शैलचित्र कला कई जिलों में मिलती है, आदि मानव की शरणस्थली के रूप में शैलाश्रयों का उपयोग उस समय के लोगों द्वारा किया जाता रहा है और वे लोग खाली समय चित्रकारी करते थे। बाद में संस्कृति के विकास होने से वे मैदानी भागों में आकर खेती करना, समूह में रहना, बर्तन बनाना आदि कार्य करने लगे। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के आसपास एवं अन्य जगहों में शैलाश्रयों की खोज की गई जिसका सबसे बड़ा उदहरण 1957 में पद्मश्री वी.श्री. वाकणकर द्वारा भीमबैठका के शैलाश्रयों की खोज करना है, जिसे वर्ष 2003 में यूनेस्को की श्रेणी में सम्मिलित किया गया।

इसी को ध्यान में रखते हुए गांधी सागर क्षेत्र में बने शैलाश्रयों एवं शैलाचित्र को विश्व पटल पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। इन शैलाश्रयों में मेसोलिथिक से लेकर मध्यकाल के प्रमाण यहां मिलते हैं। यहां के चिवण्ड नाला, दर्रा की चट्टान आदि समूहों में शैलचित्रों का अध्ययन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया गया है। इन्दरगढ़ के शैलचित्रों का अध्ययन भी डॉ. वि.श्री. वाकणकर द्वारा ही किया गया था।

गुप्तकालीन मंदिर सांची में स्थित मंदिर क्रमांक 17, उदयगिरी गुफा क्रमांक 1 नचना, भूमरा आदि के मंदिर अपनी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। इनके अतिरिक्त भारत के अन्य भागों में गुप्त कालीन मंदिरों का अध्ययन कर सिरियल नामिनेशन में इनका प्रस्ताव भेजा जावेगा।

1. ग्वालियर का किला- बलुआ पत्थर से बना यह किला 100 सालों से मौजूद है और इसकी गिनती भारत के अपराजेय दुर्गों में होती है, इसके निराले, शानदार स्वरूप को देखकर ही बाबर ने इसे दुर्गों का मोती कहा था। यह किला शहर की हर दिशा से दिखाई देता है। एक ऊंचे पठार पर बने इस किले तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं। एक ग्वालियर गेट कहलाता है, जहां से सिर्फ पैदल चढ़ा जा सकता है। वाहन ऊरवाई गेट वाले रास्ते से ही जा सकते हैं। इस सड़क के आपपास की बड़ी-बड़ी चट्टानों पर जैन तीर्थकारों की अति विशाल मूर्तियां बेहद खूबसूरती से और बारीकी से गढ़ी गई हैं। किले की बाहरी दीवारें लगभग दो मील लम्बी हैं। इस किले के भीतरी हिस्सों में मध्यकालीन स्थापत्य कला के अद्भुत नमूने स्थित हैं।

2. कुण्डी भण्डारा, बुरहानपुर- मुगलकाल में सूबेदार रहे मध्ययुगीन कवि रहीम यानी अब्दुर्रहीम खानखाना के शासनकाल में 1615 ई. में एक अनूठी जलसंग्रह-वितरण प्रणाली का निर्माण आरंभ हुआ। ऐसी पद्धतियां तत्कालीन समय में ईरान-इराक जैसे देशों में संचालित थीं। इस प्रणाली की तकनीक इन देशों से ही प्राप्त की गई थी। नगरवासियों को शुद्ध जल की सुलभ आपूर्ति करने के उद्देश्य से इस दौरान 8 जल संग्रहण- वितरण प्रणालियों को

कुण्डी भण्डारा, बुरहानपुर

निर्मित किया गया। इनमें 2 बहुत पहले नष्ट हो गई शेष 6 बाद तक संचालित होती रहीं। इस प्रणाली के अंतर्गत तत्कालीन भू-गर्भ विद्या विशेषज्ञों ने सतपुड़ा पर्वत मालाओं से ताप्ती नदी की ओर प्रवाहमान भूमिगत जल स्रोतों को खोजकर 3 जलाशयों मूल भंडारा, सूखा भंडारा, चिंतहरण का निर्माण करवाया। ये तीनों जलाशय शहर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित हैं। इनकी ऊंचाई शहर की ऊंचाई से 100 फीट अधिक रखी थी। इन जलाशयों में एकत्रित जल को भूमिगत नहरें बनाकर शहर को जल वितरण किया गया। ये नहरें 80 से 100 फीट तक गहरी हैं। इनकी सफाई एवं समुचित हवा, प्रकाश व्यवस्था को ध्यान में रखकर जगह-जगह कुण्डियों का निर्माण किया गया। ये कुण्डियां मुख भाग से खुली रखी गईं। इनका ऊपरी रूप बुर्जनुका बनाया गया। यह कुण्डी भंडारा कहलाता है। इस प्रणाली की विशेषता यह थी कि पानी स्वयं बहकर बिना किसी यांत्रिकीय सहयोग के पूरे शहर में पहुंचता था।

3. शिव मंदिर, भोजपुर- अधबने इस मंदिर का चबूतरा बहुत ऊंचा है, जिसके गर्भगृह में एक लिंग है, जिसकी ऊंचाई 3.85 मी. है। विस्तृत चबूतरे पर भी मंदिर के अन्य हिस्सों, मण्डप, महामंडप तथा अंतराल बनाने की योजना थी। मंदिर के निकट के पत्थरों पर बने नक्काशों से इस बात का स्पष्ट पता चलता है। इस मंदिर के अध्ययन से हमें भारतीय मंदिर की वास्तुकला के बारे में बहुत सी बातों की जानकारी मिलती है। भारत में इस्लाम के आगमन से भी पहले, इस हिंदू मंदिर के गर्भगृह के ऊपर बनी अधूरी गुम्बदाकार छत भारत में ही गुम्बद निर्माण के प्रचलन को प्रमाणित करती है। भले ही उनके निर्माण की तकनीक भिन्न हो। कुछ विद्वान इसे भारत में सबसे पहले गुम्बदीय छत वाली इमारत मानते हैं। इस मंदिर का दरवाजा भी किसी हिंदू इमारत के दरवाजों में सबसे बड़ा है। चूंकि यह मंदिर ऊंचा है, इसलिये इसके निर्माण के दौरान भारी पत्थरों को ऊपर ले जाने के लिए ढलानें बनाई गई थीं जिसका प्रमाण मंदिर के ठीक बगल में ही मिलता है। मंदिर के निकट स्थित बांध को राजा भोज ने बनवाया था। बांध के पास प्राचीन समय में प्रचुर संख्या में शिवलिंग बनाए जाते थे यह स्थान शिवलिंग बनाने की प्रक्रिया की जानकारी देता है।

4. मध्यप्रदेश का चौसठ योगिनी मंदिर- पाशुपत सम्प्रदाय से विकसित योगिनी प्रतिमाएं और उनके मंदिर बहुत ही कम संख्या में मिलते हैं। इनमें मितावली, खजुराहों तथा भेड़ाघाट के योगिनी मंदिर प्रसिद्ध है। ओडिशा में भी कुछ योगिनी मंदिर मिलते हैं। जो रानीपुर झरिया एवं हीरापुर में पाये गये हैं।

इन मंदिरों में अधिकांश वृत्ताकार एवं खुले हुए मिलते हैं मान्यता है कि जब योगिनी रात को विचरण कर आती थी तो सीधे अपने अपने कमरे में चली जाती थीं।

मध्यप्रदेश में चौसठ योगिनी मंदिर भेड़ाघाट में योगिनी प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं जिनके पादपीठ पर उनके नाम अंकित हैं, स्थापत्य एवं मूर्तिकला की महत्ता को देखते हुए इन योगिनी मंदिरों का विश्वविरासत की श्रेणी में सम्मिलित किए जाने का म.प्र. पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रसास किया जा रहा है।

5. धामनार की गुफाएं- चंदवासा ग्राम के निकट पहाड़ी पर स्थित धर्मराजेश्वर दिल्ली-मुम्बई रेल मार्ग पर स्थित श्यामगढ़ से 20 किलोमीटर दूर है। इस जगह को भीम नगरा भी कहते हैं। जनश्रुति के अनुसार भी चंबल नदी से विवाह करना चाहा, तो चंबल ने एक ही रात में पूरा शहर बसाने की शर्त रखी, किंतु शर्त पूरी नहीं हो सकी और भीम पत्थर का हो गया। इतिहासकारों के अनुसार ये गुफांए वास्तव में बौद्ध विहार हैं। इतिहासकारों ने सबसे पहले जेम्स टाऊ 1821 में यहां आये थे। अपने जैन गुरू यतिज्ञानचंद्र के कथन पर उन्हें जैन गुफा बताया। जेम्स टाऊ ने अश्वनाल आकृति की शैल श्रंखला में लगभग 235 गुफाओं की गणना की थी, किन्तु जेम्स फर्गुसन को 60-70 गुफाएं महत्वपूर्ण लगीं। लगभग 4 किलोमीटर के घेरे में फैली इन गुफाओं में भी 14 गुफाएं ही उल्लेखनीय हैं। छठी गुफा बड़ी कचहरी के नाम से पुकारी जाती है। यह वर्गाकार है तथा इसमें चार खंभों का एक दालान है। सभा कक्ष 6.36 मीटर का है। 8वीं गुफा छोटी कचहरी कहलाती है 9वीं गुफा में चार कमरे हैं। चौथे कमरे में पश्चिम की तरफ एक मानव आकृति उत्कीर्ण है। 10वीं गुफा राजलोक रानी का महल अथवा 'कामिनीय महल' के नाम से प्रसिद्ध है 11वीं गुफा में चौतन्य बना हुआ है। इसके पाश्चय में मध्य का कमरा बौद्ध गणों के उपासना और ध्यान का स्थान था। पश्चिम की ओर बुद्ध गणों के उपासना और ध्यान का स्थान था। पश्चिम की ओर बुद्ध की दो प्रतिमाएं उत्कीर्ण हैं 12 वीं गुफा हाथी बंधी कहलाती है। इसका प्रवेश द्वार 16 ½ फीट ऊंचा है। 13वीं गुफा में कई बड़ी-बड़ी बुद्ध मूर्तियां हैं ये सभी गुफाएं और मूर्तियां चटटान काटकर बनाई गई है तथा 8 वीं और 9वीं सदी की हैं। इन सब गुफाओं के साथ यहां का सबसे महत्पूर्ण एवं दर्शनीय स्थान है धर्मराजेश्वर का मंदिर यह मंदिर 54 मीटर लम्बी, 20 मीटर चौड़ी तथा 9 मीटर गहरी चट्टान को तराश कर बनाया गया है। आमतौर पर किसी भवन का निर्माण करते हैं, तो नीचे से ऊपर की ओर बढ़ते हैं किन्तु इसका निर्माण शिखर से आरंभ होकर मंदिर के तल पर समाप्त हुआ है। तराशे गये इस भू-भाग के मध्य 14.5 मीटर लम्बा, 10 मीटर चौड़ा मुख्य मंदिर है तथा मंदिर के आपपास सात लघु देवालय है।

वर्षा के जल के विकास हेतु 68 मीटर लम्बी, 4 मीटर चौड़ी तथा 9मीटर गहरी नाली है। इतिहासकार जेम्स फर्गुसन के अनुसार भू- विचार में यह मंदिर कैलाश मंदिर का प्रतीक है। काउजन के अनुसार पहले यह विष्णु मंदिर था। बाद में शैव मंदिर में बदल दिया गया। मुख मंदिर में शिवलिंग विराजमान है, तथा पश्चिमी दीवार पर विष्णु की अन्य प्रतिमा है। जिनके कलात्मक स्वरूप को सिंदूर से अलग रूप दे दिया है। मुख्य मंदिर के आसपास सात छोटे मंदिर हैं। इनमें एक सप्तमातृकाओं सहित शिव के तांडव नृत्य का अंकन है। कुछ मंदिरों में शेषशायी विष्णु एवं दशावतार का अंकन है। वहीं कुछ लघु मंदिर प्रतिमा रहती हैं। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर यहां मेले का आयोजन किया जाता है।

- ओ.पी. मिश्रा

(लेखक : मध्यप्रदेश पुरातत्व, पर्यटन बोर्ड, भोपाल में सलाहकार हैं।

चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक

पद का नाम- पर्यवेक्षक (तकनीकी ऑपरेशन-प्रतिभूति, आधिकारिक भाषा), आर्टिस्ट (ग्राफिक डिजाइन), सचिवालय सहायक, कनिष्ठ तकनीशियन (कार्यशाला इलेक्ट्रिकल, कार्यशाला मशीनिस्ट, कार्यशाला इलेक्ट्रोनिक्स, कार्यशाला वातानुकूलन, छपाई/नियंत्रण, कार्यशाला फिटर)।
पदों की संख्या - 115
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 नवंबर, 2023
वेबसाइट- www.cnpnashik.spmcil.com

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम- ट्रेड अप्रेंटिस (अटेंडेंट ऑपरेटर, फिटर, बॉयलर, साचिवालयिक सहायक, लेखाकार), टेक्नीशियन अप्रेंटिस (केमिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन) और अन्य पद
पदों की संख्या - रिफाइनरी के आधार पर विभिन्न पद
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 नवंबर, 2023
वेबसाइट- www.iocl.com

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम

पद का नाम - उप प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, वरिष्ठ सहायक
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 नवंबर, 2023
वेबसाइट - www.nsfdc.nic.in

पवन हंस लिमिटेड

पद का नाम - प्रशिक्षु तकनीशियन
पदों की संख्या - 10
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 नवंबर, 2023
वेबसाइट – www.pawanhans.co.in

जलसंपदा विभाग, महाराष्ट्र

पद का नाम- साइंटिफिक असिस्टेंट, लोअर डिवीजन क्लर्क, जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट, जियोलॉजी असिस्टेंट, सर्वेयर, असिस्टेंट सर्वेयर, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग असिस्टेंट, लैब असिस्टेंट, ऑडिटर, ऑफिस बियरर, मोजनिदार, कलवा इंस्पेक्टर आदि पद।
पदों की संख्या - विभिन्न पद
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://wrd.maharashtra.gov.in

तमिलनाडु टीचर रिक्रूटमेंट बोर्ड

पद का नाम - ग्रेजुएट टीचर और अन्य
पदों की संख्या - 2222
योग्यता - ग्रेजुएशन के साथ दो वर्षीय डीएलएड या न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएशन और बीएड या हायर सेकेंडरी के साथ 4 वर्षीय बीएलएड या हायर सेकेंडरी के साथ 4 वर्षीय बीए/बीएससी बीएड या बीएएड या बीएससीएड पास। तमिलनाडु टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीएनटीईटी) पास।
अंतिम तिथि - 30 नवंबर, 2023
वेबसाइट- https://www.trb.tn.gov.in/

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - स्पेशलिस्ट ऑफिसर (इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, रिस्क मैनेजर और अन्य)।
पदों की संख्या - 192
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://www.centralbankofindia.co.in/

एडमिशन अलर्ट

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

पाठ्यक्रम का नाम - एक साल का पूर्व समुद्री जीएमई पाठ्यक्रम
योग्यता - बीटेक
अंतिम तिथि - 21 नवंबर, 2023
वेबसाइट - www.cslmeti.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

कैफे राइटर्स पोएट्री कॉम्पिटिशन

योग्यता - यह ओपन पोएट्री कॉम्पिटिशन है। इस प्रतियोगिता में नए व अनुभवी लेखक हिस्सा ले सकते हैं। इसमें अंग्रेजी में लिखी कविताएं भेजनी हैं। कविताएं किसी भी थीम पर हो सकती हैं। कविता 40 पंक्तियों से अधिक की नहीं होनी चाहिए।
क्या मिलेगा - प्रथम विजेता को 1 लाख रुपये, द्वितीय को 30 हजार और तृतीय विजेता को 20 हजार रुपये दिये जायेंगे।
अंतिम तिथि - 30 नवंबर, 2023
वेबसाइट - htttp://www.cafewriters.co.uk

एफआरएच फोटो कॉम्पिटिशन

हेरिटेज ट्रिब्यून और यूरोपियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर कल्चरल हेरिटेज द्वारा आयोजित
योग्यता - नए व अनुभवी फोटोग्राफर्स भाग ले सकते हैं। इसमें तीन कैटेगरी धार्मिक इमारतें, आर्टिफैक्ट्स और पील एंड इवेंट्स रखी गई है।
क्या मिलेगा - विजेता को एफआरएच कॉन्फ्रेंस अटेंड करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा चयनित फोटोज को बुकलेट में प्रकाशित किया जायेगा।
अंतिम तिथि - 30 नवंबर, 2023
वेबसाइट - http://www.frh-europe.org/fr-photo-and-video-competition/

डीपीजी मास्टर्स अंडरवॉटर इमेजिंग कॉम्पिटीशन

योग्यता - नए व अनुभवी फोटोग्राफर्स हिस्सा ले सकते हैं। इसमें समुद्र की खूबसूरती दर्शाने वाली फोटोज भेजनी है। इसमें ट्रेडिशनल, वाइड एंगल, मैक्रो, कन्जर्वेशन, ब्लैक एंड व्हाइट सहित अन्य कैटेगरी में फोटोज भेजी जा सकती है।
क्या मिलेगा - विजेता को 83 हजार रुपये का कैश प्राइज दिया जाएगा। इसके अलावा दुनिया के टॉप रिजॉर्ट की डाइव ट्रिप भी मिलेगी।
अंतिम तिथि - 1 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - https://www.underwatercompetition.com/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह 14 से 20 नवम्बर

सुनहरे भविष्य के निर्माण में पुस्तकालयों का महत्व और उनकी बहुमूल्य भूमिका

पुस्तकालय वह स्थान है जहां अध्ययन के लिए आदर्श वातावरण मिलता है। इसमें संदर्भ की प्रचुरता के साथ पढ़ने का माहौल भी होता है। पुस्तकालय में स्थित आवश्यक संदर्भ का उपयोग कर हम अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकते हैं। शोध कार्य अथवा किसी परीक्षा की तैयारी या फिर अन्य आवश्यक संदर्भ के लिए पुस्तकालय सदैव सहयोगी रहा है। जिस परिकल्पना के साथ पुस्तकालय का आरंभ हुआ ठीक उसी अनुरूप इसकी लक्ष्य तक पहुंच भी बनी है। पुस्तकालय के उद्देश्य और महत्व के लोकव्यापीकरण के लिए भारतीय पुस्तकालय संघ ने वर्ष 1968 से राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाने की शुरुआत की।

भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा घोषित 14 से 20 नवम्बर को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन देशभर में किया जाता है। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह पुस्तकालयों, पुस्तकालयाध्यक्षों और पुस्तकालयों की बहुमूल्य भूमिका को स्पष्ट करने वाला वार्षिक उत्सव है। किसी भी युग में पुस्तकालय के बिना शिक्षा का अस्तित्व संभव नहीं है। पुस्तकालय शिक्षा का वह केन्द्र है जहां दुनियाभर का ज्ञान उपलब्ध है। विकास ओर विस्तार के साथ इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है। भारत विश्व में तीसरे नंबर पर सबसे ज्यादा शिक्षा संस्थान वाला देश है।

पुस्तकालय सप्ताह का उद्देश्य

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह एक वार्षिक उत्सव है। इस आयोजन के द्वारा जीवन को ज्ञान से परिष्कृत करने में पुस्तकालयों, पुस्तकालयाध्यक्षों की महत्ता को बताया जाता है। सप्ताह भर चलने वाले आयोजन में शोध पुस्तकालयों के अलावा सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए लोगों की रुचि जागृत करने का प्रयास किया जाता है। ताकि लोगों में पुस्तकालय के प्रति रुचि बढ़े, वे वहां के संदर्भ साहित्य को पढ़कर ज्ञान बढ़ाने के साथ मन में शांति का अनुभव करें। पढ़ने से विचारों में प्रगाढ़ता आती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और मानसिक संतोष का अनुभव होता है। व्यक्ति के इसी संतोष का प्रभाव परिवार पर भी पढ़ता है और परिवार में अच्छा माहौल विकसित होता है। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाने का मूल उद्देश्य है कि लोग खाली समय में सार्वजनिक पुस्तकालय में जाकर पढ़ें, विशेषकर बच्चों के बीच पुस्तकालय के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग पुस्तकालय

राष्ट्रीय पुस्तकालय, सार्वजनिक पुस्तकालय, व्यावसायिक पुस्तकालय, शैक्षिक पुस्तकालय, शासकीय पुस्तकालय इसके अलावा विभाग के अनुसार विशेष पुस्तकालय होते हैं। जैसे-चिकित्सा पुस्तकालय रेलवे पुस्तकालय, बैंक पुस्तकालय, जेल पुस्तकालय, विभागीय पुस्तकालय, विभिन्न मंत्रालयों के पुस्तकालय, प्रांतीय पुस्तकालय, जिला पुस्तकालय, कानून पुस्तकालय, समाचार पत्र पुस्तकालय, संगीत पुस्तकालय सहित अन्य कई क्षेत्रों का अपना पुस्तकालय होता है। दुनिया में किसी भी देश के अत्यंत दुर्लभ ग्रंथों, ताम्रपत्र, विभिन्न पत्र-पत्रिकाएं, मानचित्र, हस्तलिखित पत्र आदि संदर्भ

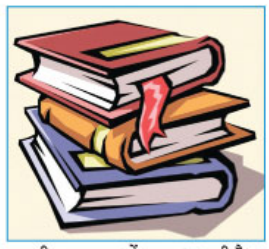

सामग्री पुस्तकालय में उपलब्ध रहती है।

ऐसे हुई इस सप्ताह की शुरुआत

बड़ोदा के महाराजा एस.एच. सायाजी राव गायकवाड़-III ने सन् 1910 में भारत में सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली के विकास की योजना पर कार्य आरंभ किया। महाराजा ने इस बात पर बल दिया कि पुस्तकालयों का लाभ कुछ प्रतिशत अंग्रेजी जानने वालों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा आम लोग इसका लाभ प्राप्त कर सकें, साथ ही राष्ट्रीय भाषा के पुस्तकालयों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। ताकि देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को पुस्तकालय से जोड़ सके। महाराजा ने एक पुस्तकालय विभाग की स्थापना की जिसमें डब्ल्यू.ए. बॉर्डन को प्रथम पूर्णकालिक राज्य पुस्तकालय निदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया।

सार्वजनिक पुस्तकालय

भारत में, सन् 1661 में चेन्नई में अंग्रेजी उपनिवेश पुस्तकालय की स्थापना की गई। पुस्तकालय की इस यात्रा में अब लगभग 54 हजार 856 सार्वजनिक पुस्तकालय हैं। सन् 1972 को अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक वर्ष घोषित किया गया था। जिसका नारा था सभी के लिए पुस्तकें। स्वतंत्रता से पहले भी पश्चिम भारत में स्थित कोल्हापुर राजशाही प्रदेश द्वारा 1945 में सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम पारित किया गया था।

राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन

संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय के रूप में राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन की स्थापना मई 1972 में की गई थी। आर.आर.आर.एल.एफ. को देश में लाइब्रेरी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का दायित्व सौंपा गया था। आर.आर.आर.एल.एफ. विभिन्न राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन के साथ समन्वय-सहयोग स्थापित कर कार्य करता है। आर.आर.आर.एल.एफ. द्वारा देश में सार्वजनिक पुस्तकालय के समन्वयन, मॉनीटरिंग तथा विकास के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन

राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की शुरुआत भारत के राष्ट्रपति द्वारा 3 फरवरी, 2014 में की गई थी। इसका बजट आवंटन 400 करोड़ रुपये है। इस मिशन का उद्देश्य राष्ट्रीय भारतीय पुस्तकालय की स्थापना, मॉडल पुस्तकालयों की स्थापना, पुस्तकालयों का गुणात्मक, मात्रात्मक सर्वेक्षण तथा क्षमता निर्माण करना है। इस योजना के अंतर्गत, संस्कृति मंत्रालय के तहत राज्यों में 6 पुस्तकालय, 35 केन्द्रीय पुस्तकालय और 35 जिला स्तरीय पुस्तकालयों को मॉडल पुस्तकालयों के रूप में विकसित किया जाना है।

संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले प्रमुख सार्वजनिक पुस्तकालय

राष्ट्रीय पुस्तकालय

राष्ट्रीय पुस्तकालय देश में पुस्तकालय प्रणाली का प्रमुख केन्द्र है। यह संस्कृति मंत्रालय के तहत कार्य करता है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तकालयों और सार्वजनिक पुस्तकालयों का रख-रखाव, नियमन व संचालन शामिल है।

रामपुर रज़ा पुस्तकालय

लखनऊ के रामपुर में स्थित रामपुर रज़ा पुस्तकालय, संस्कृति मंत्रालय के तहत स्वतंत्र लाइब्रेरी है। इसकी स्थापना वर्ष 1774 में नवाब फैजुल्लाह खान द्वारा की गई थी। यह पुस्तकालय मुगल काल की कला, संस्कृति, बेशकीमती दुर्लभ पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों, मुगल समय के लघु चित्रों और पुस्तकों के वंशागत संग्रह तथा नवाब के तोपखाने में रखे हुए अन्य कलात्मक कार्यों से समृद्ध है।

खुदा बख्श लाइब्रेरी

खुदा बख्श ओरिएण्टल पब्लिक, लाइब्रेरी में 21 हजार प्राच्य पांडुलिपियों और ढाई लाख मुद्रित पुस्तकों का अद्वितीय संग्रह है। इसे आम लोगों के लिए सन् 1891 में खोला गया।

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी

1951 में यूनेस्को परियोजना के रूप में प्रारम्भ की गयी थी। यह दिल्ली महानगर में प्रीमियर पब्लिक लाइब्रेरी सिस्टम के रूप में स्थापित है। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी का जोनल पुस्तकालयों, शाखाओं, उप शाखाओं, आर.सी. पुस्तकालयों, सामुदायिक पुस्तकालयों, डिपोजिट स्टेशनों, मोबाइल पुस्तकालय, ब्रेल पुस्तकालय का एक नेटवर्क है जो सम्पूर्ण दिल्ली में विस्तारित है।

केन्द्रीय सचिवालय पुस्तकालय

संस्कृति मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय सचिवालय पुस्तकालय, भारत सरकार के सर्वाधिक प्राचीन पुस्तकालयों में से एक है। इससे पहले 1891 में इम्पीरियल सेक्रेट्रिएट लाइब्रेरी कोलकाता (कलकत्ता) में स्थापित की गयी थी। संग्रहण के आकार के लिहाज से नेशनल लाइब्रेरी, कोलकाता के बाद यह भारत सरकार का दूसरा सबसे बड़ा पुस्तकालय है।

विश्व में कब और कहां मनाया जाता है राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह

- अमेरिका में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह 1958 से मनाया जाता है। अमेरिकन लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा अप्रैल के महीने में यह आयोजित होता है।
- 1954 में अमेरिका लाइब्रेरी एसोसिएशन और अमेरिकन बुक पब्लिशर्स के बीच एक गैर-लाभकारी राष्ट्रीय पुस्तक समिति की स्थापना की गई थी।
- 1954 में पहले पुस्तकालय सप्ताह आयोजन का विषय था 'जागो और पढ़ो।'

-हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन - 2023

दो हजार 533 अभ्यर्थी निर्वाचन प्रक्रिया में लेंगे भाग

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 2 हजार 533 अभ्यर्थी निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेंगे। इसमें मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों, गैर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों एवं निर्दलीय (स्वतंत्र) उम्मीदवार शामिल हैं। प्रदेश में 2280 पुरुष अभ्यर्थी, 252 महिला अभ्यर्थी और एक थर्ड जेंडर अभ्यर्थी निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

जिलों में मशीनों की एफएलसी और द्वितीय रेंडमाइजेशन की कार्यवाही की जाएगी। यह कार्यवाही रिटर्निंग अधिकारी एवं निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की उपस्थिति में होगी।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 21 अक्टूबर से नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 30 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए थे। 31 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की गई थी। 2 नवंबर को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि थी। 17 नंवबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी तथा 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

मध्यप्रदेश में मतदाता सूचना पर्ची का सम्मानपूर्वक वितरण जारी

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में मतदाता सूचना पर्ची (वोटर पर्ची) के वितरण का कार्य शुरू हो गया है। प्रदेश के सभी मतदाताओं को पहली बार क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची का वितरण किया जा रहा है।

क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची के माध्यम से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का क्रमांक, राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत मतदाता सूचना पर्ची के वितरण का कार्य 7 नवम्बर से प्रारंभ हो गया है। यह कार्य 12 नवम्बर तक चलेगा।

श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में अब तक 2 लाख 69 हजार 201 लाइसेंसी शस्त्र थानों में जमा करा लिये गये हैं। 732 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। कार्रवाई के दौरान अब तक 2 हजार 964 अवैध हथियार, 720 कार्टिज, 3 हजार 920 विस्फोटक पदार्थ एवं 1 बम भी मिला हैं। ये सभी सामग्रियां तत्काल जब्त कर ली गई हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि प्रदेश में कुल 376 अंतर्राज्यीय नाकों एवं 706 आंतरिक नाकों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। प्रदेश में 839 फ्लाइंग स्क्वाड (उड़नदस्ता), 994 सर्विलांस टीम (एसएसटी) एवं 99 क्विक रिसपांस टीम (क्यूआरटी) कार्य कर रही हैं।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां करें

ग्वालियर, भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने ग्वालियर-चंबल संभाग में विधानसभा निर्वाचन-2023 को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। संभागीय आयुक्त कार्यालय ग्वालियर में आयोजित बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान हो, इसके लिये सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय रहते करने के दिशा-निर्देश दिए। ग्वालियर-चंबल संभाग के प्रत्येक जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के भी विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने भी निर्देश दिये।

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव सम्पन्न कराने के लिये निर्वाचन आयोग सतर्क और गंभीर है। दोनों संभागों में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए व जिला बदर सहित सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए।

अंतर्राज्यीय एवं अंतर्जिला नाकों पर 24 घंटे निगरानी हो। सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। अवैध धन, मदिरा, अन्य मादक पदार्थों तथा अवैध हथियारों सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त करने की कार्रवाई की जाए। इस प्रकार की गतिविधियों में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

एसएसटी, एफएसटी एवं वीएसटी पूरी तरह मुस्तैदी और सतर्कता के साथ काम करें। दोनों संभाग में वल्नरेबल क्षेत्रों में मतदान केंद्रों में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से मतदाताओं को भरोसा दिलाया जाए कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर अपना वोट दे सकें।

बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिये आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी जिलों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के साथ ही निर्वाचन में विघ्न डालने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी समस्याओं का आयोग के अधिकारियों से संपर्क कर तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

संवेदनशील मतदान केंद्रों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इसके साथ ही मतदान केंद्रों की वेब-कास्टिंग की भी पुख्ता व्यवस्था हो। मतदान के संबंध में शिकायतों के निराकरण हेतु सी-विजिल ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार हो। इसके साथ ही प्राप्त शिकायत का निराकरण 100 मिनट में करें। जिलों में अधिक से अधिक आदर्श मतदान केंद्र बनाने के विशेष प्रयास किये जाएं। सभी जिला निर्वाचन अधिकारी अपने-अपने जिले में पोस्ट ऑफिस से निरंतर संपर्क बनाए रखें तथा शेष बचे मतदाता पहचान पत्रों का वितरण समय रहते कराया जाये। आवश्यकतानुसार बीएलओ का भी सहयोग लिया जाए।

ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टरों ने अपने-अपने जिले में विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिये की गई तैयारियों के संबंध में प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधीक्षकों ने स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिये की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों की जानकारी दी।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था श्री अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, ग्वालियर संभाग के आयुक्त श्री दीपक सिंह, एडीजीपी ग्वालियर रेंज श्री डी. श्रीनिवास वर्मा, आईजी चंबल रेंज श्री सुशांत सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री कृष्णावेणी देशावतु सहित ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदान के लिये ....

आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशियों की शिकायत चुनाव आयोग तक शीघ्र पहुंचे इसके लिये सी-विजिल ऐप तैयार किया गया है। यह ऐप कैसे कार्य करता है और अब तक कितनी शिकायतें इस पर की जा चुकी हैं तथा शिकायतों के निराकरण की स्थिति के बारे में बतायें?

सी-विजिल ऐप का पूरा नाम ही सिटीजन विजिल है। यह नागरिकों की सहूलियत के लिये बनाया गया ऐप है और जागरूक नागरिकों से अपेक्षा की गई है कि वह स्वयं इस प्रक्रिया के प्रहरी बनें। कहीं भी आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत दिखती है या उन्हें लगता है कि कोई चीज गलत हो रही है तो वे इस ऐप के माध्यम से तत्काल शिकायत कर सकते हैं। इस ऐप के माध्यम से बिना अपनी पहचान उजागर किये शिकायत की जा सकती है। उस शिकायत में आप फोटो, मैसेज रिकॉर्डिंग या वीडियो बनाकर भेज सकते हैं और 100 मिनट के अंदर हमारी टीम उसका निराकरण करती है। यह जीपीएस इन्बिल्ड ऐप है जिसमें शिकायकर्ता की लोकेशन तुरंत मिलती है और हमारी फ्लाइंग स्क्वाड की टीमों को अलर्ट मिलता है। अलर्ट मिलते ही नजदीक की टीम तुरंत मौके पर पहुंचती है, जांच करती है यदि शिकायत सही होती है तो उसका निराकरण करते हैं अगर शिकायत सही नहीं होती है तो उस शिकायत को रद्द कर दिया जाता है। अब तक कुल 9 हजार 83 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 3 हजार 358 सही पाई गईं, जिनका निराकरण किया गया। बाकी 5 हजार 695 शिकायतें गलत पाई गईं।

मध्यप्रदेश में एक चरण में मतदान होना है, ऐसे में इतने बड़े राज्य में मतदान करवाना चुनौतीपूर्ण कार्य है, इसके लिये आपकी क्या तैयारियां हैं?

मतदान केन्द्रों के हिसाब से हमारी पूरी तैयारी है। राज्य के अलावा केंद्र से भी हमें पुलिस बल मिलेगा। मुझे नहीं लगता है कि इसमें कोई परेशानी आनी चाहिए। क्योंकि पिछली बार भी एक चरण में ही मतदान हुआ था। व्यवस्था के स्तर पर इसमें कोई दिक्कत नहीं दिखती है।

मतदान केन्द्रों पर किसी प्रकार के नवाचार की योजना है?

इस बार मतदान केन्द्रों पर कुछ नवाचार किये गये हैं। जैसे पिंक बूथ बनाये गये, इसमें दल की सभी सदस्य महिलाएं होंगी, ऐसे मतदान केन्द्र भी बनाये गये जिसके प्रबंधन का कार्य दिव्यांग संभाल रहे हैं। यही नहीं ऐसे मतदान केन्द्र भी हैं जिसमें चारों सदस्य 35 वर्ष तक के युवा हैं। एक अन्य कैटेगरी में आइडल बूथ के निर्माण की जिम्मेदारी जिला स्तर पर कलेक्टर्स को दी गई है।

मीडिया सर्टिफिकेशन और न्यूज मॉनिटरिंग के लिये क्या विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं जिससे पेड न्यूज पर अंकुश लगाया जा सके?

मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी का गठन राज्य और जिला स्तर पर किया गया है। इसका काम जो भी सामग्री प्रसारित की जाती है उसको सर्टिफाइड करना है। यही नहीं प्रिंट मीडिया में जाने वाले विज्ञापन को 48 घंटे पहले सर्टिफाइड करने की जिम्मेदारी भी यही कमेटी करती है। पेड न्यूज यदि कहीं है तो उसका आंकलन करना। अगर पेड न्यूज है तो उसका खर्चा पार्टी या प्रत्याशी के मद में जोड़ा जाता है। यह कार्य निरंतर समिति और उसके सदस्य मीडिया कंट्रोल रूम, मीडिया सेल के माध्यम से करते हैं।

उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन, रैली और सभा की अनुमति सुविधा पोर्टल से दी गई है। इस पोर्टल के क्या प्रावधान हैं?

सुविधा ऐप सरल, सुलभ और सहज ऐप है जिसके माध्यम से अलग-अलग तरह की अनुमति जारी होती हैं। ऐप का उद्देश्य पहले आओ पहले पाओ के नीति के आधार पर अनुमति प्राप्त करना है। कई बार शिकायतें आती थीं कि किसी ने आवेदन पहले किया, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली और बाद में आवेदन करने वालों को पहले अनुमति मिल गई। लेकिन इस ऐप के आने से मॉनिटरिंग और रेगुलेटिंग आसान हो गया है। जिन लोगों को भी अनुमति चाहिए अब उन्हें कहीं जाने की आवश्यकता नहीं होती। वे ऑनलाइन ही आवेदन करके अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

80 वर्ष या उससे अधिक के मतदाता, दिव्यांगजन आदि को मतदान केन्द्र तक पहुंचाने के लिये क्या कोई विशेष तैयारी की गई है?

आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोग और दिव्यांग मतदाता जिनकी दिव्यांगता 40 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे मतदाता अगर इस विकल्प का चयन करते हैं तो उन्हें होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। लगभग 12 लाख मतदाता इस श्रेणी में आते हैं। उन सभी से चर्चा उपरांत फॉर्म 12डी दिया गया। लगभग 84 हजार लोगों ने इस विकल्प को चुना है कि वह घर से मतदान करना चाहते हैं। प्रदेश में घर से मतदान करवाने की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। इसमें हमारे लोग उनके घर जाते हैं और पोस्टल बैलेट के माध्यम से उनसे मतदान करवाते हैं। मतदान की गोपनीयता वैसे ही रखी जाती है जैसे सामान्य मतदान केन्द्र में होता है। यदि इस श्रेणी के मतदाता मतदान केन्द्र पर जाकर मतदान करना चाहते हैं तो मतदान केन्द्र पर बुर्जुग मतदाताओं के बैठने, वॉलेंटियर्स की उपलब्धता, मतदान करने में प्राथमिकता, वेटिंग एरिया जैसी तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि मतदान की प्रक्रिया सरल, सहज और सुगम हो।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी होने के नाते आप प्रदेश की जनता को मतदान को लेकर क्या संदेश देना चाहेंगे?

मैं दो बातें स्पष्ट करना चाहता हूं और यह भ्रांति दूर करना चाहता हूं कि मेरे पास वोटर आईडी कार्ड नहीं है तो मैं मतदान नहीं कर पाऊंगा। यह गलत सोच है। वोटर आईडी कार्ड के अतिरिक्त भी 12 प्रकार के दस्तावेज हैं जिसके आधार पर आप मतदान कर सकते हैं। वोटर आईडी कार्ड का होना अनिवार्यता नहीं है। दूसरी बात यह कहना चाहता हूं कि मतदान के पहले हम लोग वोटर पर्ची बांटते हैं। कई बार लोगों को लगता है कि वोटर पर्ची नहीं मिली तो वह मतदान नहीं कर पाएंगे और वह निराश हो जाते हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। वोटर पर्ची न होने की स्थिति में अगर आपका नाम मतदाता सूची में है तो भी आप मतदान कर सकते हैं।

फेटी लीवर रोग के प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

भोपाल, गैर-एल्कोहल फेटी लीवर रोग के प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच में प्रदेश के 120 आपातकालीन चिकित्सा अधिकारियों और आईसीयू चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षण में शामिल किया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में गैर-एल्कोहल फेटी लीवर रोग की रोकथाम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यशाला में शरीर रचना विज्ञान, पैथोफिजियोलॉजी और फेटी लीवर रोग की रोकथाम, प्रबंधन एवं नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। चिकित्सा अधिकारियों के बीच ज्ञान और कौशल को बढ़ाने और पूरे प्रदेश में फेटी लीवर बीमारी से निपटने के उद्देश्य से एनएचएम और पब्लिक हेल्थ फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया द्वारा संयुक्त प्रयास किया गया है।

बताया गया कि केंद्र सरकार द्वारा पहली बार मध्यप्रदेश राज्य से ही गैर-एल्कोहल फेटी लीवर के लिये मानक उपचार कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ हुआ है। पब्लिक हेल्थ फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया के सहयोग से इस प्रशिक्षण को अपनाने और शुरू करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। प्रशिक्षण कार्यशाला में स्वास्थ्य आयुक्त-सह-सचिव डॉ. सुदाम खाड़े, एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महेन्द्र सिंह धोनी को

एसबीआई ने बनाया ब्रांड एम्बेसेडर

देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने पूर्व क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया है। ब्रांड एम्बेसेडर के तौर पर धोनी मार्केटिंग और प्रचार अभियानों में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। तनाव पूर्ण स्थितियों में संयम बनाए रखने, उल्लेखनीय क्षमता, स्पष्ट सोच और दबाव में त्वरित निर्णय लेने की उनकी क्षमता और स्पष्ट सोच की छवि से ग्राहक एसबीआई से जुड़ सकेंगे।

शेफ राकेश

वर्ल्डकप की रेप्लिका चॉकलेट से बनायी

ओडिशा के भुवनेश्वर में वर्ल्डकप क्रिकेट के दीवाने पेस्ट्री आर्टिस्ट शेफ राकेश ने वर्ल्डकप की रेप्लिका (मूल ट्रॉफी की नकल) चॉकलेट से बना डाली। उन्होंने 7 लोगों की टीम के साथ 3 दिन में यह ट्रॉफी तैयार की है। इसमें 10 किलोग्राम चॉकलेट का इस्तेमाल किया गया है। इस ट्रॉफी में चॉकलेट के अलावा ऐसा कुछ इस्तेमाल नहीं किया जो खाने योग्य न हो। ट्रॉफी के चॉकलेट को खाया जा सकता है। इस आर्ट के जरिए उन्होंने सभी देशों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

रडार मिशन निसार

नासा-इसरो मिलकर 2024 में करेंगे लॉन्च

इसरो और नासा ने साथ मिलकर पृथ्वी पर नजर रखने वाला एक रडार मिशन लॉन्च करने का फैसला किया है। यह मिशन क्लाइमेट चेंज के लिए बेहद अहम साबित हो सकेगा। इससे जंगलों और वेटलैंड (नमी या दलदली भूमि वाले क्षेत्र) पर निगरानी की जा सकती है। इसरो का कहना है कि स्पेस एजेंसियां पता लगाना चाहती हैं कि फौरेस्ट और वेटलैंड में कार्बन सर्किल पर क्या असर हो रहा है और इससे क्लाइमेट चेंज कैसे हो रहा है। इसके साथ ही वैज्ञानिकों को पहले से ही आने वाली आपदाओं के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी

मुंबई में छह दशक चलने के बाद हुई बंद

पिछले करीब 6 दशकों से मुंबई की पहचान कही जाने वाली 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी बंद हो गई। आम लोगों में इस टैक्सी को 'काली-पीली' के तौर पर जाना जाता है। नए मॉडल और एप आधारित कैब सेवाओं के बाद से ये काली पीली टैक्सी अब मुंबई की सड़कें छोड़ गयी। इसे 29 अक्टूबर, 2003 को मुंबई आरटीओ ने रजिस्टर्ड किया था। 20 साल के अनुबंध के बाद यह सेवाएं समाप्त हो गई है।

टीपू सुल्तान की तलवार

लंदन में हुई नीलाम

अट्ठारहवीं सदी में मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की रत्न जड़ित और मीनाकारी वाली तलवार की लंदन में नीलामी की गई। टीपू सुल्तान के निजी शस्त्रागार की यह तलवार 100,800 ब्रिटिश पाउंड (लगभग 1.9 करोड़ रुपये) में बिकी। लंदन में क्रिस्टी के नीलाम घर में तलवार को बिक्री के लिए रखा गया है। आर्ट ऑफ द इस्लामिक एंड इंडियन वर्ल्ड सेल में तलवार की बोली 1.5 मिलियन से दो मिलियन पाउंड के बीच तय की गई थी, लेकिन तय कीमत से तलवार की बोली नहीं लगी। हालांकि खरीदार का नाम गोपनीय रखा गया है।

श्रीप्रिया कलभावी

3एम यंग साइंटिस्ट चैलेंज में दूसरा स्थान हासिल किया

भारतवंशी छात्रा श्रीप्रिया कलभावी ने अमेरिका के 3एम यंग साइंटिस्ट चैलेंज 2023 में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता अमेरिका में 'मिडिल स्कूल छात्रों के लिए' एक प्रमुख विज्ञान प्रतियोगिता है। कैलिफोर्निया के लिनब्रुक हाईस्कूल में नौवीं कक्षा की छात्रा कलभावी को गोलियों या सुइयों के बिना स्वचलित दवा वितरण के लिए माइक्रोनिडिल पैच के विकास के लिए 2,000 डॉलर का पुरस्कार मिला।

बोरिस जॉनसन

न्यूज चैनल में प्रोग्राम होस्ट करेंगे

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अब न्यूज चैनल जीबी के लिए काम करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वे नए टेलीविजन चैनल पर अपने विचार दुनिया के सामने रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस टेलीविजन चैनल पर रूस, चीन, यूक्रेन में युद्ध आदि सभी चुनौतियों से निपटने को लेकर भी कार्यक्रमों में अपनी राय प्रकट करेंगे। जीबी न्यूज चैनल की ओर से भी यह बताया गया है कि जॉनसन 2024 से न्यूज प्रेजेंटर, प्रोग्राम मेकर और बतौर कमेंटेटर अपना कार्य प्रारंभ करेंगे।

डॉक्टर भरत बरई

कैम्पस चैंपियनशिप गाला अवॉर्ड से सम्मानित

अमेरिका में भारतीय मूल के फिजिशियन डॉक्टर भरत बरई को कैम्पस चैंपियनशिप गाला अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने और भारत-अमेरिका-इजराइल के बीच संबंध मजबूत करने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है। उन्हें अमेरिका में यहूदियों के एक संगठन 'स्टैंड विद यूएस' ने कैम्पस चैंपियनशिप गाला अवॉर्ड से नवाजा है। डॉक्टर बरई ने गुजरात के बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई की है।

ओडिशा में

मछली की नयी प्रजाति मिली

ओडिशा में वैज्ञानिकों ने महानदी में मछली की नयी प्रजाति की खोज की है। इसका नाम अवीस मोटला रखा गया है। ओडिशा सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से चलाई गई अनुसंधान परियोजना के दौरान यह खोज की गई। बेहरामपुर विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान प्रोफेसर जय किशोर सेठ ने बताया कि यह मछली पश्चिमी ओडिशा में बिक रही है।

नंदनी दास ने

जीता 2023 का ब्रिटिश बुक प्राइज

भारत में जन्मी लेखिका नंदनी दास ने अपनी पुस्तक 'कोर्टिंग इंडिया इंग्लैंड, मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर' के जरिए ग्लोबल कल्चरल अंडरस्टैंडिंग के लिए साल 2023 का ब्रिटिश अकादमी बुक प्राइज जीता है। यह एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय गैर-गल्प पुरस्कार है, जिसमें इनाम के तौर पर 25,000 पाउंड की राशि दी जाती है। दास की यह किताब मुगल दरबारों में इंग्लैंड के पहले राजनयिक अभियान के माध्यम से बताई गई ब्रिटेन और भारत की सच्ची मूल कहानी है।

जो बाइडेन ने

एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए एक्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इससे यह निश्चित हो गया कि एआई प्रोडक्ट का इस्तेमाल जैविक या परमाणु हथियार बनाने में नहीं किया जाएगा। साथ ही एआई की मदद से विकसित किए गए फोटो, वीडियो और ऑडियो पर वाटरमार्क लगाना होगा। इससे फेक ऑडियो, वीडियो, फोटो की जवाबदेही तय हो सकेगी और दुष्प्रचार की आशंका खत्म होगी। इसी के मद्देनजर पिछले सप्ताह एआई पर कंट्रोल करने के लिए दुनिया का पहला एआई सेफ्टी समिट भी संपन्न हुआ।

चीन

अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन से लौटे यात्री

चीन के 3 अंतरिक्ष यात्री 6 महीने तक चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए। चीन के गोबी रेगिस्तान के किनारे जिओ क्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर के पास रिटर्न कैप्सूल से तीनों यात्री जिंग हेपेंग, झू यांग्झू और गुई हाई चाओ बाहर निकले। इसके साथ ही स्टेशन का नया दल पिछले सप्ताह तियांगोंग स्टेशन पर पहुंच गया है। नया दल चिकित्सा और वैज्ञानिक प्रयोग करेगा। चीन का यह स्पेस स्टेशन वर्ष 2022 के अंत से सफलतापूर्वक काम कर रहा है।

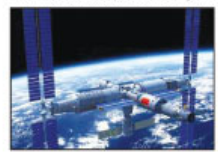

आर.आर. स्वैन

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक बने

श्रीनगर में आर.आर. स्वैन ने समारोहपूर्वक जम्मू-कश्मीर के 17वें पुलिस महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी स्वैन को जम्मू-कश्मीर में सेवाएं देने का लंबा अनुभव है। जून 2020 में उन्हें जम्मू-कश्मीर पुलिस की सीआईडी विंग का प्रमुख बनाया गया था। उन्हीं के नेतृत्व में एसआईए का गठन हुआ। उन्होंने दिलबाग सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद यह पद ग्रहण किया।

रसमलाई और काजू कतली

विश्व की टॉप मिठाई में शामिल

टेस्ट एटलस द्वारा जारी विश्व की टॉप मिठाइयों की सूची में भारत की रसमलाई और काजू कतली को भी शामिल किया गया है। रसमलाई को 31वां और काजू कतली को 41वां स्थान प्राप्त हुआ है। रसमलाई को पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक पसंद किया गया है। काजू कतली जिसे बर्फी के नाम से जाना जाता है। टेस्ट एटलस ने 50 बेस्ट डेजर्ट की लिस्ट जारी की है। फ्रांस की क्रेप मिठाई को पहला स्थान मिला है।

चीन ने

शुरू किया 40वां अंटार्कटिक साइंस मिशन

दुनिया के दक्षिणी महाद्वीप पर चीन के पांचवे स्टेशन के निर्माण को पूरा करने में मदद करने के लिए दो चीनी आइसब्रेकर अनुसंधान जहाज और एक मालवाहक जहाज 460 से अधिक कर्मियों के साथ अंटार्कटिक के लिए रवाना हुआ। चीन का 40वां अंटार्कटिक मिशन 5 महीने से अधिक समय तक चलेगा। यह पहली बार है कि चीन का अंटार्कटिक वैज्ञानिक अनुसंधान मिशन 3 जहाजों द्वारा एक साथ किया जाएगा।

साइमा वाजेद

डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक नामित

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिण-पूर्व एशिया के डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय निदेशक के तौर पर साइमा वाजेद को नामित किया है। सदस्य राज्यों ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय समिति के 76वें सत्र में साइमा वाजेद को नामित करने के लिए मतदान किया था। नामांकन 22 से 27 जनवरी 2024 को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में होने वाले 154वें सत्र के दौरान डब्ल्यूएचओ बोर्ड के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। नवनियुक्त क्षेत्रीय निदेशक को एक फरवरी 2024 से पदभार ग्रहण करना होगा।

जैक ल्यू

इजराइल में अमेरिकी राजदूत बने

अमेरिका के पूर्व वित्त सचिव जैक ल्यू इजराइल में नए अमेरिकी राजदूत होंगे। अमेरिकी सीनेट ने राजदूत के रूप में जैक की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। जैक ल्यू पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा प्रशासन में वित्त सचिव थे। इस दौरान उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौते में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके कारण सीनेट में रिपब्लिकन ने उनकी नियुक्ति का कड़ा विरोध किया था। जैक पूर्व राजदूत टॉम नाइड्स की जगह लेंगे।

स्मृति शेष

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रघु बलैया का निधन

तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता रघु बलैया का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे दिग्गज अभिनेता टी.एस. बलैया के पुत्र थे और जूनियर बलैया के नाम से मशहूर थे। उन्होंने सुंदरकंदम, काराकाटकरन, सत्ताई और अन्य फिल्मों में उत्कृष्ट अभिनय किया। इसके अलावा चिथी, वाजकई और चिन्ना पापा पेरिया पापा नाम के टेलीविजन सीरियल में भी अभिनय किया था।

आईएएफ के पूर्व उप-प्रमुख बारबोरा का निधन

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के पूर्व उप-प्रमुख एयर मार्शल पी.के. बारबोरा (सेवानिवृत्त) का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे एक उत्कृष्ट वायु योद्धा के रूप में जाने जाते रहे। बारबोरा ने पूर्वी लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी (डीबीओ) को फिर से सक्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

एम.पी.पी.एस.सी. परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

पृष्ठभूमि

- सन् 1858 में महालेखाकार का कार्यालय स्थापित किया गया था।
- 1866 में इस पद नाम का नाम बदलकर नियंत्रक महालेखा परीक्षक कर दिया गया।
- भारत सरकार अधिनियम 1919 के तहत महालेखा परीक्षक को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर इसको वैधानिक दर्जा दिया गया था।
- सन् 1935 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा संघीय ढांचे में प्रांतीय लेखा परीक्षकों का प्रावधान करके महालेखा परीक्षक को अधिक शक्ति प्रदान की गई।
- जम्मू और कश्मीर को वर्ष 1958 में CAG के क्षेत्राधिकार में शामिल किया गया।
- सन् 1976 में CAG (कर्तव्य, शक्तियां व सेवा-शर्तें) अधिनियम, 1971 में संशोधन किया गया।

परिचय एवं संवैधानिक प्रावधान

- CAG एक स्वायत्त एवं संवैधानिक संस्था है।
- संविधान के भाग-5 में अनुच्छेद 148 से 151 तक CAG के संबंध में उपबंध हैं।
- CAG को वॉच डॉग, गार्जियन ऑफ द पर्स या लोकनिधि का अभिभावक, सार्वजनिक धन का संरक्षक एवं लोक वित्त का प्रहरी भी कहते हैं।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भारतीय संविधान के तहत् सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी होगा- यह कथन भीमराव अंबेडकर का है।

संरचना

- CAG एक एकल सदस्य संस्था है।
- यह भारत के महालेखा परीक्षक विभाग का संवैधानिक प्रमुख होता है।
- भारत के अन्य राज्य में CAG के अभिकर्ता के रूप में कई एक अन्य अकांउटेंट जनरल नियुक्त किये जाते हैं जो राज्य सरकार के लेखाओं की जानकारी CAG को देते हैं।
- संविधान के अनुच्छेद-148 के अनुसार भारत का एक सी.ए.जी. होगा जो राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जायेगा।

नियुक्ति एवं कार्यकाल

- सी.ए.जी. की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है किन्तु वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण नहीं करता हैं।
- कार्यभार संभालने से पहले सी.ए.जी. राष्ट्रपति या राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त व्यक्ति के समक्ष शपथ ग्रहण करता है। (अनुच्छेद 148(2))
- सी.ए.जी. का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष जो भी पहले हो की आयु तक होता है।

पद मुक्ति एवं सेवा शर्तें

- सी.ए.जी. राष्ट्रपति के नाम किसी भी समय अपना त्याग पत्र भेज सकता है।
- राष्ट्रपति द्वारा सी.ए.जी. को उसी तरह हटाया जा सकता है जैसे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।
- संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत के साथ उसके दुर्व्यवहार या आयोग्यता पर प्रस्ताव पास कर उसे हटाया जा सकता है।
- सी.ए.जी. का वेतन एवं अन्य सेवा-शर्तें संसद द्वारा निर्धारित होती हैं।
- सी.ए.जी. की नियुक्ति के बाद इसके वेतन, छुट्टियां, पेंशन, सेवानिवृत्ति की आयु में अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।
- सी.ए.जी. के पेंशन व वेतन भत्ते भारत की संचित निधि पर भारित होंगे।
- अवकाश प्राप्ति के बाद सी.ए.जी. कोई सरकारी पद धारण नहीं कर सकता।

सी.ए.जी. की शक्तियां

- यह केन्द्र सरकार की सर्वोच्च लेखांकन संस्था है।

1. किसी विभाग के लेखा-प्रपत्र की जांच कर सकता है।
2. किसी भी विभाग से दस्तावेज मंगवा सकता है।
3. लेखा रिपोर्ट बनाने के लिए कोई आवश्यक सूचना प्राप्त करना।
4. किसी कार्यालय या संगठन का अंकेक्षण हेतु निरीक्षण करना।

रिपोर्ट

- कैग की रिपोर्ट को राष्ट्रपति संसद व राज्यपाल राज्य विधानमंडल के पटल पर रखवाते हैं।
- सी.ए.जी. राष्ट्रपति को तीन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है।
- सी.ए.जी. अनु.-151 के तहत केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों के लेखों से संबधित रिपोर्ट क्रमश: राष्ट्रपति व राज्यपाल को सौंपता है। राष्ट्रपति रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों के सभापटल पर रखवाते हैं। इसके उपरांत लोक लेखा समिति इनकी जांच करती है और इसके निष्कर्षों से संसद को अवगत कराती है।

1. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की छुट्टी मंजूर करने या नामंजूर करने की शक्ति निहित होगी?
(अ) वित्त मंत्री में
(ब) राष्ट्रपति में
(स) प्रधानमंत्री में
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश में

उत्तर-(ब)

2. भारत के कैग की संघ के लेखा संबंधि प्रतिवेदनों को सर्वप्रथम निम्न में से किसको प्रस्तुत किया जाता है?
(अ) लोक लेखा समिति का अध्यक्ष
(ब) लोक सभा के अध्यक्ष को
(स) भारत के कानून मंत्री को
(द) भारत के राष्ट्रपति को

उत्तर-(द)

3. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संघ के लेखाओं संबंधी अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है?
(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(ब) प्रधानमंत्री को
(स) उपराष्ट्रपति को
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(द)

4. निम्नलिखित में से किसके द्वारा भारत में कैग (सी.ए.जी.) के पद का सृजन किया गया था?
(अ) संसदीय अधिनियम, द्वारा
(ब) संविधान, द्वारा
(स) मंत्रिमंडल के संकल्प द्वारा
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(ब)

5. भारत में कैग (सी.ए.जी.) के पद पर नियुक्ति का कार्यकाल होता है?
(अ) 4 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 6 वर्ष (द) 7 वर्ष

उत्तर-(स)

6. भारत के कैग (सी.ए.जी.) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है?
(अ) उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(ब) उनका वेतन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के समान होता है।
(स) सेवानिवृति के पश्चात् वह अन्य सरकारी सेवा के अयोग्य हो जाते हैं।
(द) उनको प्रधानमंत्री पदच्युत कर सकते हैं।

उत्तर-(द)

7. निम्नलिखित में से कौन संसद की लोक लेखा समिति की बैठकों में उपस्थित रहता है?
(अ) भारत का महान्यायवादी
(ब) भारत के महाधिवक्ता
(स) भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(स)

8. कैग (सी.ए.जी.) की टीका-टिप्पणी पर उचित कार्यवाही करने की अंतिम जिम्मेदारी है?
(अ) राष्ट्रपति की
(ब) सर्वोच्च न्यायालय की
(स) संसद की
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद की

उत्तर-(स)

9. निम्नलिखित कर्तव्यों में से कौन-सा एक भारत के कैग (सी.ए.जी.) द्वारा पालन नहीं किया जाता है?
(अ) भारत की संचित निधि से होने वाले सभी व्ययों का लेखा परीक्षण करना और उसके संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।
(ब) आकस्मिकता निधि और लोक लेखाओं से होने वाले सभी व्ययों का लेखा परीक्षण करना और उनके संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।
(स) सभी व्यापार निर्माण लाभ और हानि लेखाओं का लेखा परीक्षण करना और उनके संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।
(द) सार्वजनिक धन की प्राप्ति और निर्गम नियंत्रण करना और यह सुनिश्चित करना कि सार्वजनिक राजस्व राजकोष में जमा हो।

उत्तर-(द)

10. भारत के कैग को उसके पद से हटाए जाने की प्रक्रिया निम्नलिखित में से किसके समान है?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) भारत का महान्यायवादी
(स) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
(द) संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष

उत्तर-(स)

11. भारत का कैग (सी.ए.जी.) निम्नलिखित का एक मित्र एवं मार्गदर्शक होता है?
(अ) प्रवर समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) प्रधानमंत्री
(द) लोक लेखा समिति

उत्तर-(द)

12. भारत में वॉच डॉग किस संस्था को कहा जाता है?
(अ) सी.बी.आई.
(ब) कैग (सी.ए.जी.)
(स) सी.आई.डी.
(द) लोकायुक्त

उत्तर-(ब)

13. निम्नलिखित में से कौन स्वायत्तशासी जिला और क्षेत्रीय परिषद् की निधियों की लेखाओं की लेखा परीक्षा करवाएगा?
(अ) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(ब) भारत सरकार द्वारा पैनलित चार्टरित लेखाकार
(स) कोई भी चार्टरित लेखाकार
(द) राज्य सरकार के लेखा परीक्षक

उत्तर-(अ)

14. भारत का कैग (सी.ए.जी.) के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?
1 वह संसद का/की एक अधिकारी नहीं है, पर राष्ट्रपति के अधीन एक अधिकारी है।
2 वह एक स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकारी है जो सीधे संसद के प्रति जवाबदेह नहीं है।
नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-
(अ) केवल 1
(ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों
(द) इनमे से कोई नहीं

उत्तर-(स)

15. भारत के कैग (सी.ए.जी.) को पद से केवल किसके द्वारा हटाया जा सकता है?
(अ) संघ के मंत्रिमंडल के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा
(ब) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा
(स) दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर संसद के दोनों सदनों में संबोधन के उपरांत राष्ट्रपति द्वारा
(द) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा

उत्तर-(स)

16. लोक निधि के फलोत्पादक और आशायित प्रयोग को सुरक्षित करने के साथ-साथ भारत में कैग (सी.ए.जी.) के कार्यालय का महत्व क्या है?
(अ) सी.ए.जी. संसद की और से राजकोष पर नियंत्रण रखता है, जब भारत का राष्ट्रपति वित्तीय आपात घोषित करता है।
(ब) सी.ए.जी. की मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित परियोजनाओं या कार्यक्रमों पर जारी किये गए प्रतिवेदनों पर लोक समिति विचार-विमर्श करती है।
(स) कैग के प्रतिवेदनों से मिली जानकारियों के आधार पर जांचकर्ता एजेंसियां उन लोगों के विरुद्ध आरोप दाखिल कर सकती हैं जिन्होंने लोक विधि प्रबंधन में कानून क उल्लंघन किया जाता हो।
(द) कैग को ऐसी निश्चित न्यायिक शक्तियां प्राप्त हैं कि सरकारी कम्पनियों के लेखा परीक्षा और लेखा जांचते समय वह कानून का उल्लंघन करने वालो पर अभियोग ला सके।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है-
(अ) 1, 3 एवं 4
(ब) केवल 2
(स) केवल 2 एवं 3
(द) 1, 2, 3 एवं 4

उत्तर-(स)

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-
(1) नियंत्रक- महालेखा परीक्षक का कर्तव्य होगा कि वह उन सभी प्राप्तियों की लेखा परीक्षा करे जो भारत की संचित निधि में संदेय हैं।
(2) नियंत्रक महालेखा परीक्षक को संघ या किसी राज्य के किसी कार्यालय या विभाग में रखे गए भण्डारों या स्टॉक के लेखाओं की लेखा परीक्षा करने और उनकी बाबद में रिपोर्ट देने का प्राधिकार होगा।
(अ) 1 तथा 2 दोनों असत्य हैं।
(ब) 1 तथा 2 दोनों सत्य हैं।
(स) 1 असत्य है लेकिन 2 सत्य है।
(द) 1 सत्य है लेकिन 2 असत्य है।

उत्तर-(ब)

18. भारत के सी.ए.जी. कार्य करते हैं?
(अ) नागरिक स्वतंत्रता के संरक्षक के रूप में
(ब) लोक वित्त संरक्षक के रूप में
(स) सरकार के मुख्य विधिक सलाहकार के रूप में
(द) उपर्युक्त सभी के संरक्षक के रूप में

उत्तर-(ब)

19. लोक निधि का अभिभावक किसे कहा जाता है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) संसद
(द) मंत्रिपरिषद्

उत्तर-(ब)

20. नियंत्रक महालेखा परीक्षक का (कर्तव्य, शक्तियों एवं सेवा की शर्तें) संशोधन अधिनियम 1971 को कब लागू किया गया?
(अ) 1972 (ब) 1976
(स) 1980 (द) 1987

उत्तर-(ब)

21. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के संबंध में निम्नलिखित में कौन-सा एक कथन सही नहीं है?
(अ) उसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(ब) उसे भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की भांति ही पद से हटाया जा सकता है।
(स) सी.ए.जी. का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद भी वह भारत सरकार के अधीन पद पर आगे और बने रहने के लिए पात्र होता है।
(द) सी.ए.जी. का वेतन भारत की संचित निधि से दिया जाता है।

उत्तर-(स)

22. भारत के कैग (सी.ए.जी.) के बारे में सही नहीं है?
(अ) सरकार के सभी खर्चों पर निगरानी एवं नियंत्रण
(ब) लोकवित्त का संरक्षण एवं प्रहरी
(स) इसका नियंत्रण केवल केन्द्र स्तर पर होता है

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. इस वर्ष फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप किस देश में खेला जा रहा है?
(अ) इंडोनेशिया (ब) ब्राजील
(स) नाइजीरिया (द) चेक रिपब्लिक

2. इनमें से किस खिलाड़ी ने विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) एच.एस. प्रणय
(ब) कोडाई नाराओका
(स) एंडरसन एंटोनसेन
(द) कुल्नावुत वितिदसर्न

3. आईसीसी क्रिकेट विश्वकप-2023 का पहला शतक इनमें से किस बल्लेबाज ने बनाया है?
(अ) डेविड मलान
(ब) क्विंटन डिकॉक
(स) डेवोन कॉन्वे
(द) एडेन मार्करम

4. अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में 200 मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं?
(अ) डेविड बैकहम
(ब) लियोनल मेसी
(स) जिनेदिन जिदान
(द) क्रिस्टियानो रोनाल्डो

5. प्रथमेश जावकर किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) क्रिकेट
(ब) निशानेबाजी
(स) तीरंदाजी
(द) शतरंज

6. इनमें से किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा बार सिनसिनाटी मास्टर्स टूर्नामेंट जीता है?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) रोजर फेडरर
(स) पीट सैम्प्रास
(द) राफेल नडाल

7. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में किस खिलाड़ी ने टेनिस में पुरुष एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) एंडी मरे
(स) मिलोस राओनिक
(द) डेनिल मेदवेदेव

8. ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक बनाने वाले सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं?
(अ) के.एल. राहुल
(ब) यशस्वी जायसवाल
(स) ईशान किशन
(द) शुभमन गिल

9. एशियन गेम्स-2022 के समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक थे?
(अ) बजरंग पूनिया
(ब) पी.आर. श्रीजेश
(स) निकहत जरीन
(द) नीरज चोपड़ा

10. वर्ष 2022 में भारत में आयोजित एएफसी महिला एशिया कप को किस देश ने जीता था?
(अ) चीन (ब) जापान
(स) दक्षिण कोरिया (द) ईरान

11. इस वर्ष किस देश में विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप आयोजित की गई थी?
(अ) मैक्सिको (ब) मलेशिया
(स) स्पेन (द) अमेरिका

12. किस भारतीय खिलाड़ी को हाल ही में लॉरियस एंबेसडर नियुक्त किया गया है?
(अ) विराट कोहली
(ब) सुनील छेत्री
(स) नीरज चोपड़ा
(द) बजरंग पूनिया

13. एशियन गेम्स-2022 में पहलवान दीपक पूनिया ने कौन-सा पदक जीता है?
(अ) स्वर्ण पदक (ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) इनमें से कोई नहीं

14. ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा छक्के लगाये हैं?
(अ) रोहित शर्मा
(ब) मार्टिन गुप्टिल
(स) ऋषभ पंत
(द) इनमें से कोई नहीं

15. भारत ने एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप-2023 में कितने पदक जीते हैं?
(अ) 12 (ब) 15
(स) 17 (द) 19

16. ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट को पहली बार कब शामिल किया गया था?
(अ) वर्ष 1900 (ब) वर्ष 1972
(स) वर्ष 1920 (द) वर्ष 1990

17. ओलिंपिक चैम्पियन खिलाड़ी उसेन बोल्ट किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) फुटबॉल (ब) कुश्ती
(स) तैराकी (द) एथलेटिक्स

18. वर्ष 2022 में किस टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती है?
(अ) विदर्भ (ब) सौराष्ट्र
(स) मुंबई (द) पंजाब

19. इस वर्ष डायमंड लीग फाइनल में किस खिलाड़ी ने भालाफेंक खेल में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) नीरज चोपड़ा
(ब) जैकब वादलेज्च
(स) जोहानस वेटर
(द) एंडरसन पीटर्स

20. पैरा एशियन गेम्स का पहली बार आयोजन किस वर्ष किया गया था?
(अ) वर्ष 2010 (ब) वर्ष 2014
(स) वर्ष 2018
(द) इनमें से कोई नहीं

21. चाइना ओपन-2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) शी यूकी
(ब) विक्टर एक्सेलसन
(स) जोनाथन क्रिस्टी
(द) लोह कीन येव

22. अर्जेंटीना ने कितनी बार फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीता है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) चार बार

23. वर्ष 2006 में एशियन गेम्स किस देश में आयोजित किए गए थे?
(अ) भारत (ब) मलेशिया
(स) द. कोरिया (द) कतर

24. एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर किस खेल में भारत के स्टार खिलाड़ी हैं?
(अ) निशानेबाजी (ब) फुटबॉल
(स) क्रिकेट (द) बैडमिंटन

25. एशियाई खेलों में इनमें से कौन-सा देश हिस्सा नहीं लेता है?
(अ) इंडोनेशिया (ब) ईरान
(स) ताजिकिस्तान (द) इथियोपिया

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (द), 5. (स), 6. (ब), 7. (अ), 8. (ब), 9. (ब), 10. (अ), 11. (द), 12. (स), 13. (ब), 14. (अ), 15. (द), 16. (अ), 17. (द), 18. (स), 19. (ब), 20. (अ), 21. (ब), 22. (स), 23. (द), 24. (अ), 25. (द)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

(द) सरकार को वित्तीय मितव्ययिता के उपाय सुझाना

उत्तर-(स)

23. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक निम्न में से एक है?
(अ) पूर्ण न्यायिक निकाय
(ब) सांविधिक निकाय
(स) संवैधानिक निकाय
(द) गैर-न्यायिक निकाय

उत्तर-(स)

24. कैग (सी.ए.जी.) का कार्यकाल, संविधान के अनुसार इनमें से कौन सा है?
(अ) 5 वर्ष या 65 वर्ष आयु
(ब) 6 वर्ष या 65 वर्ष आयु
(स) 4 वर्ष या 65 वर्ष आयु
(द) 5 वर्ष या 60 वर्ष आयु

उत्तर-(ब)

25. लोक लेखा समिति के बारे में निम्न में से कौन-सा तथ्य सही नहीं है?
(अ) यह कैग की रिपोर्ट की जांच करती है।
(ब) यह रिपोर्ट को सरलीकृत करने का कार्य भी करती है।
(स) यह रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजती है।
(द) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर-(स)

25. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से संबंधित अनुच्छेदों में असत्य को चिन्हित करें?

अनुच्छेद	विषय-वस्तु
(अ) 148	सी.ए.जी.
(ब) 149	कैग कार्य एवं शक्तियां
(स) 150	संघ तथा राज्यों के लेखा प्रकार
(द) 152	अंकेक्षण प्रतिवेदन

उत्तर-(द)

26. भारत के कैग (सी.ए.जी.) के संबंध में निम्न में से कौन-से कथन सही हैं?
1 वह केवल संसद के प्रति उत्तरदायी होता है।
2 वह किसी कर की निवल प्राप्तियों को प्रमाणित करता है।
3 वह राज्य सरकार के लेखाओं का संकलन और अनुरक्षण करता है।
4 भारत की संचित निधि से धन की निकासी पर उसका नियंत्रण होता है।
(अ) 2 और 4
(ब) 1, 2 और 4
(स) 1, 2 और 3
(द) 2, 3 और 4

उत्तर-(स)

27. भारत में महालेखा परीक्षक सर्वप्रथम बार किस वायसराय ने सृजित किया?
(अ) लॉर्ड डलहौजी
(ब) लॉर्ड कैनिंग
(स) लॉर्ड लिटन
(द) लॉर्ड रिपन

उत्तर-(ब)

28. कैग की संरचना के बारे में विचार करें-इनमें से कौन-सा एक सही नहीं हैं?
(अ) यह एकल सदस्यीय संस्था है।
(ब) यह बहुसदस्यीय संस्था है।
(स) यह भारत के महालेखा परीक्षक विभाग का संवैधानिक प्रमुख होता है।
(द) भारत के राज्यों में कैग के अभिकर्ता के रूप में कई अन्य एकाउन्टेंट जनरल नियुक्त किए जाते हैं।

उत्तर-(ब)

29. कैग के कार्यकाल के बारे में इनमें से क्या सही नहीं है?
(अ) यह 5 वर्षों के लिए पद ग्रहण करता है।
(ब) यह 6 वर्षों के लिए पद ग्रहण करता है।
(स) यह 65 वर्ष की आयु तक पद ग्रहण करता है।
(द) यह पुनर्नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होता है।

उत्तर-(अ)

30. इनमें से कौन भारत का कैग नहीं रहा है?
(अ) विनोद राय
(ब) विजय शर्मा
(स) शशिकांत शर्मा
(द) राजीव महर्षि

उत्तर-(ब)

31. भारत के कैग (सी.ए.जी.) के कर्तव्यों के बारे में संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णन है?
(अ) 148 (ब) 149
(स) 150 (द) 151

उत्तर-(ब)

32. भारत के प्रथम नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक इनमें से कौन थे?
(अ) ए.के. चन्द्रा
(ब) ए.के. रॉय
(स) वी. नरहरि राव
(द) एस. रंगनाथन

उत्तर-(स)

33. कैग (सी.ए.जी.) राष्ट्रपति को कितने लेखा परीक्षा पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5

उत्तर-(ब)

34. मध्यप्रदेश के महालेखाकार का उप-कार्यालय इनमें से किस स्थान पर अवस्थित है?
(अ) भोपाल (ब) ग्वालियर
(स) जबलपुर (द) इन्दौर

उत्तर-(अ)

35. मध्यप्रदेश महालेखाकार किसके अधीन कार्य करता है?
(अ) राज्य सरकार
(ब) राज्यपाल
(स) केन्द्र सरकार
(द) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

उत्तर-(द)

36. मध्यप्रदेश के महालेखाकार के कार्य हैं?
(अ) मध्यप्रदेश शासन के वित्त तथा विनियोग संबंधित सभी लेखाओं को तैयार करना, उनका संकलन करना और उन्हें भारत के कैग को प्रेषित करना है।
(ब) मध्यप्रदेश शासन के अधीन कर्मचारियों के जी.पी.एफ. व सी.पी.एफ. लेखों का रखरखाव करना व इनका संकलन करना।
(स) मध्यप्रदेश के सभी ट्रेजर व सब-ट्रेजरी का निरीक्षण करना व लेखा परीक्षण करना।
(द) मध्यप्रदेश के लेखों के संबंध में वित्तीय प्रतिवेदन राज्यपाल को सौंपना।
इनमें से कौन-सा कथन सही है।
(अ) केवल 1
(ब) केवल 2 व 3
(स) केवल 1, 2 एवं 3
(द) चारों

उत्तर-(द)

37. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की नियुक्ति की जाती है?
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा
(स) अध्यक्ष, नीति आयोग
(द) वित्त मंत्री

उत्तर-(अ)

38. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेख परीक्षक की नियुक्ति होती है?
(अ) अनुच्छेद 146
(ब) अनुच्छेद 147
(स) अनुच्छेद 148
(द) अनुच्छेद 149

उत्तर-(स)

- इमरत खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं)

विशाल कार रैली को दिखाई हरी झंडी

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन और कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल श्री आशीष सिंह ने जिला निर्वाचन कार्यालय एवं लायंस इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित विशाल कार रैली को लाल परेड मैदान से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इसके पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाकर सभी से मतदान करने की अपील की। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विट्ठल मार्केट पर समाप्त हुई। रैली में जिला स्वीप नोडल अधिकारी श्री ऋतुराज सिंह, एडीएम श्री हरेन्द्र नारायण सहित शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

निर्वाचन कार्य में लगे कर्मियों ने किया मतदान

भोपाल, विधानसभा निर्वाचन-2023 सम्पन्न कराये जाने के लिए मतदान दल एवं निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान के लिए शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय भोपाल, शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय भोपाल में सुविधा केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

डाक मत पत्र से मतदान के पहले दिन मतदान दल और निर्वाचन कार्य में लगे कर्मियों द्वारा डाक मतपत्र से मतदान किया गया। इसी के साथ इन सुविधा केंद्रों पर 7 एवं 8 नवम्बर 2023 को भी डाक मत पत्र से मतदान कराया गया। लाल परेड ग्राउण्ड में बनाये गये सुविधा केन्द्र पर 9 एवं 10 नवम्बर को डाक मतपत्र से मतदान कराया जायेगा।

मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा हेतु पूछे जाने वाले प्रश्न

आधुनिक इतिहास

1. 'इंकलाब जिंदाबाद' का क्या अर्थ है?
(अ) सदा के लिये स्वतंत्रता
(ब) लंबी क्रांति
(स) परिवर्तनों का स्वागत है
(द) अन्याय के विरुद्ध लड़ाई

2. ब्रह्म समाज का प्रथम सचिव कौन था?
(अ) राजा राममोहन राय
(ब) ताराचंद्र चक्रवर्ती
(स) चंद्रशेखर देव
(द) देवेंद्रनाथ टैगोर

3. 1849 में स्थापित बेथ्यून स्कूल किससे संबंधित था?
(अ) जन शिक्षा
(ब) अल्पसंख्यकों की शिक्षा
(स) दलित वर्गों की शिक्षा
(द) महिला शिक्षा

4. ब्रिटिश भारत में दासता प्रथा कब समाप्त हुई?
(अ) 1833 (ब) 1813
(स) 1829 (द) 1848

5. निम्न में से कौन प्रार्थना समाज से संबद्ध था?
1. आर.जी. भंडारकर
2. गोविंद राणाडे
3. आत्माराम पांडुरंग
4. ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(अ) 1, 3, 4 (ब) 1, 2, 3
(स) 2, 3, 4 (द) 1, 2, 3, 4

6. वह प्रथम भारतीय मुस्लिम समाज सुधारक कौन था, जिसने भारतीय मुसलमानों की स्थिति पर चिंता प्रकट की?
(अ) सर सैय्यद अहमद खां
(ब) शाह वलीउल्लाह
(स) शाह अब्दुल अजीज
(द) सैय्यद अहमद शहीद

7. भील आंदोलन का केंद्र था?
(अ) कर्नाटक (ब) छोटा नागपुर
(स) भीलवाड़ा (द) खानदेश

8. निम्न में से किस विद्रोह के नेता गोमधर कुंवर थे?
(अ) चुआर विद्रोह
(ब) खासी विद्रोह
(स) अहोम विद्रोह
(द) पागलपंथी विद्रोह

9. 'दमन-ए-कोह' किस विद्रोह के लिये प्रसिद्ध था?
(अ) संथाल (ब) मुंडा
(स) नील विद्रोह (द) दक्कन दंगे

10. वह कौन-सा गवर्नर जनरल था, जिसने उच्च बोली लगाने वाले को भू-राजस्व एकत्रित करने के अधिकार देने की प्रथा की शुरुआत की?
(अ) वारेन हेस्टिंग्स
(ब) राबर्ट क्लाइव
(स) लार्ड कार्नवालिस
(द) लार्ड वेवेल

11. किस पुस्तक में नील उत्पादक किसानों की व्यथा का वर्णन किया गया है?
(अ) दीनबंधु (ब) नील दर्पण
(स) नील दर्शन (द) आनंद मठ

12. किस वायसराय के कार्यकाल में रेलवे बोर्ड का गठन हुआ?
(अ) लार्ड डलहौजी (ब) रिपन
(स) कर्जन (द) लिटन

13. पहली सूती मिल कहां स्थापित की गयी?
(अ) सूरत (ब) अहमदाबाद
(स) बंबई (द) कानपुर

14. उपजमींदारी देखी गयी मुख्यतया:
(अ) स्थायी बंदोबस्त क्षेत्र
(ब) रैयतवाड़ी क्षेत्र
(स) देशी रियासतें
(द) महालवाड़ी क्षेत्र

15. मैक्डोनाल्ड आयोग किससे संबंधित था?
(अ) लघु उद्योग
(ब) नील उत्पादकों की समस्यायें
(स) अकाल
(द) दलित वर्ग

16. किस अधिनियम के द्वारा कारखानों में महिलाओं के काम करने के घंटों का निर्धारण किया गया?
(अ) 1881 का प्रथम कारखाना अधिनियम
(ब)1891 का द्वितीय कारखाना अधिनियम
(स)1901 का तृतीय कारखाना अधिनियम
(द) मार्ले-मिंटो सुधार

17. भारत में रैयतवाड़ी व्यवस्था का जनक कौन था?
(अ) टामस मुनरो
(ब) जान शोर
(स) मैक्काटर्नी
(द) एल्फिंस्टन

18. अंग्रेजी शासन के अंतिम दिनों में वह कौन सा राज्य था, जो अकाल से सर्वाधिक प्रभावित हुआ था?
(अ) बिहार (ब) महाराष्ट्र
(स) बंगाल (द) मध्य प्रांत

19. "न ही हम वेदांतवादी हैं, न ही पुराणिक या तांत्रिक हैं, हम सामान्यतया हमें मत छुओ पर विश्वास करते हैं। हमारा धर्म रसोई तक सीमित है। हमारा ईश्वर खाना पकाने के बर्तन हैं तथा हम 'मुझे मत छुओ पर विश्वास करते हैं। मैं धार्मिक हूं।' यह किसका कथन है?
(अ) राजा राममोहन राय
(ब) रामकृष्ण
(स) स्वामी विवेकानंद
(द) स्वामी दयानंद सरस्वती

20. निम्न में से किसने स्वयं को कृष्ण का अवतार बताया?
(अ) मिर्जा गुलाम अहमद
(ब) महमूद-उल-हसन
(स) सर सैयद अहमद खान
(द) कासिम नानोत्वी

21. प्रेम प्रसंग पर लिखी गयी प्रसिद्ध पुस्तक 'हीर रांझा' के लेखक कौन थे?
(अ) इम्तियाज अली ताज
(ब) मिर्जा हाजी रसवा
(स) वारिस शाह
(द) मीर हसन

22. वह निम्न में से कौन सा शिक्षा आयोग था, जिसने शिक्षा को व्यावसायिक बनाने का सुझाव दिया?
(अ) वुड्स डिस्पैच
(ब) हंटर आयोग
(स) रेले आयोग
(द) सैडलर आयोग

23. किस आयोग ने 10+2+3 शिक्षा प्रणाली की अनुशंसा की?
(अ) रेले आयोग
(ब) सैडलर आयोग
(स) हार्टोग समिति
(द) सार्जेंट योजना

24. किस गवर्नर जनरल ने यह निश्चय किया की उसी को सरकारी सेवा में लिया जायेगा, जो अंग्रेजी माध्यम के स्कूल से शिक्षित होगा?
(अ) लार्ड डलहौजी
(ब) लार्ड विलियम बैंटिक
(स) लार्ड हार्डिंग प्रथम
(द) लार्ड लिटन

25. 'जीव ही शिव है'-जीव की सेवा शिव की सेवा है। यह कथन किसने दिया?
(अ) स्वामी विवेकानंद
(ब) रामकृष्ण
(स) स्वामी दयानंद सरस्वती
(द) रामस्वामी नायकर

26. खूंटकट्टी प्रथा थी :
(अ) आदिवासियों का संगठित विद्रोह
(ब) स्थानांतरित कृषि, जिसे झूम के नाम से जाना जाता था
(स) जनजातीय क्षेत्रों में भूमि माप की एक पद्धति
(द) जनजातीय भूमि का साझा स्वामित्व

27. राष्ट्रीय योजना समिति का अध्यक्ष किसे बनाया गया था?
(अ) आसफ अली
(ब) जवाहरलाल नेहरू
(स) तेजबहादुर सप्रू
(द) राजेंद्र प्रसाद

28. निम्न में से किस समाज सुधारक को 'पेरियार' के नाम से भी जाना जाता था?
(अ) ई.वी. रामास्वामी नायकर
(ब) सी.वी. रमन पिल्लई
(स) बी.आर. अंबेडकर
(द) ज्योतिबा फुले

29. निम्न में से कौन मुंशी प्रेमचंद का उपन्यास नहीं है?
(अ) निर्मला (ब) गोदान
(स) रंगभूमि (द) बड़े घर की बेटी

30. 'न्यू लैम्प्स फॉर द ओल्ड' था :
(अ) अरबिंदो घोस द्वारा लिखे गये लेखों का संग्रह
(ब) सुभाषचंद्र बोस द्वारा लिखे गये पत्रों का संग्रह
(स) मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा लिखे गये पत्रों का संग्रह
(द) सूर्यसेन द्वारा गठित एक गुप्त संगठन

31. विनोबा भावे ने भूदान आंदोलन कहां से प्रारंभ किया?
(अ) गुंटूर (ब) मेहसाना
(स) नलगोंडा (द) त्रिपुरी

32. निम्न में से किस स्थान में महात्मा गांधी ने अपना अंतिम उपवास किया?
(अ) बेलियाघाट (ब) नोआखाली
(स) साबरमती (द) दिल्ली

33. 1916 में तिलक ने होमरूल लीग का गठन कहां किया?
(अ) सतारा (ब) पूना
(स) बेलगांव (द) बरार

34. बंगाल का विभाजन किस तिथि को लागू हुआ?
(अ) 16 अक्टूबर (ब) 16 सितंबर
(स) 16 अगस्त (द) 24 अक्टूबर

35. तीन काठिया पद्धति निम्न में से किससे संबंधित थी?
(अ) असम के चाय बागानों से
(ब) चंपारण के नील उत्पादन से
(स) मुंडा आदिवासियों की कृषि पद्धति से
(द) मध्य प्रांत में भू-राजस्व की दर से

36. लाहौर जेल में जतिन दास एवं सहयोगियों के भूख हड़ताल करने का क्या कारण था?
(अ) भगत सिंह एवं उनके साथियों को मृत्युदंड की सजा का विरोध
(ब) साइमन कमीशन का विरोध
(स) जेल की अमानवीय दशायें
(द) नमक पर कर आरोपित करने के विरोध में

37. 'फिलास्फी ऑफ बम्ब' नामक पुस्तक किसने लिखी?
(अ) भगवती चरण बोहरा
(ब) रामप्रसाद बिस्मिल
(स) भगत सिंह
(द) बी.के. दत्त

38. भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पहली समानांतर सरकार कहां गठित की गयी?
(अ) सतारा (ब) बलिया
(स) मिदनापुर (द) चंपारण

39. 1944 में आईएनए के आक्रमण के समय उसका सेनापति कौन था?
(अ) कैप्टन प्रेमकुमार सहगल
(ब) कैप्टन शाहनवाज खान
(स) कैप्टन गुरूबख्श सिंह ढिल्लो
(द) सुभाष चंद्र बोस

40. असहयोग आंदोलन के तहत गिरफ्तार प्रथम नेता कौन थे?
(अ) मोतीलाल नेहरू
(ब) सीआर दास
(स) महात्मा गांधी
(द) हसरत मोहानी

41. 'यदि भगवान अश्पृश्यता को सहन कर लेगा तब भी मैं इस पर विश्वास नहीं करूंगा' यह कथन किसका है?
(अ) बीआर अंबेडकर
(ब) महात्मा गांधी
(स) बालगंगाधर तिलक
(द) रामास्वामी नायकर

42. किस नेता ने रॉलेट एक्ट के विरोध में केंद्रीय विधानसभा से त्यागपत्र दे दिया था?
(अ) सरदार पटेल
(ब) मोतीलाल नेहरू
(स) मो. अली जिन्ना
(द) आसफ अली

43. 'हिंद-हिंदी-हिंदू' का प्रचार किसने किया?
(अ) लाला लाजपत राय
(ब) मदनमोहन मालवीय
(स) श्यामा प्रसाद मुखर्जी
(द) बालगंगाधर तिलक

44. वे एक प्रसिद्ध उद्योगपति थे। उन्होंने कई वर्षों तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वे 1930 में जेल भी गये। इनका नाम था :
(अ) जी.डी. बिरला
(ब) जमनालाल बजाज
(स) जे.आर.डी. टाटा
(द) जी.डी. गोयनका

45. द्वैध शासन की समीक्षा के लिये सरकार द्वारा नियुक्त पहली समिति कौन सी थी?
(अ) साइमन कमीशन
(ब) मुडीमन समिति
(स) बटलर समिति
(द) हार्टोग समिति

46. निम्न में से कौन सा समाचार पत्र मुस्लिम लीग का आधिकारिक पत्र था?
(अ) कौम (ब) इंकलाब
(स) स्टार ऑफ इंडिया
(द) द डॉन

47. वह वायसराय कौन था, जिसकी अंडमान में हत्या कर दी गई थी?
(अ) लार्ड कैनिंग (ब) लार्ड मेयो
(स) लार्ड लिटन (द) लार्ड चेम्सफोर्ड

48. किसे वैलेंटाइन शिरोल ने 'भारतीय अशांति का जनक' कहा?
(अ) अरबिंदो घोष
(ब) बालगंगाधर तिलक
(स) सूर्यसेन
(द) बिपिनचंद्र पाल

49. निम्न में से किसे क्रिमिनल प्रोसीजर कोड बिल के नाम से जाना जाता था?
(अ) इल्बर्ट बिल
(ब) रॉलेट एक्ट
(स) इंडियन काउंसिल एक्ट, 1909
(द) साइमन कमीशन

50. किस वायसराय को भारत में सबसे अधिक स्वतंत्रतापूर्वक कार्य करने का अवसर मिला?
(अ) लार्ड कर्जन
(ब) लार्ड मिंटो
(स) लार्ड वेवेल
(द) लार्ड माउंटबेटन

51. 'अल हिलाल' क्या था?
(अ) टीपू सुल्तान का पुत्र, जिसे कार्नवालिस की कैद में रखा गया था।
(ब) अबुलकलाम आजाद का समाचार-पत्र।
(स) मौलाना मो. अली का समाचार-पत्र।
(द) पंजाब एवं बंगाल का राजनीतिक संगठन।

उत्तर

1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब), 6. (ब), 7. (द), 8. (स), 9. (अ), 10. (अ), 11. (ब), 12. (स), 13. (स), 14. (अ), 15. (स), 16. (ब), 17. (अ) 18. (स), 19. (स), 20. (अ), 21. (स), 22. (ब), 23. (ब), 24. (स), 25. (अ), 26. (द), 27. (ब), 28. (अ), 29. (द), 30. (अ), 31. (स), 32. (द), 33. (स), 34. (अ), 35. (ब), 36. (स), 37. (अ), 38. (ब), 39. (ब), 40. (ब), 41. (स), 42. (स), 43. (अ), 44. (ब), 45. (ब), 46. (स), 47. (ब), 48. (ब), 49. (अ), 50. (द), 51. (ब)।

- डॉ. जीवन एस. रजक
(लेखक : "संयुक्त कलेक्टर" दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन, पुस्तक के लेखक

स्वतंत्रता संग्राम में मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों का योगदान

जनजातीय समाज स्वतंत्रता प्रिय समाज है। वह पराधीनता स्वीकार नहीं करता इसीलिए वनों और पर्वतों में रहने वाले वनवासियों ने अंग्रेजों सहित प्रत्येक आततायी और आक्रमणकारी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष की शुरुआत की। अपनी माटी के प्रति समर्पित इन जनजातियों के इसी संघर्ष को आगे चलकर संपूर्ण राष्ट्र ने स्वीकारा और स्वतंत्रता संग्राम का स्वरूप लिया। भारत में 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिवस जनजातीय समाज, संस्कृति और देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धा बिरसा मुण्डा की जन्म जयंती अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर जनजातीय वीरों का पुण्य स्मरण और जनजातीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा से परिचित किया जाता है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रस्तुत है मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय नायकों की शौर्य गाथा।

स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय वीरों के बलिदान की लम्बी श्रृंखला है। स्वाभिमानी जनजातियों ने आरंभ से ही विदेशी हुकूमत को नकार दिया था। 1857 क्रांति की चिंगारी जब उत्तर भारत होती हुई मध्य भारत पहुंची तो यहां मालवा-निमाड़ के भील-भिलाला जनजातीय नायकों ने मोर्चा थामा, वहीं गोंडवाना के गोंड राजा शंकरशाह और उनके पुत्र रघुनाथशाह ने जबलपुर में युद्ध का नेतृत्व किया।

1857 की क्रांति में बलिदान देने वाले वीर राजा शंकर शाह गोंड़वाना साम्राज्य के राजा थे। उनके पुत्र रघुनाथ शाह गढ़ा मंडला और जबलपुर के गौंड राजवंश के प्रतापी राजा संग्राम शाह के वंशज थे। इस राजवंश की कई पीढ़ियों ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर किये। राजा संग्राम शाह के बड़े पुत्र दलपत शाह थे जिनकी पत्नी रानी दुर्गावती और पुत्र वीर नारायण ने अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए अकबर की सेना से युद्ध कर अपना बलिदान दिया।

इसके पश्चात रानी दुर्गावती के देवर, राजा दलपत के छोटे भाई चंदा नरेश, चंद्र शाह को राजा बनाया गया। इन्हीं चंद्र शाह की 11वीं पीढ़ी में अमर शहीद शंकर शाह ने जन्म लिया। जब 1857 में क्रांति की ज्वाला सम्पूर्ण भारत में धधक रही थी, तब अपनी मातृभूमि को अंग्रेजों से स्वतंत्र कराने के लिए उन्होंने युद्ध की घोषणा की। युद्ध में शामिल होने और राष्ट्रभक्ति भावपूर्ण कविता लिखने पर अंग्रेजों ने उन्हें 18 सितम्बर, 1857 को तोप से उड़ा दिया। पिता-पुत्र ने गोंडवाना राजवंश की बलिदानी परंपरा को आगे बढ़ाया। इस तरह गौंड वंश के राजा शंकरशाह और रघुनाथशाह ने देश के लिये अपना बलिदान दिया।

मालवा-निमाड़ के भील-भिलाला नायकों में टंट्या भील, भीमा नायक, खाज्या नायक, सीताराम कंवर और रघुनाथ सिंह मंडलोई ने लम्बा संघर्ष किया। क्रांति नायकों के साथ बारूद के श्यामसिंह, अकबरपुर के रेउला नायक, मकरोनी परगना के कल्लू बाबा, नाना जगताप, दौलतसिंह, टिक्का सिंह, परगना सिकंदर खेरा के निहालसिंह के अतिरिक्त फौजी टीकाराम जमादार और जवाहर सिंह ने मिलकर स्वतंत्रता संग्राम का अनोखा इतिहास रचा।

1857 की क्रांति को अंग्रेजों द्वारा कुचल देने के बाद भी जनजातियों ने 1866 तक युद्ध किया। इस संघर्ष में अनेक जनजाति योद्धा शहीद हुए। कईयों को कालापानी की सजा हुई और कईयों को फांसी पर लटका दिया गया। इन रणबांकुरों की वीर गाथा, इतिहास में अजर-अमर है।

मालवा-निमाड़ में जनजातीय नायक जनयोद्धा टंट्या भील एक ऐसा व्यक्तित्व था जिसने अभाव और अशिक्षा से जूझते हुए आंदोलन छेड़ा। अंग्रेजों के शोषण और अन्याय के विरुद्ध टंट्या भील ने लगभग 11 वर्षों तक संघर्ष किया। वह शोषकों का दुश्मन और शोषितों का साथी-सहारा था। अपने समाज के प्रति टंट्या का जुड़ाव इतना गहरा था कि आज भी इस इलाके का हर बच्चा टंट्या को मामा के नाम से पुकारता है।

निमाड़ के अमर वीर भीमा नायक एक ऐसे भील नायक थे, जिन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को हिलाकर रख दिया था। भीमा नायक को सीधे पकड़ने में असफल होने पर अंग्रेजों ने षडयंत्र रचा, 2 अप्रैल, 1867 को गद्दार की सूचना पर घने जंगल में सोते हुए कैद कर लिया। भीलों के स्वतंत्रता प्रिय स्वाभिमान को बनाये रखने वाले इस जननायक ने अंतिम क्षणों तक कोई समझौता नहीं किया। बड़वानी के खाज्या नायक निमाड़ के सेंधवा घाट के नायक थे। उन्होंने अंग्रेजी राज को नकारते हुए नौकरी छोड़ दी और बड़वानी क्षेत्र में भीलों के स्वतंत्रता संग्राम की कमान संभाली। लगातार संघर्ष किया और फांसी पर चढ़ गये।

भील नायकों के बाद भिलाला नायकों ने मोर्चा संभाला। जिसमें सीताराम कंवर और रघुनाथ सिंह मंडलोई भिलाला जनजाति के नायक थे। उन्होंने 1857 के युद्ध में अंग्रेजों के विरुद्ध निमाड़ क्षेत्र में आवाज उठाई। शोषण के खिलाफ मोर्चा लिया और अंग्रेजों से युद्ध करते हुए प्राणों को न्यौछावर किया।

छिंदवाड़ा से जनजाति हुंकार

स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय वीरों के बलिदान का एक अध्याय है छिंदवाड़ा जिले के भोई जनजाति के अमर वीर। 1923 में जब देश में स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था, तब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से प्रेरित होकर छिंदवाड़ा के जनजातीय नायक बादल भोई अपने साथियों के साथ स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गये। बादल भोई ने 1923 में तामिया तहसील में सभा का आयोजन किया उनके जोशीले भाषण से प्रेरित होकर जनजाति समाज के लोग स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गये। उनके नेतृत्व में हजारों जनजाति वीरों ने युद्ध किया। इन क्रांतिकारियों में बादल भोई के साथ सहरा भोई, अमरू भोई, इमरत भोई, लोटिया भोई, टापरू भोई, झंका भोई आदि जनजाति नायकों ने अपना बलिदान दिया।

टुरिया जंगल सत्याग्रह

स्वतंत्रता आन्दोलन के अगले चरण में जब देशभर में गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग आन्दोलन चला तब जनजातियों ने अपने-अपने क्षेत्र में अंग्रेजों के प्रति असहयोग दर्ज किया।

आन्दोलन के इस दौर में सिवनी जिले का विशिष्ट योगदान रहा है। यहां की जनजातियों ने जंगल सत्याग्रह में अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित की। टुरिया गांव सिवनी नागपुर राजमार्ग पर सिवनी से 28 मील दूर खवासा ग्राम से दाहिनी तरफ 5 मील दूरी पर स्थित है। इस वन ग्राम द्वारा नियत समय अनुसार 9 अक्टूबर, 1930 को "चंदन बगीचा" में घाँस काटकर सत्याग्रह आरम्भ किया जाना तय हुआ।

सत्याग्रह की सूचना टुरिया ग्राम के ही सत्याग्रही अग्रणी श्री मूका ने अंग्रेजी शासन को नोटिस देकर दिया कि वो 9 अक्टूबर को टुरिया के निकट जंगल में घाँस काटकर सत्याग्रह करेंगे। इस सूचना से तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर (कलेक्टर) सीमेन भड़क उठा और 'टीच देम ए लेसन' का आदेश देकर पुलिस को लाव-लश्कर के साथ टुरिया भेज दिया। सत्याग्रह के पूर्व श्री रामप्रसाद तथा श्री मूका ने जोश भरे भाषण से अपने साथियों को प्रोत्साहित किया। इस अभियान में लगभग 500 व्यक्ति शामिल थे। पुलिस ने जोर जबरदस्ती रोकने का प्रयास किया सत्याग्रही भला कब रुकने वाले थे। आन्दोलनकारियों ने घाँस काटी उपस्थित जनसमुदाय ने श्री मूका का अभिनन्दन किया। पुलिस सब इन्स्पेक्टर सदरउद्दीन व रेंजर मेहता पूरी तैयारी में थे उन्होंने सत्याग्रह आरम्भ होते ही मूका को गिरफ्तार कर लिया। इस पर जन समूह में आक्रोश उत्पन्न हुआ ग्रामवासियों की उत्तेजना के विरोध में अंग्रेजी शासन के आदेशानुसार पुलिस गोलियां बरसाने लगी। ग्रामवासियों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। हाहाकार मच गया। अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता भोले-भाले ग्रामवासियों पर बरस रही थी। घटना स्थल पर ही गुड्डेबाई साकिन खामरीठ, रेनीबाई साकिन खम्बा, देबोबाई साकिन भीलता और विरजू भाई साकिन मरझोड़ शहीद हो गये।

- रुचि दीक्षित
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

राज्यस्तरीय मीडिया अनुप्रमाणन समिति द्वारा 542 विज्ञापन अनुप्रमाणित किये गये

भोपाल, विधानसभा निर्वाचन-2023 में राजनैतिक दलों को विज्ञापन एवं अन्य प्रचार सामग्री को अनुप्रमाणित कराना अनिवार्य है। इस कार्य के लिये मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में राज्यस्तरीय मीडिया अनुप्रमाणन समिति गठित की गई है।

इस समिति द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक राजनैतिक दलों द्वारा विज्ञापनों एवं अन्य प्रचार सामग्रियों के अनुप्रमाणन के लिये आवेदन किये जाने पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर अनुप्रमाणन दिया जा रहा है।

समिति द्वारा 11 अक्टूबर से 8 नवम्बर तक कुल 542 विज्ञापन अनुप्रमाणित किये गये हैं।

बिरसा मुंडा जयंती और जनजातीय गौरव दिवस - 15 नवम्बर

बिरसा मुंडा : जल, जंगल, जमीन के रक्षक और प्रेरक

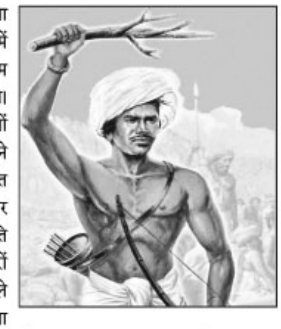

वीर शहीद बिरसा मुण्डा 19वीं सदी में हुए स्वतंत्रता संग्राम के जनजाति नायक थे। बिरसा मुण्डा गरीबों के मसीहा थे, उन्होंने शोषित और वंचित वर्ग के लिए जीवन भर संघर्ष किया। जनजाति समाज के अधिकारों की रक्षा करने वाले और देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले बिरसा मुंडा की जन्मतिथि को देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे जनजातियों के गौरव और देश के रक्षक थे। वे एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने जल, जंगल, जमीन और देश रक्षा के लिए वर्षों संघर्ष किया। जनजातियों के अधिकारों के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जनजाति लोग उन्हें प्यार और श्रद्धा के साथ बिरसा भगवान के रूप में नमन करते हैं। जनजाति समाज को नई दिशा देने वाले बिरसा मुंडा का जन्म रांची जिले के उलीहातू गांव में 15 नवम्बर, 1875 में हुआ था। पिता सुगना मुंडा और माता करमी ने गांव-गांव मजदूरी करके अपना जीवन यापन किया। बिरसा का बचपन एक आम वनवासी बालक की तरह कभी धूल में लौटकर, तो कभी वनों में पशु चराते हुए बीता।

बिरसा में शक्ति और क्षमता बचपन से ही दिखाई देने लगी थी। जब वे बांसुरी बजाते तो पशु-पक्षी उसकी धुन में मग्न होकर नृत्य करने लगते थे। बिरसा स्वयं जब झूम-झूम कर वनवासी नृत्य करते तो ऐसा लगता मानो कोई लौकिक आकृति मंगल उत्सव मना रही है। बिरसा को उनके मामा के यहां अयुभातु पढ़ने के लिए भेजा गया। जहां उन्हें प्रारंभिक शिक्षा जयपाल अध्यापक द्वारा दी गई। चूंकि जयपाल जी की पाठशाला शासकीय मान्यता प्राप्त नहीं थी इसलिए उन्हें बुर्ज की जर्मन मिशन पाठशाला में दाखिल किया गया। बिरसा ने आगे की पढ़ाई चाईबासा के लूथर मिशन में की। बस यहीं से बिरसा के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया। उन्होंने स्कूल शिक्षा के समय ही 1886 से 1890 के बीच यह जान लिया कि स्कूल शिक्षा की आड़ में जनजातियों को विशेष प्रभाव में लाकर शोषण का सिलसिला चल रहा है।

बिरसा इस संकट को समझ गए और समाज रक्षा का संकल्प लेकर गांव लौट गए। 1891 में चाईबासा से लौटने के बाद बिरसा गांव आ गए और लोगों को शोषण के विरुद्ध उठ खड़ा होने के लिए चेताने लगे। देखते ही देखते एक जन आंदोलन खड़ा हो गया। बिरसा ने मुंडा युवकों का एक संगठन बनाया। सामाजिक सुधारों के साथ-साथ राजनैतिक शोषण के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया। बिरसा ने आह्वान किया कि अंग्रेज शासन और गोरे विदेशी सब मिलकर हमें भ्रष्ट करना चाहते हैं। दोनों की टोपियां एक हैं, दोनों के लक्ष्य एक हैं, वे हमें और हमारे देश को गुलाम ही रखना चाहते हैं। बिरसा ने अपनी स्वतंत्रता के लिए नारा दिया 'अबुआ दिशोम अबुआ राज' 'अपना देश अपनी माटी' के बिरसा के इस घोष से जनजाति युवक जाग उठे। बिरसा के द्वारा चलाए जा रहे अभियान से चकलद ग्राम एक आश्रम, एक आरोग्य निकेतन और एक क्रांति का गढ़ बन गया।

बिरसा की चमत्कारी शक्ति और सेवा की भावना के कारण वनवासी जन उन्हें भगवान का अवतार मानने लगे। वे उन्हें धरती आबा कहकर पुकारते थे। उसी समय एक घटना और घटी तभी वर्ष 1893-94 में सिंहभूम, मानभूम, पालामऊ और अन्य क्षेत्रों में खाली पड़ी भूमि को अंग्रेज सरकार ने भारतीय वन अधिनियम के तहत आरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया। इसके अंतर्गत वनवासियों के अधिकारों को कम कर दिया गया। जंगलों पर सरकारी कब्जा कर लिया गया। बिरसा के नेतृत्व में वनवासियों ने याचिका दायर कर अपने अधिकारों की मांग की।

बिरसा ने लोगों को यह भी एहसास दिलाया कि किसानों का शोषण करने वाली कृषि व्यवस्था के विरोध में आवाज उठानी चाहिए। वनांचल के प्राकृतिक अधिकारों और लगान माफी के लिए बिरसा के साथ वनवासियों ने संघर्ष शुरू कर दिया। अपने अधिकारों के लिए वनवासियों को उठ खड़ा करने के अपराध में अंग्रेजों ने बिरसा को गिरफ्तार करके हजारी बाग जेल में डाल दिया। दो वर्ष बाद बिरसा ने जेल से बाहर आते ही दिसम्बर 1899 को आन्दोलन शुरू कर दिया। बिरसा ने जनजातियों के अधिकारों के लिए महासंग्राम छेड़ दिया और इसका नाम दिया उलगुलान क्रांति। पांच हजार जनजातीय वीरों ने बिरसा के साथ तीर कमान उठा लिए और रांची से लेकर चाईबासा तक पुलिस चौकियों को घेर लिया और सीधा मुकाबला शुरू हो गया।

अंग्रेज संख्या बल में अधिक थे और हथियारों से समृद्ध। जबकि क्रांतिकारियों की संख्या भी कम थी और हथियार के रूप में मात्र तीर कमान थे। बिरसा को सीधे न पकड़ पाने की स्थिति में अंग्रेजों ने छल-बल का सहारा लिया दो गद्दारों को अपने साथ मिलाकर 3 जनवरी, 1900 को चक्रधर के जंगल में बिरसा को गिरफ्तार कर लिया। रांची जेल में 9 जून, 1900 को इस महान जनजाति जनयोद्धा की रहस्यमय ढंग से मृत्यु हो गयी।

बिरसा के आह्वान और उलगुलान के संदेश से अंग्रेज भयभीत हो गए थे। यही वजह है कि उन्होंने जमीन अधिग्रहण और नई जमींदारी रोकने के लिए छोटा नागपुर टेनेंसी कानून पारित किया। वनवासियों के अधिकारों को बहाल किया। यह बिरसा की ही चेतना थी कि अंग्रेजों को देश निकाला करने का मार्ग आगे बढ़ा। अपनी संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा करते हुए वे सचमुच धरती के देवता बन गए।

- देवेन्द्र गौरे
(लेखक- समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

सुनील नारायण ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

त्रिनिदाद, वेस्टइंडीज के अनुभवी स्पिनर सुनील नारायण ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट

से संन्यास ले लिया है। सुनील ने सोशल मीडिया के जरिए संन्यास लेने की जानकारी दी। सुनील ने कहा है कि वे फ्रैंचाइज क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। सुनील नारायण लंबे समय से वेस्टइंडीज की राष्ट्रीय टीम से बाहर थे। उन्होंने आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच अगस्त 2019 में भारत के खिलाफ खेला था। सुनील ने वेस्टइंडीज के लिए 6 टेस्ट, 65 वन-डे और 51 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। सुनील ने अपने कॅरियर में 21 टेस्ट, 92 वन-डे और 52 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय विकेट लिए हैं। सुनील वर्ष 2012 में ट्वेंटी-20 विश्वकप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम के सदस्य थे।

आईसीसी क्रिकेट विश्वकप-2023

विराट ने की सचिन के शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी

कोलकाता, भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी क्रिकेट विश्वकप में शानदार बल्लेबाजी का सिलसिला जारी रखते हुए सचिन तेंदुलकर के वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 49 शतक बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए ग्रुप मुकाबले में अपने वन-डे कॅरियर का 49वां शतक बनाया। विराट की इस बेहतरीन पारी के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हराया।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बटोरे। रोहित ने 24 गेंदों में 40 रन बनाये, वहीं रोहित के साथी सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 23 रन ही बना सके। इसके बाद विराट कोहली और श्रेयस अय्यर ने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर संभलकर बल्लेबाजी की और तीसरे विकेट के लिए 134 रन जोड़े। अय्यर ने 77 रन बनाये वहीं कोहली ने 121 गेंदों में 101 रन बनाये। अपनी नाबाद पारी के दौरान कोहली ने 10 चौके भी जमाए। अंतिम ओवरों में सूर्यकुमार यादव (22) और रवींद्र जडेजा की अच्छी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 50 ओवरों में 326 रन बनाये।

- **सचिन तेंदुलकर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक बनाये हैं।**
- **सचिन के बाद विराट के नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में (79) शतक हैं।**
- **विराट ने वन-डे में 49, टेस्ट में 29 और ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक शतक बनाया है।**
- **रवींद्र जडेजा वन-डे विश्वकप में एक मैच में 5 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय स्पिनर बने।**

भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका की तरह दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम को भी झंझकोर दिया। इस विश्वकप में बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज इस मैच में रनों के लिए तरसते नजर आये। विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्विंटन डिकॉक इस मैच में पारी के दूसरे ओवर में सिराज की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने घातक गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। जडेजा के अलावा कुलदीप और मोहम्मद शमी ने 2-2 तथा मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम 27.1 ओवरों में 83 बनाकर ऑल आउट हो गई।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए बुमराह नॉमिनेट

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अक्टूबर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नॉमिनेट किया है। आईसीसी ने बुमराह के अलावा दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र को भी नॉमिनेट किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने भारत में खेले जा रहे आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप में शानदार प्रदर्शन किया है। इसके अलावा आईसीसी ने महिला वर्ग में वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज, बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और न्यूजीलैंड की एमिलिया केर को महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए शॉर्टलिस्ट किया है।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती साओ पाउलो ग्रां प्री रेस

साओ पाउलो, रेडबुल के रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने साओ पाउलो ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस जीत ली है। इस सत्र में वर्स्टापेन की यह 20 रेसों में 17वीं जीत है। वर्स्टापेन ने 71 लैप की साओ पाउलो ग्रां प्री रेस को एक घंटा 56 मिनट 48.89 सेकेंड में पूरी की। रेस में लेंडो नॉरिस ने दूसरा स्थान हासिल किया जबकि फर्नांडो अलोंसो तीसरे, सर्जियो पेरेज चौथे और लांस स्ट्रॉल पांचवें स्थान पर रहे। इस सत्र में वर्स्टापेन का प्रदर्शन बेहद लाजवाब रहा है। वर्स्टापेन ड्राइवर चैम्पियनशिप में 524 अंक लेकर सबसे आगे हैं, उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी सर्जियो पेरेज (258) उनसे काफी पीछे हैं।

नोवाक जोकोविच ने सातवीं बार जीता पेरिस मास्टर्स खिताब

- **नोवाक जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा सात बार पेरिस मास्टर्स खिताब जीतने का रिकॉर्ड है।**
- **जोकोविच के टेनिस कॅरियर का यह 40वां एटीपी मास्टर्स-1000 खिताब है।**

पेरिस, विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में जोकोविच ने बुल्गारिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव को आसान मुकाबले में 6-4, 6-3 से हराया।

पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जोकोविच ने रूस के आंद्रे रूबलेव को हराया, वहीं दिमित्रोव ने स्टेफानोस सितसिपास को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। दिमित्रोव फाइनल में अपनी लय बरकरार नहीं रख पाये। पहले सेट में दिमित्रोव ने जोकोविच को टक्कर देने की कोशिश की, लेकिन जोकोविच ने अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए दिमित्रोव को 6-4 से हरा दिया।

दूसरे सेट में जोकोविच ने दिमित्रोव को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और तेजतर्रार खेल दिखाते हुए दिमित्रोव को आसानी से 6-3 से हराकर मैच और खिताब दोनों अपने नाम किया।

नेपाल और ओमान ने बनाई टी-20 विश्वकप में जगह

काठमांडू, नेपाल और ओमान ने अगले वर्ष आयोजित होने वाले आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में जगह बना ली है। नेपाल और ओमान ने ट्वेंटी-20 विश्वकप एशिया क्वालिफायर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर विश्वकप के लिए क्वालिफाई किया। फाइनल में ओमान ने नेपाल को सुपर ओवर में हराया। मैच में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 184 रन बनाये। इसके जवाब में ओमान की टीम भी 184 रन ही बना सकी। इसके बाद विजेता का फैसला सुपर ओवर से हुआ। सुपर ओवर में ओमान ने नेपाल को मात दी। उल्लेखनीय है कि आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप-2024 में 20 टीमें हिस्सा लेंगी, इनमें से 18 टीमें तय हो गई हैं वहीं दो टीमें अफ्रीका क्वालिफायर के जरिए चुनी जायेंगी। यह विश्वकप 4 से 30 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा।

भारत ने जीती महिला एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी

रांची, भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत दर्ज की है। भारतीय महिला टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में जापान को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस तरह भारत ने दूसरी बार महिला एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है।

भारतीय महिला टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में भारतीय टीम का दबदबा रहा। मैच का पहला गोल 17वें मिनट में संगीता कुमारी ने किया। इसके बाद नेहा (46वां मिनट) ने गोल कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। मैच में पिछड़ने के बाद जापानी टीम ने आक्रामक खेल दिखाया लेकिन वे भारत की मजबूत रक्षा पंक्ति को भेद नहीं सकीं। मैच के अंतिम क्षणों में लालरेमसियामी (57वां मिनट) और वंदना कटारिया (60वां मिनट) ने गोल कर भारत की जीत सुनिश्चत कर दी।

भारतीय महिला टीम की खिताबी जीत से उत्साहित हॉकी इंडिया ने इनाम की घोषणा की है। हॉकी इंडिया ने ट्वीट किया कि भारतीय महिला टीम की प्रत्येक सदस्य को 3-3लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। वहीं सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5-1.5 लाख रुपये इनाम के रूप में दिये जायेंगे।

- **टूर्नामेंट में चीन ने दक्षिण कोरिया को हराकर हासिल किया तीसरा स्थान।**
- **भारत ने वर्ष 2016 में भी जीती है महिला एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी।**

सुल्तान जोहोर कप

भारतीय जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

जोहोर बारू, भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने मलेशिया में आयोजित सुल्तान जोहोर कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। भारतीय टीम ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पेनाल्टी शूटआउट में 6-5 से हराया। भारतीय टीम की जीत के हीरो गोलकीपर एच.एस. मोहित रहे। मोहित ने पेनाल्टी शूटआउट में दो गोल बचाए।

कांस्य पदक के लिए भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच में पहली सफलता भारत को मिली। भारत के अरूण साहनी ने 11वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद पूवन्ना सीबी (42वें मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (42वें मिनट) में भारत के लिए गोल किए। पाकिस्तान के लिए

- **भारत और ग्रेट ब्रिटेन ने 3-3 बार जीता है सुल्तान ऑफ जोहोर कप टूर्नामेंट।**
- **जर्मनी ने दूसरी बार जीता यह खिताब, ऑस्ट्रेलिया भी दो बार बना है चैम्पियन।**
- **टूर्नामेंट में भारत के अमनदीप लाकड़ा ने किए सबसे ज्यादा 6 गोल।**

सुफियान खान, अब्दुल कय्यूम और शाहिद हन्नान ने गोल किए। मैच में अंतिम समय तक स्कोर 3-3 रहने के बाद विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में पांच मौके बाद भी दोनों टीमें 4-4 की बराबरी पर थीं। सडन डेथ में भारत के लिए अंगद सिंह ने गोल किया, जबकि भारतीय गोलकीपर मोहित ने शाहिद का गोल रोक कर भारत की जीत पक्की की।

जर्मनी बना चैम्पियन

सुल्तान जोहोर कप का खिताब जर्मनी ने जीता। जर्मनी ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को पेनाल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया। मैच में निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इसके बाद विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। शूटआउट में जर्मनी के लिए फ्लोरियन स्परलिंग, माइकल स्टरथऑफ और माटेओ पॉलीजेरिक ने गोल किए, वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रेग मराइस ही गोल कर सके।

पोलैंड की ईगा स्वितेक ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब

कैन्कुन, पोलैंड की युवा महिला टेनिस खिलाड़ी ईगा स्वितेक ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब अपने नाम किया है। इस वर्ष टेनिस में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहीं ईगा ने टूर्नामेंट के फाइनल में अमेरिका की अनुभवी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 6-1, 6-0 के बड़े अंतर से हराकर खिताब जीता।

टूर्नामेंट की शुरुआत से ही ईगा स्वितेक को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। फाइनल में भी ईगा ने आक्रामक खेल दिखाया और जेसिका को पहले सेट में ही दबाव में ला दिया। जेसिका पहले सेट में सिर्फ एक अंक अर्जित कर सकीं। दूसरे सेट में ईगा पूरी तरह हावी नजर आईं। जेसिका ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की, लेकिन ईगा के तेजतर्रार शॉट को रोक पाने

में विफल रहीं। दूसरे सेट में जेसिका का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। इस सेट में ईगा ने जेसिका को एक भी अंक प्राप्त करने नहीं दिया और 6-0 से सेट अपने नाम किया।

- **ईगा स्वितेक ने पहली बार जीता है डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब।**
- **ये स्वितेक के टेनिस कॅरियर का छठवां डब्ल्यूटीए खिताब है।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अचानक लाल हुआ बुल्गारिया का आकाश

पहली बार बाल्कन देश बुल्गारिया के आसमान में अरोरा बोरेयेलिस की घटना घटी, जिसे उत्तरी रोशनी के नाम से भी जाना जाता है। इसके चलते बुल्गारिया का आसमान लाल रंग में रंग गया। इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। लोग इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ लोग इसे डरावना और विनाशकारी बता रहे हैं तो कुछ इस प्राकृतिक घटना की सुंदरता पर मोहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये अरोरा बोरेयेलिस की घटना बुल्गारिया के साथ ही रोमानिया, हंगरी, चेक रिपब्लिक और यूक्रेन के आसमान में भी दिखाई दी।

कोल्ड वॉर ट्रीटी सस्पेंड

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) ने शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ के साथ की गई कोल्ड वॉर सिक्योरिटी ट्रीटी को सस्पेंड कर दिया है। नाटो ने यह फैसला दो वजह से किया। पहला रूस ने इस ट्रीटी से अलग होने का ऐलान किया। दूसरा अमेरिका और उसके सहयोगी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद दे रहे थे। इस ट्रीटी को मूल रूप से 'कन्वेंशनल आर्म्ड फोर्स इन यूरोप' कहा जाता है। इसमें आर्म्स कंट्रोल, ट्रांसपेरेंसी और रूल बेस्ड इंटरनेशनल लॉ फॉलो करना शामिल हैं। कोल्ड वॉर एरा यानी शीत युद्ध के दौरान और उसके बाद कई तरह के समझौते हुए थे। जिस सिक्योरिटी ट्रीटी को ऑफिशियली रूस और नाटो ने एक ही दिन में सस्पेंड किया है, वह 1990 में साइन की गई थी और नाटो के सभी 31 मेंबर भी इस ट्रीटी का हिस्सा थे।

हमास-इजराइल में संघर्ष जारी

इजराइल और हमास के बीच करीब एक माह से जारी जंग में लगभग 10 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बावजूद इसके यह संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा। इस बीच अमेरिकी सीआई निदेशक विलियम जे बर्न्स इजराइल के नेताओं और खुफिया अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए इजराइल पहुंचे। बर्न्स ने ऐसे समय में तेल अबीब का दौरा किया जब अमेरिका हमास के साथ मुकाबला करने में इजराइल के साथ डटकर खड़ा है। गौरतलब है कि अमेरिका अपनी खुफिया जानकारी इजराइल के साथ साझा करना चाहता है, जो हमास द्वारा बनाए गए बंधकों को छुड़ाने और आतंकी समूह से मुकाबला करने में मददगार होगी।

अपनी प्रतिबद्धता मजबूत करने की योजना

बर्न्स की यात्रा के बारे में जानकारी रखने वाले एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि उन्होंने क्षेत्र में भागीदारों के साथ खुफिया सहयोग के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की योजना बनाई है। गाजा की स्थिति, बंधकों को छुड़ाने के लिए चल रही वार्ता और हमास के साथ युद्ध को रोकने के महत्व पर चर्चा के लिए सीआईए निदेशक बर्न्स कई मध्य पूर्वी देशों की यात्रा करेंगे।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राष्ट्रपति नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के समापन सत्र में हुईं शामिल

उन खाद्य पदार्थों से दूरी बनाने की आवश्यकता जो जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाते हैं - राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) 2023 के समापन सत्र में मुख्य रूप से उपस्थित हुईं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने वर्ल्ड फूड इंडिया के दूसरे संस्करण के आयोजन के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया को भारत की समृद्ध खाद्य संस्कृति से विश्व को परिचित कराने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। यह इस क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक बेहतर मंच सिद्ध होगा, जिससे इस क्षेत्र को बड़े घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ बेहतर ढंग से जुड़ने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम के समापन सत्र को किया संबोधित

व्यापक अवसर होंगे उपलब्ध

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया में भारत को विश्व का खाद्य आपूर्तिकर्ता बनाने में सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह आयोजन कृषि और खाद्य वस्तुओं के लिए एक सोर्सिंग केंद्र के रूप में भारत की क्षमता का प्रदर्शन करने वाला आदर्श मंच है। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि निवेशक समुदाय को हमारे खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों में व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे।

पर्यावरण सुरक्षा पर कराया ध्यान इंगित

अंत में राष्ट्रपति ने कहा कि हम जो खाते हैं उसकी पर्यावरणीय लागत की ओर इशारा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि अब वह समय आ गया है जब हमें अपना खान-पान का इस तरह चयन करना होगा, जिससे प्रकृति को किसी भी तरह का नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि हमें उन खाद्य पदार्थों से दूरी बनाने के लिए सचेत निर्णय लेने की जरूरत है, जो जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाते हैं। हमें उन खाद्य पदार्थों की ओर जाना चाहिए जो न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए, बल्कि हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छे हों।

संस्कृतियों में हुई घनिष्ठता

राष्ट्रपति ने कहा कि भोजन प्रत्येक मनुष्य के लिए एक परिभाषित विशेषता है। चारागाह से कृषि और कच्चे भोजन से पके भोजन की ओर हुआ परिवर्तन ही सभ्यता की शुरुआत थी। भोजन निश्चित रूप से किसी भी संस्कृति की आधारशिला रहा है। इसके अलावा, भोजन अजनबियों में भी एक बंधन स्थापित करता है। उसी तरह भोजन के कारण ही ऐतिहासिक रूप से विभिन्न संस्कृतियों में घनिष्ठता हुई है।

भोजन मूलभूत आवश्यकता

राष्ट्रपति ने कहा कि भोजन प्रत्येक मनुष्य के लिए जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। यह सुनकर दुःख होता है कि विश्व में लोग बड़ी संख्या में भूखे पेट सोते हैं। यह मानव जाति द्वारा अर्जित बड़ी आर्थिक और तकनीकी प्रगति के लिए उचित नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बड़े पैमाने पर हो रही भुखमरी का मुख्य कारण खाद्यान्न उत्पादन की कमी नहीं, बल्कि उसके ठीक वितरण की कमी है।

प्रशासन का नरगिस को बिना हिजाब के अस्पताल ले जाने से इंकार

नोबेल पुरस्कार विजेता की ईरान के जेल में भूख हड़ताल

ईरान की जेल में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। दरअसल नरगिस मोहम्मदी की तबीयत खराब है और ईरान के जेल प्रशासन ने नरगिस को बिना हिजाब के अस्पताल ले जाने से मना कर दिया है। इसके विरोध में नरगिस ने जेल में ही भूख हड़ताल शुरू कर दी है। ईरान में महिला अधिकारों के लिए लड़ने के लिए नरगिस मोहम्मदी को इसी साल शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

इसलिये मोहम्मदी ने शुरू की हड़ताल

एक बयान में बताया गया है कि नरगिस दो कारणों से विरोध कर रही हैं। पहली ईरान सरकार द्वारा बीमार कैदी को इलाज की सुविधा नहीं देने के खिलाफ और दूसरी ईरानी महिलाओं को अनिवार्य रूप से हिजाब पहनने के खिलाफ। नरगिस मोहम्मदी के परिवार ने बताया है कि उनकी तीन नसों में ब्लॉकेज है और फेफड़ों में भी समस्या है लेकिन जेल अधिकारियों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने से इनकार कर दिया है क्योंकि उन्होंने हिजाब नहीं पहना। परिवार ने बताया कि नरगिस मोहम्मदी सिर्फ पानी, शुगर और नमक ले रही हैं और उन्होंने अपनी दवाइयाँ भी लेनी बंद कर दी हैं।

12 साल से जेल में बंद हैं नरगिस

नोबेल समिति ने भी ईरान की सरकार से अपील की है कि वह नरगिस को जरूरी चिकित्सा सुविधा मुहैया कराए। महिला कैदियों को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए हिजाब की अनिवार्यता ना सिर्फ अमानवीय है बल्कि नैतिक तौर पर भी स्वीकार्य नहीं है। मोहम्मदी विभिन्न आरोपों में 12 साल से जेल की सजा काट रही हैं। मोहम्मदी पर ईरान की सरकार के खिलाफ भ्रामक प्रचार करने का भी आरोप है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज की रिपोर्ट

अमेरिका के पांच मुख्य राज्यों में बाइडेन से आगे डोनाल्ड ट्रम्प

अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति पद चुनाव के लिए सभी उम्मीदवार अपने प्रचार में जुट गए हैं। इस बीच, द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज का एक नया सर्वे आया है, जिससे पता चलता है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पांच प्रमुख राज्यों में राष्ट्रपति बाइडेन से आगे हैं।

किस राज्य में कितना समर्थन

राज्य	ट्रंप को समर्थन	बाइडेन को समर्थन
नेवादा	52%	41%
जॉर्जिया	49%	43%
एरिजोना	49%	44 %
मिशिगन	48%	43%
पेन्सिलवेनिया	48%	44%

इस राज्य में बाइडेन आगे

एक ऐसा भी राज्य है, जहां बाइडेन ने ट्रंप को पीछे छोड़ दिया है। सर्वे के अनुसार, विस्कॉन्सिन में बाइडेन ने ट्रंप को फिलहाल पीछे छोड़ दिया है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति को 47% लोगों का, जबकि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को 45% का समर्थन मिला है। बाइडेन के प्रचार अभियान के प्रवक्ता केविन मुनोज का कहना है कि अभी की गई भविष्यवाणी अगले साल तक बदल जाएंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन का प्रचार अभियान विजयी मतदाताओं के गठबंधन तक पहुंचने और उन्हें जुटाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। हम अगले साल होने वाले चुनाव के बारे में चिंता नहीं करेंगे बल्कि दिन-रात काम करके जीत दर्ज करेंगे।

नौसेना का मॉरिशस में रिफ्रेशर कैंप की शुरू

भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो यानी मार्कोस और गोताखोरों ने मॉरिशस पुलिस के लिए यहां विशेष शिविर (रिफ्रेशर कैंप) के 14वें संस्करण की शुरुआत की है। इस शिविर में जवान अपने कौशल का प्रदर्शन करने के अलावा आराम कर खुद को तरोताजा करेंगे। नौसेना ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। भारत के मॉरिशस के साथ ऐतिहासिक, जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक दीर्घकालिक संबंध हैं। दोनों देशों के नेतृत्व में उच्चस्तर का विश्वास और आपसी समझ है, जो निरंतर उच्चस्तरीय राजनीतिक जुड़ाव में परिलक्षित होता है।

अमेरिका की स्वास्थ्य विशेषज्ञ समिति ने दी अनुमति

एक्सा-सेल जीन थेरेपी से सिकल सेल का उपचार

अमेरिका की स्वास्थ्य विशेषज्ञ समिति ने अनुवांशिक सिकल सेल रोग (एससीडी) का नई जीन थैरेपी एक्सा-सेल से इलाज की अनुमति दी है। अब खाद्य एवं दवा प्रशासन (एफडीए) से 8 दिसंबर को औपचारिक अनुमति मिलने की उम्मीद है। मौजूदा इलाज के मुकाबले एक्सा सेल कम दर्दनाक और ज्यादा प्रभावी माना जा रहा है। अमेरिका में 1 लाख लोग एससीडी के पीड़ित हैं, तो वहीं हर 13 में 1 अश्वेत में इसके जीन हैं। भारत में आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा 2016 से 2018 के बीच 1.13 करोड़ नागरिकों की स्क्रीनिंग करवाई गई, जिसमें 9.96 लाख में एससीडी के जीन मिले और 47,311 लोग पीड़ित पाए गए।

बोस्टन की फॉर्मा कंपनी ने किया विकसित

भारत के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अनुसार जनजातीय समुदाय के लोगों को यह रोग बड़ी संख्या में चपेट में लेता है। इन आंकड़ों के बीच एक्सा-सेल को लेकर दावा है कि यह पीड़ितों को दर्द और कमजोरी से मुक्ति दिलाएगा। इसे बोस्टन की फार्मा कंपनी वर्टेक्स और स्विट्जरलैंड की सीआरआईएसपीआर ने विकसित किया है।

70 साल पहले हुई थी बीमारी की पहचान

एससीडी जीन के म्यूटेशन से होता है। 70 साल पहले इस बीमारी की पहचान हुई। इसमें मानव की रक्त कोशिकाओं का आकार हंसिए जैसा या चंद्राकार हो जाता है। यह कम उम्र में ही असर दिखाने लगता है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति की रक्त-वाहिकाओं में रक्त जमने लगता है, जो स्ट्रोक, अंदरूनी अंगों को क्षति, मांसपेशियों में भीषण दर्द और ऑक्सीजन की कमी की वजह बनता है। बोन मैरो ट्रांसप्लांट, कीमो, रक्त चढ़ाना इसके मौजूदा इलाज हैं।

बीमा कंपनियों पर नजरें

न्यूयॉर्क टाइम्स न्यूज सर्विस के मुताबिक एक्सा-सेल की कीमत अभी सामने नहीं आई है, अनुमान है कि इसकी लागत करोड़ों रुपये हो सकती है। हालांकि कई बीमा कंपनियां इसका खर्च उठाने की प्रतिबद्धता दर्शा रही हैं। वे जीन थैरेपी के लिए सामान्यतः 25 करोड़ रुपये तक का खर्च उठाती रही हैं। अमेरिकी चिकित्सा सलाहकार समिति सदस्य डॉ. जॉन टिस्डेल के अनुसार दर्द से तड़पते बच्चों को देखने वाले डॉक्टर व कई माता-पिता के लिए यह नई उम्मीदें जगाता है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।